महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 16 अंक : 345 | उज्जैन, बुधवार 27 मई 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

सुविचार

वज़न तो सिर्फ हमारी इच्छाओं का है, बाकी ज़िन्दगी बिलकुल हलकी फुलकी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने माँ शिप्रा को 351 फीट की चुनरी अर्पित की

सिंहस्थ 2028 में दुनिया भारत की आध्यात्मिक समृद्धता का दर्शन करेगी

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मां शिप्रा के प्रांगण में आज हम आस्था, प्रकृति और जल के प्रति कृतज्ञता का महोत्सव मना रहे हैं। नदियाँ धमनियों की तरह होती है और देश-प्रदेश को जीवन प्रदान करती है। मां शिप्रा उज्जैन को जीवन प्रदान करती हैं । उन्होंने कहा कि रामघाट अद्भुत आयोजन का साक्षी बन रहा है। एक तरफ मां गंगा का अवतरण दिवस है, तो दूसरी तरफ मोक्षदायिनी मां क्षिप्रा की दो दिवसीय पावन तीर्थ परिक्रमा का संकल्प पूर्ण हो रहा है।मां शिप्रा तीर्थ परिक्रमा में सूर्यनारायण भगवान ने तीर्थार्थियों को परीक्षा ली लेकिन मां शिप्रा के आशीर्वाद से शिप्रा परिक्रमा सफलतापूर्वक पूर्ण हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह उद्बोधन रामघाट पर मां शिप्रा तीर्थ परिक्रमा यात्रा के समापन अवसर पर दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मां शिप्रा से प्रार्थना है कि अवंतिका नगरी को भव्य और दिव्य बनाने का आशीर्वाद सदैव प्रदान करती रहें। मां शिप्रा के आशीष और बाबा महाकाल की कृपा से सिंहस्थ 2028 का अभूतपूर्व आयोजन करेंगे। सिंहस्थ 2028 में दुनिया भारत की आध्यात्मिक समृद्धता का दर्शन करेंगी। सिंहस्थ 2028 का वैभवशाली और विराट आयोजन वैश्विक स्तर पर होगा। इस महाआयोजन के लिए हजारों करोड़ रुपए के विकास कार्य शासन द्वारा किए जा रहे हैं।

मोक्षदायनी मां क्षिप्रा नदी के निर्मल और अविरल जल में सुगमता से स्नान और सुविधा की दृष्टि से कान्ह क्लोज डक्ट,सेवरखेड़ी- सिलारखेड़ी परियोजनाओं पर कार्य किए जा रहे हैं।भीड़ प्रबंधन के लिए आंतरिक मार्गो का चौड़ीकरण,स्नान के लिए 30 किमी नवीन घाटों का निर्माण शिप्रा के दोनों किनारों पर किया जा रहा है। शिप्रा नदी पर ब्रिजों की श्रृंखलाओं श्रंखलाओं का निर्माण किया जा रहा है। श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन के लिए नवीन सड़क, रेल और हवाई मार्गों से उज्जैन को जोड़ा जा रहा है।

जल गंगा संवर्धन जनभागीदारी से चलने वाला प्रकृति संरक्षण का जनआंदोलन बन गया है- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश जल संरक्षण के क्षेत्र में पूरे देश में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। यह केवल शासन की पहल नहीं, बल्कि जनभागीदारी से चलने वाला एक जनआंदोलन बन चुका है। जल गंगा संवर्धन जैसे अभियान हमारे सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल्यों को भी पुनर्जीवित कर रहे हैं। ये उत्कृष्ट कार्य सभी जिलों में जारी है। नदी जोड़ों अभियान में मध्यप्रदेश अग्रणी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पावन नगरी उज्जैन, सम्राट विक्रमादित्य कि गौरवशाली परंपरा से जुड़ी है। लगभग 2 हजार वर्ष पूर्व उन्होंने धार्मिक स्थलों का पुनर्निर्माण कर भारत की धरा को नई पहचान दी। एक हजार साल पहले राजा भोज का समय था। उज्जैन, धार, इंदौर, भोपाल तक परमार काल में शासन रहा। इस दौर में धार में मां सरस्वती (वाग्देवी) का मंदिर और शिक्षा का स्थल बना। उसी सांस्कृतिक धारा को आगे बढ़ाते हुए आज देश में आस्था का एक नया युग आया है, जब न्यायालय के निर्णय के पश्चात प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण हुआ—यह पूरे राष्ट्र के लिए गौरव का विषय है। इसी तरह अब धार में मां सरस्वती लोक का निर्माण किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मां शिप्रा केवल एक नदी नहीं, बल्कि हमारी आस्था, परंपरा और जीवन का आधार है। लगभग 137 किलोमीटर लंबी इस पावन धारा में त्रिवेणी से लेकर सिद्धवट तक अनेक तीर्थ स्थित हैं, जहां दर्शन और पूजन से जीवन को सार्थक माना गया है। हम जब मां शिप्रा में एक पुष्प अर्पित करते हैं, तो वह केवल यहीं नहीं ठहरता—वह चंबल, यमुना होते हुए मां गंगा तक पहुंचता है। यह हमें बताता है कि हमारा हर छोटा कार्य भी व्यापक प्रभाव रखता है। इसलिए जल संरक्षण केवल जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति का हिस्सा है। गंगा दशहरा के पावन पर्व पर जल गंगा संवर्धन अभियान के माध्यम से प्रदेश की समस्त जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार और संवर्धन कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जल समृद्ध मध्यप्रदेश का भगीरथ संकल्प है, जल गंगा संवर्धन अभियान। जल संरक्षण और जल संवर्धन की दिशा में मध्यप्रदेश ने जन-भागीदारी का इतिहास लिखा है। इस वर्ष प्रदेश तीसरी बार जल गंगा संवर्धन अभियान का सफल आयोजन कर रहा हैं। 19 मार्च से 30 जून तक प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान 3.0 जारी है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत प्रदेश में लगभग 2 लाख जल संरक्षण संबंधी कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण किए जा चुके हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंच पर विराजमान नर्मदा मिशन के संस्थापक सदी की सबसे कठोर निराहार साधना करने वाले पूज्य अवधूतदादा गुरुजी और आशीर्वाद देने पधारे समस्त संतजनों को प्रणाम कर दूर-दूर से आए श्रद्धालुओं का अभिनंदन किया।

नर्मदा मिशन के संस्थापक संत श्री दादा गुरु ने कहा कि मां गंगा के प्रकटोत्सव पर नदियों का उद्गम दिवस मनाया जाता हैं। हमें गर्व है अपनी संस्कृति पर जो हमें धर्म और प्रकृति से जोड़ती है। भारत की नदियां भारत की शक्ति है यह नदियां साक्षात मां भगवती का रूप है। मां शिप्रा , मां गंगा , मां नर्मदा, मां कावेरी , मां कृष्णा देवभूमि भारत की शक्तियां है। 22 वर्ष पहले मां शिप्रा के संरक्षण पथ पर चलने वाला नागरिक मां शिप्रा के संरक्षण और संवर्धन कर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। यह मां शिप्रा का आशीर्वाद है। प्रदेश में सुशासन और सांस्कृतिक पुनरुत्थान का नवीन कार्य मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में हो रहा है। सिंहस्थ 2028 में जब वैश्विक समुदाय उज्जैन आयेगा तब दुनिया सनातन के सामर्थ्य को देखेंगी।

मां शिप्रा तीर्थ परिक्रमा यात्रा बैंड-बाजों के साथ भव्य रूप से रामघाट पहुँची, जहाँ श्रद्धा और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। रामघाट पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने माँ शिप्रा का विधिवत पूजन-अर्चन किया और 351 फीट लंबी चुनरी अर्पित कर प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। यह पूजन पंडित श्री गौरव उपाध्याय के द्वारा सम्पन्न हुआ। इसके पश्चात दत्त अखाड़ा घाट पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुंबई से आए भारतीय नौसेना के बैंड द्वारा भव्य सिम्फनी प्रस्तुति का श्रवण किया।

न्यूज ब्रीफ

भारत को अभेद्य किला बनाएंगे अमित शाह, पाकिस्तान-बांग्लादेश समेत देश की सभी सीमाओं को सुरक्षित करने का प्लान

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत-बांग्लादेश सीमा को अभेद्य बनाने के ऐलान के बाद गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह जमीनी स्थिति का आकलन करने के लिए सीमाओं का दौरा करेंगे।

इसकी शुरूआत मंगलवार का राजस्थान में बीकानेर के पास सीमा चौकी का दौरा करने से होगी। बाद में शाह का गुजरात, त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल के सीमाओं का भी दौरा करने का कार्यक्रम है। शुक्रवार को बीएसएफ के एक कार्यक्रम के दौरान अमित शाह ने बताया था कि सीमाओं को अभेद्य बनाने के लिए स्मार्ट बॉर्डर प्रोजेक्ट पर काम हो रहा है। इस प्रोजेक्ट के तहत पाकिस्तान और बांग्लादेश की पूरी सीमा पर तकनीक आधारित स्मार्ट सिक्योरिटी ग्रिड खड़ी की जाएगी। इसका रोडमैप बनाने पर काम शुरू हो गया है। स्मार्ट बॉर्डर प्रोजेक्ट में सीमाओं की निगरानी में ड्रोन, रडार, आधुनिक कैमरों का इस्तेमाल किया जाएगा। अगले एक साल में इस प्रोजेक्ट पर काम शुरू हो जाएगा। गृह मंत्री अमित शाह अगले कुछ दिनों में भारत के बॉर्डर क्षेत्रों का प्रवास करेंगे और सुरक्षा संबधी बैठकें करेंगे। गृहमंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार अमित शाह सोमवार की रात में बीकानेर पहुचेंगे और मंगलवार को बीएसएफ की सीमा चौकी सांचू का दौरा करेंगे। वहां पर तैनात सुरक्षा बलों से संवाद करेंगे और उनके लिए कल्याणकारी योजनाओं का उद्घाटन भी करेंगे। इसके बाद बीकानेर में बॉर्डर क्षेत्र की सुरक्षा की समीक्षा करेंगे, जिसमें गृह मंत्रालय, राजस्थान सरकार, बीएसएफ के अधिकारी और पांच सीमावर्ती जिलों के जिला अधिकारी व पुलिस अधीक्षक उपस्थित रहेंगे। राजस्थान के बाद अमित शाह 29 मई को गुजरात के भुज का प्रवास करेंगे।

5 रुपये में मछली-चावल, स्कूल-मंदिरों के पास शराबबंदी; सीएम शुभेंदु का बड़ा एलान

नई दिल्ली/ जीएनएस। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने मंगलवार को कई कल्याणकारी उपायों की घोषणा की, जिनमें रियायती भोजन, महिलाओं के लिए मासिक वित्तीय सहायता और शैक्षणिक व धार्मिक संस्थान के पास शराब की दुकानों पर नए प्रतिबंध शामिल हैं। एक जनसभा को संबोधित करते हुए अधिकारी ने कहा कि पूरे राज्य में विशेष कैंटीनों में 5 रुपए में मछली चावल का भोजन उपलब्ध कराया जाएगा।उन्होंने यह भी योजना की कि अन्नपूर्णा योजना के फॉर्म 27 मई से जारी किए जाएंगे। इस योजना के तहत, पात्र महिलाओं तो वित्तीय सहायता के रूप में प्रति माह 3,000 रुपए मिलेंगे। मुख्यमंत्री ने एलान किया कि स्कूलों, कॉलेजों और मंदिरों के एक किलोमीटर के दायरे में शराब की दुकानों की अनुमति नहीं होगी। उन्होंने कहा कि बंगाल में एक नई व्यवस्था लागू की गई है। जहां शासक का शासन नहीं, बल्कि कानून का शासन चलता है। सीएम शुभेंदु ने कहा कि हमने पहले दुर्गापुर में एक बैठक की थी, जिसमें बांकुरा, पूर्वी बर्दमान और पश्चिमी बर्दवान शामिल थे। आज हमने नादिया, उत्तर 24 परगना और हुगली पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक बैठक की। मालदा में भी ऐसी ही बैठकें होंगी, जिनमें मुर्शिदाबाद, उत्तर दिजानपुर और दक्षिण दिनाजपुर शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि एक नई एक नई व्यवस्था लागू की गई है, जहां शासक का शासन नहीं, बल्कि कानून का शासन चलता है। दुनिया के सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी, जो राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत पर विश्वास रखती है, लोगों के आशीर्वाद से सत्ता में आई है। नए लोग विधायक, मंत्री और मुख्यमंत्री बने हैं। हमारा दृष्टिकोण क्या है? हर राज्य का शासन कैसे चलाना चाहते हैं? हमारा घोषणापत्र क्या है? ये विचार सबसे पहले प्रशासन के हर स्तर तक पहुंचने चाहिए। इसी उद्देश्य के साथ हम ये जनसंपर्क दौरे और बैठकें कर रहे हैं।

शिक्षा मंत्रालय का 14-18 साल के बच्चों के लिए बड़ा फैसला, पढ़ाई छोड़ चुके दो करोड़ छात्रों के सपनों को मिलेगी नई उड़ान

नई दिल्ली/ जीएनएस। सामाजिक, आर्थिक सहित दूसरे कारणों से स्कूली शिक्षा को बीच में छोड़ चुके देश के 14 से 18 साल की उम्र के करीब दो करोड़ बच्चों को फिर से पढ़ाने और स्किलिंग की तैयारी है।

शिक्षा मंत्रालय ने राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी संस्थान (एनआइओएस) के साथ मिलकर इसे लेकर एक देशव्यापी योजना तैयार बनाई है। जिसमें पढ़ाई बीच में छोड़ चुके बच्चों की जिला स्तर पर पहचान होगी। बाद में उन्हें ब्लॉक स्तर पर एनआईओएस की मदद से पढ़ाया और सिखाया जाएगा।

इनमें अधिकांश बच्चे ऐसे हैं, जो दसवीं या बारहवीं की बोर्ड परीक्षाओं में फेल होने के बाद पढ़ाई छोड़ चुके हैं। इनमें से अधिकांश छोटे-मोटे काम में लगे हुए हैं।

शिक्षा मंत्रालय की पहल- शिक्षा मंत्रालय ने यह पहल राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की ओर से हाल में जारी की गई पीरियाडिक लेवर फोर्स सर्वे (पीएलएफएस) रिपोर्ट के बाद शुरू की है, जिसमें बताया गया था कि देश में 14 से 18 साल की उम्र के करीब दो करोड़ बच्चे ऐसे है, जिन्होंने स्कूली शिक्षा को बीच में छोड़ दी है।

साथ ही इनमें कुछ लोग अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए छोटे-मोटे काम में लगे हुए है। शिक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने पिछले दिनों इसे लेकर एनआइओएस के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक भी की थी।

घर में अपराध होने पर घर वालों को बताना होगा कि पीड़ित की कैसे हुई मौतः सुप्रीम कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि अगर घर की चारदीवारी में कोई अपराध होता है तो घर में रहने वालों की यह बताने की जिम्मेदारी होगी कि पीड़ित की कैसे मौत हुई।

जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने गौड़ आचारजी नामक व्यक्ति की अपनी पत्नी सोमा आचारजी की हत्या और उसके साथ क्रूरता के मामले में आइपीसी की धारा 302 और 498ए के तहत दोषसिद्धि और आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखा है। पीठ ने कहा कि उसने पीड़िता के शरीर पर लगी चोटों के लिए कोई विश्वसनीय स्पष्टीकरण नहीं दे सका।

पीठ ने कहा, यह बात भली-भांति स्थापित है कि अगर कोई अपराध घर की चारदीवारी में होता है तो मामला साबित करने का प्रारंभिक दायित्व अभियोजन पक्ष पर होता है, लेकिन घर में रहने वालों की यह बताने की जिम्मेदारी होगी कि पीड़ित की मृत्यु किन परिस्थितियों में हुई। इस मामले को कई लोगों के लिए आंखें खोलने वाला बताते हुए पीठ ने प्रश्न उठाए कि क्या सोमा आचारजी की जान बचाई जा सकती थी। क्या सामाजिक कलंक के डर से सोमा को खतरे में डाला गया था।

NEET पेपर लीकः हाईपावर कमेटी के सुझाव के बाद भी एनटीए निजी एजेंसियों का नहीं छोड़ पा रही मोह

नई दिल्ली/ जीएनएस। पेपर लीक जैसी घटनाओं से बचने के लिए हाईपावर कमेटी ने भले ही नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) को निजी एजेंसियां पर से निर्भरता को खत्म करने और अपना खुद का एक टेस्ट प्लेटफॉर्म खड़ा करने का सुझाव दिया था, लेकिन इसके बाद भी वह निजी एजेंसियों का मोह नहीं छोड़ पा रही है।

समिति ने यह सुझाव तब दिया था, जब 2024 में नीट-यूजी पेपर लीक की घटना के बाद यह सामने आया था कि परीक्षा की पूरी प्रक्रिया ही निजी एजेंसियों के भरोसे संचालित हो रही है।

इसरो के पूर्व प्रमुख डॉ. के. राधाकृष्णन की अगुवाई में गठित हाईपावर कमेटी ने इस दौरान एनटीए को परीक्षा की विश्वसनीयता को बनाए रखने के लिए दो तरह के सुझाव दिए थे, इनमें अधिकांश तात्कालिक थे, जिन्हें तुरंत अमल में लाना था, वहीं कुछ बड़े और दीर्घकालिक थे। जिनके अमल में समय लग सकता था। इन्हीं सुझाव में से समिति ने एनटीए को अपना खुद का परीक्षा प्लेटफॉर्म और ढांचा तैयार करने का सुझाव दिया था। जिसमें निजी एजेंसियों पर से निर्भरता को पूरी तरह से खत्म करने हुए अपना खुद व अपने द्वारा तैयार सॉफ्टवेयर व स्पेशल हार्डवेयर भी बनवाने को कहा था।

इतना ही नहीं, समिति ने इसे पायलट टेस्टिंग के बाद ही अपनाने का सुझाव दिया था। खासबात यह है कि समिति यह एनटीए और शिक्षा मंत्रालय को यह सुझाव अक्टूबर 2024 में दिए थे लेकिन इसके बाद भी एनटीए ने निजी एजेंसियों से निर्भरता खत्म नहीं की। सूत्रों की मानें तो जब तब एनटीए निजी एजेंसियों पर से अपनी निर्भरता को खत्म नहीं करता है, तब तक परीक्षाओं में गड़बड़ी की संभावना बनी रहेगी।

नीट-यूजी की 21 जून को दोबारा होने वाली परीक्षा को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों, उप-राज्यपालों व प्रशासकों को पत्र लिखकर परीक्षा के सफल संचालन के लिए सहयोग मांगा है। साथ ही भीषण गर्मी व लू की स्थिति को देखते परीक्षार्थियों के लिए परीक्षा केंद्रों पर सभी आवश्यक बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित कराने का आग्रह किया है।

प्रधान ने राज्यों को लिखे पत्र में परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षित पेयजल, बैठने की पर्याप्त व्यवस्था, चालू हालत में पंखे, कूलर, साफ शौचालय, छायादार प्रतीक्षा क्षेत्र, निर्बाध विद्युत आपूर्ति जैसी व्यवस्थाएं जुटाने के लिए कहा है।

वहीं छात्रों के हितों को देखते हुए उन्होंने सभी राज्य सरकारों से यह भी आग्रह किया कि परीक्षा के दिन अभ्यर्थियों के लिए पर्याप्त परिवहन सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं।

बीपीएससी इंटरव्यू शेड्यूल जारी, सिपाही भर्ती परीक्षा की तारीख भी बदली

नई दिल्ली/ जीएनएस। Bihar Public Service Commission ने मंगलवार को पांच विभागों में नियुक्ति के लिए मुख्य परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों के साक्षात्कार कार्यक्रम जारी कर दिए। वहीं दूसरी ओर बिहार पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा की तिथि में भी बदलाव किया गया है। आयोग की ओर से जारी सूचना के अनुसार अभ्यर्थियों के अनुक्रमांक के साथ साक्षात्कार की तिथि घोषित कर दी गई है। इंटरव्यू जून महीने में आयोजित किए जाएंगे। बीपीएससी ने बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद में कनीय प्रयोगशाला सहायक, विधि पदाधिकारी, सहायक पर्यावरण अभियंता, जनसंपर्क पदाधिकारी और एनालिस्ट पदों के लिए साक्षात्कार कार्यक्रम जारी किया है। साक्षात्कार 10, 11, 12, 16 और 17 जून को आयोजित किए जाएंगे। आयोग ने अभ्यर्थियों से कहा है कि वे ऑनलाइन लॉगइन कर अपना इंटरव्यू लेटर डाउनलोड कर लें। अभ्यर्थी BPSC Online Portal पर जाकर लॉगइन कर साक्षात्कार पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। आयोग ने समय पर दस्तावेज तैयार रखने का निर्देश भी दिया है। आयोग ने कहा है कि अभ्यर्थी लागइन कर साक्षात्कार लेटर डाउनलोड कर लें।

30 साल और 800 से ज्यादा एयर शो, IAF की सूर्यकिरण टीम ने सटीक उड़ान से बढ़ाई भारत की शान

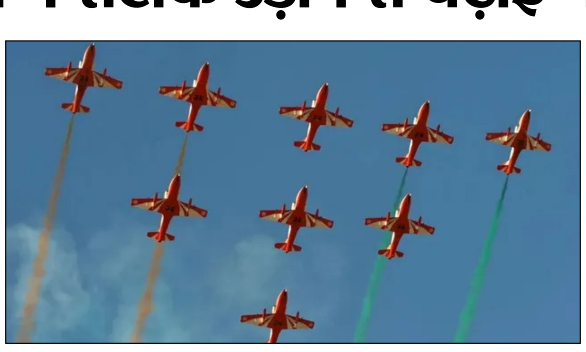

नई दिल्ली/ जीएनएस। कर्नाटक के बीदर स्थित एयर फोर्स स्टेशन पर आज मंगलवार को सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम ने अपनी 30वीं वर्षगांठ मनाई। इस मौके पर भारतीय वायु सेना ने देश के जांबाजों को उनकी सटीकता, जुनून और गौरव के लिए बधाई दी।

IAF ने SKAT के बारे में आगे बताते हुए लिखा, अपने आदर्श वाक्य सदैव सर्वोत्तम यानी हमेशा सर्वश्रेष्ठ पर चलते हुए, यह टीम IAF की भावना और उत्कृष्टता का प्रतीक है। IAF ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, 1996 में अपनी शुरुआत से लेकर भारत और विदेशों में 800 से ज्यादा शानदार प्रदर्शनों तक, स्क्वन्ज्ञ अपनी बेजोड़ पेशेवरता, सटीक उड़ान और टीम वर्क से लोगों को प्रेरित करती आ रही है।

आधिकारिक तौर पर भारतीय वायु सेना के राजदूत के रूप में जानी जाने वाली SKAT ने पिछले कुछ सालों में भारत और विदेशों में सैकड़ों हवाई प्रदर्शन किए हैं और प्रतिष्ठित एयर शो, राष्ट्रीय समारोहों और अंतरराष्ट्रीय विमानन कार्यक्रमों में IAF का प्रतिनिधित्व किया है।

इस टीम ने श्रीलंका, म्यांमार, थाईलैंड, सिंगापुर, चीन और,श्च जैसे देशों में प्रदर्शन किया है और अपनी सटीक उड़ान व शानदार बनावट के लिए खूब वाहवाही बटोरी है।

कैसे मिला टीम को सूर्यकिरण नाम- SKAT ने शुरुआत में मशहूर किरण Mk II विमान उड़ाए थे। इसी के चलते टीम को सूर्यकिरण नाम मिला, जिसका मतलब है सूरज की किरणें। लगभग दो दशकों तक, इस टीम ने पूरे देश में कई शानदार प्रदर्शन किए और IAF के सबसे जाने-पहचाने प्रतीकों में से एक बन गई।

मई 2006 में, इस टीम को आधिकारिक तौर पर 52 स्क्वाड्रन, शार्क्स का नाम दिया गया, जिसने पहले के MiG-21 FL स्क्वाड्रन की विरासत को आगे बढ़ाया।

केरलम में महिला की एसिड पीने से मौत, पति और सास पर दहेज उत्पीड़न का आरोप

नई दिल्ली/ जीएनएस। केरलम में महिला की एसिड पीने से मौत, पति और सास पर दहेज उत्पीड़न का आरोप केरल के कोझिकोड में 24 वर्षीय महिला ने एसिड पी लिया, जिसके कारण उसकी मौत हो गई। मृतका की पहचान चेरलडुक्कम की रहने वाली फातिमात सुफैदा के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि फातिमात सुफैदा ने अपने ससुराल वालों के सामने एसिड पी लिया।

फातिमात सुफैदा के परिवार वालों ने बताया कि उसके पति और सास ने मानसिक और शारीरिक रूप से उसे प्रताड़ित किया हुआ था। उन्होंने आरोप लगाया कि उसका पति दहेज को लेकर उसे परेशान कर रहा था।

केरलम में महिला ने पीया एसिड- कोझिकोड में विद्यानगर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत पनालम में अपने पति के घर पर एसिड पीने से 24 वर्षीय फातिमात सुफैदा की मौत का मामला सामने आया है।

विद्यानगर के स॥ह्र ने बताया कि सुफैदा ने अपने भाई को घर बुलाया था और अपने मायके लौटने की तैयारी कर रही थी, तभी उसके पति आदिल ने उससे कहा कि अगर वह चली गई, तो फिर कभी वापस न आए।

राऊ पुलिस की त्वरित कार्रवाई, चंद घंटों में अपहृत अनाज व्यापारी सुरक्षित मुक्त

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में अपराधों पर नियंत्रण को लेकर इंदौर पुलिस द्वारा लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में थाना राऊ पुलिस ने तत्परता और सूझबूझ का परिचय देते हुए अपहरण के एक सनसनीखेज मामले का चंद घंटों में खुलासा कर अपहृत अनाज व्यापारी को सुरक्षित मुक्त करा लिया। पुलिस ने इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर वारदात में प्रयुक्त स्विफ्ट कार भी जब्त कर ली है, जबकि एक फरार आरोपी की तलाश जारी है।

पुलिस के अनुसार 25 मई 2026 को फरियादिया ने थाना राऊ पहुंचकर सूचना दी कि उनके पति, जो अनाज व्यापारी हैं, शाम करीब 6 बजे पीथमपुर रोड स्थित वाइन शॉप के पास खड़े थे। इसी दौरान कार में सवार होकर आए 4 से 5 अज्ञात व्यक्तियों ने उनके साथ मारपीट की और जबरन कार में बैठाकर अपहरण कर ले गए।

मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना राऊ पुलिस ने वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में तत्काल विशेष टीम गठित की। पुलिस टीम ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले, जिससे अपहरणकर्ताओं की कार का सुराग मिला। तकनीकी साक्ष्यों और फुटेज के आधार पर पुलिस टीम ग्राम नागपुर, सांवेर पहुंची, जहां घेराबंदी कर चार आरोपियों को हिरासत में लिया गया और उनके कब्जे से अपहृत व्यापारी सूरज लववंशी को सकुशल मुक्त कराया गया।

पुलिस जांच में सामने आया कि घटना के पीछे जमीनी विवाद और आपसी लेनदेन का मामला था। फरियादिया की शिकायत और व्यापारी के बयान के आधार पर थाना राऊ में पांच आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 326/26 के तहत विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर विवेचना की जा रही है।

गिरफ्तार आरोपियों में मुकेश पटेल, जितेंद्र पटेल, सुमित पटेल तथा गब्बर उर्फ सुनील पटेल शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त स्विफ्ट कार भी जब्त कर ली है। फरार आरोपी की तलाश के लिए पुलिस टीम लगातार कार्रवाई कर रही है।

पूरे मामले के खुलासे में थाना प्रभारी राऊ निरीक्षक राजपाल सिंह राठौर, अनिल सिसोदिया, प्रधान आरक्षक बलराम चौहान, आरक्षक देवेंद्र, नारायण, रमन वर्मा तथा साइबर टीम के आरक्षक प्रशांत और अमित खत्री की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

इंदौर जिले में अनुसूचित जाति के युवाओं को रोजगार के लिये दिया जायेगा 10 हजार रुपये से लेकर 50 लाख रुपये तक का लोन

जिले में इस वर्ष होंगे 340 युवा लाभान्वित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्य शासन द्वारा अनुसूचित जाति के युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं के तहत अनुसूचित जाति के युवाओं को उद्योग, व्यवसाय तथा सेवा ईकाई स्थापना के लिये 10 हजार रुपये से लेकर 50 लाख रुपये तक का लोन दिया जायेगा। जिले में इस वर्ष इन योजनाओं के लक्ष्य प्राप्त हो गए हैं। जिले में इस वर्ष तीन विभिन्न योजनाओं में 340 युवाओं को लाभान्वित करने का लक्ष्य रखा गया है।

राज्य शासन के मध्यप्रदेश अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम भोपाल द्वारा अनुसूचित जाति वर्ग के लिये संत रविदास स्वरोजगार योजना, डॉ. भीमराव अम्बेडकर आर्थिक कल्याण योजना क्रियान्वित की जा रही है। जिले में इस वर्ष संत रविदास स्वरोजगार योजना में 100 युवाओं को लाभान्वित करने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। योजना में एक लाख रुपये से लेकर 50 लाख रुपये तक उद्योग परियोजनाओं के लिये एवं एक लाख रुपये से लेकर 25 लाख रुपये तक का लोन, सेवा ईकाई एवं खुदरा व्यवसाय हेतु प्रदान किया जायेगा। योजना का लाभ लेने के लिए हितग्राही की उम्र 18 से 45 वर्ष के बीच तथा न्यूनतम योग्यता 8वीं कक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। परिवार की वार्षिक आय 12 लाख से अधिक नहीं होना चाहिये। वित्तीय सहायता ब्याज अनुदान वितरित/शेष ऋण पर 5 प्रतिशत की दर से अधिकतम 7 वर्षों तक नियमित रूप से ऋण भुगतान की शर्त पर देय होगा।

इसी तरह डॉ. भीमराव अम्बेडकर आर्थिक कल्याण योजना में 240 युवाओं को लाभान्वित करना का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। इस योजना में पात्र हितग्राही को 10 हजार रुपये से लेकर एक लाख रुपये तक की राशि सेवा ईकाई एवं खुदरा व्यवसाय हेतु प्रदान की जायेगी। योजना का लाभ लेने हेतु हितग्राही की उम्र 18 से 55 वर्ष के बीच होना चाहिये। हितग्राही आयकर दाता नहीं होना चाहिये। योजना में वित्तीय सहायता ब्याज अनुदान वितरित/शेष ऋण पर 7 प्रतिशत की दर से अधिकतम 5 वर्षों तक नियमित रूप से ऋण भुगतान की शर्त पर देय होगा। उक्त दोनों योजनाओं के लिए इच्छुक आवेदक जिले के किसी भी एम.पी. ऑनलाईन सेंटर पर जाकर वेबसाईट में आवेदन कर सकते है।

अधिकारियों को हिदायत वर्षा ऋतु से पहले सड़क और ब्रिज निर्माण कार्य करे पूर्ण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में आज जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में आगामी वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए सड़कों की मरम्मत, अपूर्ण सड़क एवं ब्रिज निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के साथ शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्री वर्मा ने संबंधित विभागों के अधिकारियों से कहा कि बारिश के दौरान कहीं भी जलभराव अथवा यातायात अवरोध जैसी स्थिति निर्मित न हो, इसके लिए अभी से प्रभावी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। बैठक में इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. परीक्षित झाड़े, डीसीपी ट्रैफिक श्री राजेश त्रिपाठी, स्मार्ट सिटी के सीईओ श्री अर्थ जैन, अपर कलेक्टर श्री रोशन राय, नगर निगम इंदौर के अपर आयुक्त श्री अभय राजनगांवकर सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे। बैठक में विशेष रूप से राष्ट्रीय राजमार्गों एवं अन्य प्रमुख मार्गों पर यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित बनाए रखने पर जोर दिया गया। कलेक्टर श्री वर्मा ने निर्देश दिए कि सड़कों पर अनधिकृत रूप से वाहन खड़े कर यातायात बाधित करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा एवं यातायात सुधार के लिए जनजागरूकता जितनी आवश्यक है, उतनी ही जरूरी सतत प्रवर्तन एवं कार्रवाई भी है। बैठक में ब्लैक स्पॉट सुधार कार्यों की समीक्षा भी की गई।

पद्म सम्मान की नई परंपरा : प्रसिद्धि नहीं, प्रतिबद्धता - दीपक जैन 'टीनू'

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नई सोच और नए मानदंडों के साथ पद्म पुरस्कारों की बदलती तस्वीर अब देश में व्यापक चर्चा का विषय बन गई है। लंबे समय तक यह धारणा बनी रही कि पद्म सम्मान केवल प्रभावशाली लोगों, राजनीतिक निकटता रखने वालों या महानगरों तक सीमित चेहरों को ही मिलते हैं। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में इस व्यवस्था में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। अब पद्म पुरस्कार उन लोगों तक पहुंच रहे हैं, जिन्होंने वर्षों तक समाज के बीच रहकर मौन रूप से सेवा और राष्ट्र निर्माण का कार्य किया।

प्रधानमंत्री आदरणीय नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में पद्म पुरस्कारों की चयन प्रक्रिया में जमीनी योगदान को प्राथमिकता मिलने लगी है। अब पुरस्कारों की सूची में ऐसे नाम सामने आते हैं, जो दूरस्थ गांवों, जनजातीय क्षेत्रों, लोककला, पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा और समाजसेवा से जुड़े रहे हैं। इन लोगों ने बिना किसी प्रचार या प्रसिद्धि के समाज के लिए उल्लेखनीय कार्य किया और आज उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल रही है।

पहले पद्म पुरस्कारों को लेकर अक्सर यह आरोप लगता था कि चयन प्रक्रिया पर प्रभावशाली लॉबी और राजनीतिक समीकरण हावी रहते हैं। कई बार ऐसे नामों को सम्मानित किए जाने पर विवाद भी खड़े हुए, जिनके योगदान को लेकर समाज में सवाल उठते थे। इससे पुरस्कारों की विश्वसनीयता प्रभावित होती थी और आम लोगों के बीच यह भावना बनती थी कि राष्ट्रीय सम्मान प्रतिभा से अधिक पहुंच का परिणाम हैं।

वर्तमान समय में यह धारणा तेजी से बदली है। अब देश का सामान्य नागरिक यह महसूस करने लगा है कि यदि उसका कार्य समाज और राष्ट्र के लिए महत्वपूर्ण है, तो उसे भी राष्ट्रीय सम्मान मिल सकता है। यही कारण है कि आज पद्म पुरस्कारों को लेकर समाज में अपनापन और गर्व की भावना दिखाई देती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह बदलाव केवल प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना के पुनर्संतुलन का संकेत है। लंबे समय तक राष्ट्रीय विमर्श महानगरों तक सीमित रहा, जबकि गांवों, वनांचलों, लोकभाषाओं और पारंपरिक ज्ञान को अपेक्षित महत्व नहीं मिल पाया। अब पद्म पुरस्कारों के माध्यम से उन उपेक्षित क्षेत्रों और व्यक्तित्वों को राष्ट्रीय मंच मिल रहा है।

जब किसी छोटे गांव के शिक्षक, लोक कलाकार, सामाजिक कार्यकर्ता या जनजातीय क्षेत्र में सेवा देने वाले व्यक्ति को पद्म सम्मान मिलता है, तो पूरा समाज स्वयं को सम्मानित महसूस करता है। यही लोकतांत्रिक व्यवस्था की वास्तविक सफलता मानी जा रही है।

विशेषज्ञों के अनुसार, भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में सम्मान व्यवस्था की निष्पक्षता और विश्वसनीयता अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। यदि पुरस्कार वास्तविक कर्मयोगियों तक पहुंचते हैं, तो वे आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का माध्यम बनते हैं। वर्तमान व्यवस्था में पद्म पुरस्कारों को उसी दिशा में एक नई पहचान मिलती दिखाई दे रही है।

जल संरक्षण जनभागीदारी का अभियान, इंदौर लक्ष्य से दोगुना काम करेगा : महापौर पुष्यमित्र भार्गव

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल संरक्षण को लेकर इंदौर नगर निगम द्वारा जनभागीदारी के साथ व्यापक स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव की दूरदर्शी सोच के तहत प्रदेश में शुरू किए गए जल गंगा संवर्धन अभियान के सकारात्मक परिणाम अब दिखाई देने लगे हैं। उन्होंने कहा कि इस बार भीषण गर्मी और कम वर्षा के कारण शहर में हजारों बोरिंग सूख गए, लेकिन जिन स्थानों पर वाटर रिचार्ज सिस्टम लगाए गए थे, वहां के बोरिंग अब भी चालू हैं। महापौर ने बताया कि इंदौर में अब तक सवा लाख से अधिक वाटर रिचार्जिंग संयंत्र लगाए जा चुके हैं। इसके तहत घरों की छतों का वर्षा जल सीधे बोरिंग में पहुंचाने की व्यवस्था की गई है, जिससे भूजल स्तर को बनाए रखने में मदद मिल रही है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष 15 हजार नए वाटर रिचार्ज संयंत्र लगाने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें से लगभग 4 हजार कार्य पूरे किए जा चुके हैं।

जनसुनवाई में बढ़ रहा आमजन का विश्वास, पुलिस कमिश्नर ने सुनीं समस्याएं

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई में मंगलवार को पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने नागरिकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और उनके त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पुलिस कमिश्नर कार्यालय के सभागार में आयोजित इस जनसुनवाई में बड़ी संख्या में नागरिक अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे।

जनसुनवाई के दौरान कुल 129 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें पारिवारिक विवाद, आपसी मतभेद, पैसों के लेन-देन, फाइनेंशियल फ्रॉड, प्लॉट एवं मकान संबंधी धोखाधड़ी, महिला अपराध, सुनवाई नहीं होने की शिकायतें तथा अन्य पुलिस संबंधित प्रकरण प्रमुख रूप से शामिल रहे।

पुलिस कमिश्नर ने प्रत्येक आवेदक की समस्याओं को संवेदनशीलता और गंभीरता के साथ सुना। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को समक्ष में तथा दूरभाष के माध्यम से आवश्यक निर्देश देते हुए प्रकरणों में त्वरित, निष्पक्ष एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि पीड़ितों को शीघ्र राहत मिल सके।

जनसुनवाई में सभी जोन के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने आवेदकों की शिकायतों को विस्तार से सुना तथा कई मामलों में मौके पर ही आवश्यक कार्रवाई प्रारंभ कराई गई।

इस अवसर पर पुलिस कमिश्नर ने आमजन को आश्वस्त किया कि इंदौर पुलिस नागरिकों की सुरक्षा, न्याय एवं अधिकारों के संरक्षण के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक शिकायत का संवेदनशीलता और निष्पक्षता के साथ निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा।

इसके साथ ही पुलिस द्वारा संचालित मध्यस्थता केंद्रों के माध्यम से पारिवारिक एवं आपसी विवादों में काउंसलिंग कर शांतिपूर्ण समाधान के प्रयास भी लगातार किए जा रहे हैं, जिससे मामलों का सौहार्दपूर्ण एवं शीघ्र निराकरण संभव हो सके।

सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को समय पर में अस्पताल पहुँचाकर नवजीवन देने वाले निलेश गौर को राह-वीर अवॉर्ड एवं प्रशस्ति पत्र से किया सम्मानित

राह-वीर योजना अंतर्गत प्रोत्साहन स्वरूप 25 हजार रुपये का मिला पुरस्कार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में एक सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को समय पर अपस्ताल पहुँचाकर नया जीवन देने वाले श्री निलेश गौर को राज्य शासन के राह-वीर अवार्ड से सम्मानित किया गया है। सम्मान स्वरूप उन्हें कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उन्हें पुरस्कार स्वरूप 25 हजार रूपये भी दिए गए हैं।

यह अवार्ड आज उन्हें कलेक्टर कार्यालय में सौंपा गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री प्रदीप शर्मा और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव हासानी भी उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने श्री निलेश गौर को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर कहा कि सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल पीड़ित को गोल्डन ऑवर में इलाज के लिए निकटतम अस्पताल पहुंचाकर उसकी जान बचाकर अनुकरणीय कार्य किया है। एक राह-वीर के रुप में किए गए इस सराहनीय कार्य के लिए श्री निलेश की प्रशंसा करते हुए कहा कि भविष्य में भी इस तरह के पुनीत कार्य करते रहेंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि आपके उक्त सम्माननीय कार्य से अन्य नागरिक भी प्रेरित होंगे। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय अप्रेजल कमेटी द्वारा अनुमोदन कर प्रस्ताव राज्य सड़क सुरक्षा समिति लीड एजेंसी को प्रेषित किए जाते हैं।

विगत 19 जून 2025 को इंदौर के कमलाकेशर नगर (कुशवाह नगर) निवासी श्री नितेश पिता श्री मधुकर इंदौर में रिक्शा पलटने से मुंह, हाथ एवं पैर में अधिक चोट लगने से घायल हुए। राह-वीर श्री निलेश गौर ने अपने दायित्व एवं तत्परता से गोल्डन ऑवर में उक्त घायल को उपचार के लिए तत्काल अरबिंदो अस्पताल में भर्ती कराया, जिससे घायल की जान बचाई जा सकी।

पीएम मित्र पार्क : पुनर्वास की नई मिसाल, 89 परिवारों के जीवन में आया सकारात्मक बदलाव

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। धार जिले में विकसित किए जा रहे पी.एम. मित्र पार्क के अंतर्गत प्रभावित परिवारों के पुनर्वास का कार्य संवेदनशीलता एवं मानवीय दृष्टिकोण के साथ निरंतर प्रगति पर है। परियोजना से प्रभावित कुल 89 परिवारों में से अब तक 48 परिवारों को दो चरणों में 24-24 परिवारों के समूह के रूप में सफलतापूर्वक नवीन आवासीय कॉलोनी में स्थानांतरित किया जा चुका है, जबकि शेष 41 परिवारों का पुनर्वास आगामी 3 माह में पूर्ण किए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। एक पुर्नवास कार्यक्रम में श्रीमती सावित्री ठाकुर, माननीय राज्य मंत्री महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भोपाल भी शामिल हो चुकी है।

सामान्यतः पुनर्वास एवं विस्थापन की प्रक्रियाएं लोगों में असंतोष एवं नाराजगी उत्पन्न करती हैं, किन्तु पीएम मित्र पार्क में किया जा रहा यह पुनर्वास एक सकारात्मक एवं प्रेरणादायी उदाहरण बनकर उभरा है। जिन परिवारों का जीवन अब तक असंगठित एवं मूलभूत सुविधाओं से वंचित वातावरण में व्यतीत हो रहा था, उन्हें अब एक सुव्यवस्थित एवं आधुनिक आवासीय परिसर उपलब्ध कराया गया है।

लगभग 17.49 करोड़ रुपये की लागत से विकसित इस पुनर्वास परियोजना के अंतर्गत नवीन कॉलोनी में स्वच्छ पेयजल हेतु नल कनेक्शन, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, पक्की सड़कें, सुरक्षित एवं कवर परिसर, सीसीटीवी व्यवस्था, प्राथमिक शिक्षा केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तथा बच्चों एवं परिवारों के लिए प्लै ग्राउण्ड एवं पार्क जैसी सुविधाएं विकसित की गई हैं। इससे प्रभावित परिवारों के जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार आया है तथा उन्हें सुरक्षित एवं सम्मानजनक वातावरण प्राप्त हुआ है।

4R सिद्धांत पर आधारित इंदौर नगर निगम की अनूठी पहल, कबाड़ से सजे 'वेस्ट टू वंडर' पार्क

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वच्छता और नवाचार के क्षेत्र में देशभर में अपनी अलग पहचान बना चुके इंदौर शहर में अब अनुपयोगी वस्तुओं के पुनः उपयोग को बढ़ावा देने की दिशा में भी उल्लेखनीय पहल की जा रही है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव एवं नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देशानुसार इंदौर नगर निगम द्वारा 4रसिद्धांत – रिड्यूस, रीयूज, रीसायकल और रिकवर – को अपनाते हुए शहर में वेस्ट टू वंडर पार्क विकसित किए गए हैं।

नगर निगम द्वारा पुराने कबाड़, लोहे के स्क्रैप, टायर, पाइप, मशीनों के हिस्सों तथा अन्य अनुपयोगी सामग्री का रचनात्मक उपयोग कर आकर्षक और कलात्मक संरचनाएं तैयार की गई हैं। इन संरचनाओं को शहर के प्रमुख गार्डनों में स्थापित किया गया है, जो नागरिकों और पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बन रही हैं।

नगर निगम द्वारा विकसित वेस्ट टू वंडर पार्क नाना-नानी गार्डन, ग्लोबल गार्डन, यूरेशिया पब्लिक पार्क, केशव वाटिका गार्डन और विश्राम बाग सहित विभिन्न स्थानों पर तैयार किए गए हैं। इन पार्कों में कबाड़ से बनाई गई कलाकृतियां लोगों को पर्यावरण संरक्षण और संसाधनों के बेहतर उपयोग का संदेश दे रही हैं।

नगर निगम अधिकारियों के अनुसार इस पहल का उद्देश्य केवल शहर की सुंदरता बढ़ाना नहीं, बल्कि नागरिकों को 4र सिद्धांत अपनाने के लिए प्रेरित करना भी है। यदि लोग अपने घरों और आसपास निकलने वाले पुराने सामान का पुनः उपयोग और पुनर्चक्रण करना शुरू करें, तो कचरे की मात्रा में कमी आने के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी मजबूती मिलेगी।

इन पार्कों को देखने आने वाले बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों में भी खास उत्साह देखने को मिल रहा है। लोग यह समझ रहे हैं कि रचनात्मक सोच और नवाचार के जरिए बेकार समझी जाने वाली वस्तुओं को भी उपयोगी और आकर्षक बनाया जा सकता है।

इंदौर नगर निगम की यह पहल स्वच्छता, नवाचार और जनभागीदारी का उत्कृष्ट उदाहरण बनकर सामने आई है। वेस्ट टू वंडर पार्क शहरवासियों को यह संदेश दे रहे हैं कि सामूहिक प्रयासों और सकारात्मक सोच से कबाड़ को भी नई पहचान दी जा सकती है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत सिरपुर और लिंबोदी तालाब का निरीक्षण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री मोहन यादव की मंशानुसार चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत शहर के जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं पुनर्जीवन के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में मंगलवार को कलेक्टर शिवम वर्मा एवं नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने सिरपुर तालाब और लिंबोदी तालाब का निरीक्षण कर वहां चल रहे संरक्षण एवं विकास कार्यों की समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त आशीष पाठक, कार्यपालन यंत्री अश्विन जनवदे, प्रभारी आकाश जैन, रोहित बोयत सहित संबंधित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने तालाबों की वर्तमान स्थिति, जल संग्रहण क्षमता, कैचमेंट एरिया में हुए अतिक्रमण तथा तालाबों तक पहुंचने वाली चैनल लाइनों की सफाई एवं रखरखाव कार्यों का अवलोकन किया।

कलेक्टर शिवम वर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आगामी वर्षाकाल को ध्यान में रखते हुए तालाबों में अधिकतम जल संग्रहण सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते पूरी की जाएं। उन्होंने कहा कि शहर के प्रमुख तालाबों का संरक्षण जल संरक्षण की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण है। साथ ही तालाबों की प्राकृतिक जल आवक को बाधित करने वाले अवरोधों को प्राथमिकता के आधार पर हटाने तथा कैचमेंट एरिया में किए गए अतिक्रमणों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए।

नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने संबंधित अधिकारियों को तालाबों की चैनल लाइनों की नियमित सफाई कर वर्षा जल के निर्बाध प्रवाह की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

900 वर्ष पुरानी ऐतिहासिक बावड़ी को मिला नवजीवन, जल संरक्षण और सांस्कृतिक विरासत के संगम का साक्षी बना तिल्लौर खुर्द गाँव

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आव्हान पर संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत गंगा दशहरा उत्सव के अवसर पर जनपद पंचायत इंदौर द्वारा राऊ विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत तिल्लौर खुर्द में ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक महत्व से जुड़े भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लगभग 900 वर्ष प्राचीन बावड़ी के जीर्णोद्धार एवं लोकार्पण का शुभ अवसर श्रद्धा, संस्कृति और जनभागीदारी के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर विधायक श्री मधु वर्मा, इंदौर जनपद पंचायत के अध्यक्ष श्री विश्वजीत सिंह सिसोदिया (कान्हा पटेल) सहित अन्य जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी, श्रद्धालुजन एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में परम पूज्य महंत श्री सोमेश्वर गिरी जी महाराज द्वारा ने बताया कि विक्रम संवत 1184 में निर्मित इस प्राचीन बावड़ी का जीर्णोद्धार न केवल एक ऐतिहासिक धरोहर के संरक्षण का प्रयास है, बल्कि यह हमारी प्राचीन जल संरक्षण परंपरा को पुनर्जीवित करने की दिशा में भी प्रेरणादायी पहल माना जा रहा है। सदियों पुरानी यह बावड़ी आज भी भारतीय संस्कृति, आस्था और पर्यावरणीय चेतना का जीवंत प्रतीक बनी हुई है।

पवित्र घोषित नगरों और क्षेत्रों में मदिरा की अवैध बिक्री पर पूरी तरह रोक लगाने के दिए हैं निर्देश-उप मुख्यमंत्री देवड़ा

नियमों की अनदेखी करने वाले मदिरा ठेकेदारों और अधिकारियों के खिलाफ कड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने जिलों के कलेक्टर्स को आबकारी व्यवस्था का कड़ाई से पालन कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि शासन ने वर्ष 2026-27 की आबकारी नीति के प्रावधानों को जमीनी स्तर पर पूरी तरह लागू करने और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश जारी किए हैं। उप मुख्यमंत्री देवड़ा निर्देश दिए हैं कि आबकारी विभाग अब अवैध रूप से संचालित शॉप बार, समय सीमा के उल्लंघन और ओवर रेटिंग जैसी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए राज्य व्यापी विशेष अभियान चलाया जाए। नियमों की अनदेखी करने वाले मदिरा ठेकेदारों और अधिकारियों के खिलाफ कड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी।

उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने कहा कि प्रदेश में राजपत्र में प्रकाशित नियमों के अनुसार आबकारी नीति का कड़ाई से पालन कराया जाएं। उन्होंने आबकारी विभाग की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए मुख्यालय ने सभी जिला अधिकारियों को बिंदुवार दिशा-निर्देश जारी कर तत्काल प्रभाव से कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है। सरकार के इस कदम से अवैध रूप से मदिरा का विक्रय और उपभोग कराने वाले तत्वों पर शिकंजा कसेगा।

उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने कहा कि नीतिगत प्रावधानों में प्रदेश की सभी कम्पोजिट मदिरा दुकानों को पूरी तरह %ऑफ श्रेणी% का घोषित किया गया है, जिसके तहत दुकान परिसर या उसके आसपास मदिरा सेवन की सुविधा उपलब्ध कराना पूरी तरह प्रतिबंधित है। उन्होंने नियमों के उल्लंघन करने की शिकायतों की सघन जांच के लिए विशेष दलों का गठन कर औचक निरीक्षण के बाद अवैध अहातों और उपभोग स्थलों को बंद करने के निर्देश दिये।

उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने कहा कि इसके साथ ही, मदिरा दुकानों के निर्धारित समय से पहले खुलने और बंद होने के तय वक्त के बाद भी देर रात तक मदिरा की बिक्री किए जाने के मामलों को गंभीरता से लिया गया है। राजपत्र में निर्धारित समय सीमा का कड़ाई से पालन कराने के लिए पुलिस और आबकारी विभाग की संयुक्त टीमें गश्त करेंगी। वहीं, उपभोक्ताओं से तय मूल्य से अधिक राशि वसूलने यानी ओवर रेटिंग की शिकायतों पर रोक लगाने के लिए प्रत्येक दुकान पर विक्रय दरों का प्रदर्शन अनिवार्य किया गया है। उन्होंने निर्देशित किया कि पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए मदिरा की वास्तविक दरों के सत्यापन के लिये दुकानों पर क्यूआर कोड चस्पा किए जाएं। कोई भी ठेकेदार यदि निर्धारित दर से अधिक कीमत पर मदिरा बेचता पाया जाता है, तो उसके खिलाफ राजपत्र के प्रावधानों के तहत भारी जुर्माना और लाइसेंस निलंबन जैसी दंडात्मक कार्रवाई की जाएं। उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने कहा है कि प्रदेश के पवित्र घोषित किए गए नगरों और क्षेत्रों में मदिरा की अवैध बिक्री पर भी पूरी तरह रोक लगाने के निर्देश दिए गये हैं। इन प्रतिबंधित क्षेत्रों में पूर्व से ही मदिरा दुकानों को पूरी तरह बंद रखने के आदेश लागू हैं। अब वहां किसी भी प्रकार के शराब के अवैध परिवहन या बिक्री को रोकने के लिए निगरानी तंत्र को और अधिक मजबूत किया जा रहा है।

पीएम आवास योजना शहरी में इस वर्ष 6650 हितग्राहियों को मिलेगा आवास

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर अदिति गर्ग की अध्यक्षता में जिला स्तरीय बैंकर्स समन्वय समिति की बैठक हुई। बैठक में बताया गया कि पीएम आवास योजना शहरी 2.0 के अंतर्गत इस वर्ष जिले के 6650 हितग्राहियों को आवास का लाभ प्रदान किया जाएगा। कलेक्टर गर्ग ने निर्देश दिए कि योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए ताकि अधिक से अधिक पात्र नागरिक इसका लाभ प्राप्त कर सकें। पीएम विश्वकर्मा योजना की समीक्षा के दौरान जानकारी दी गई कि गत वर्ष लगभग 5000 युवाओं को प्रशिक्षण देकर योजना का लाभ प्रदान किया गया। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिन बैंकों द्वारा आवेदन निरस्त किए गए हैं, उनके कारणों की आईटीआई प्राचार्य एवं एलडीएम के साथ मिलकर रैंडम जांच की जाए तथा निरस्तीकरण के कारणों का परीक्षण किया जाए। पीएम स्वनिधि योजना अंतर्गत 50 हजार रुपये तक की ऋण योजना में अधिक से अधिक आवेदन प्राप्त करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि इस योजना की समीक्षा प्रत्येक साप्ताहिक बैठक में की जाएगी। बैठक में पीएम मुद्रा योजना, अटल पेंशन योजना, पीएम सुरक्षा बीमा योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, उद्यम क्रांति योजना, कामधेनु योजना, संत रविदास स्वरोजगार योजना तथा भगवान बिरसा मुंडा योजना की भी विस्तृत समीक्षा की गई। फसल बीमा संबंधी शिकायतों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर गर्ग ने बीमा कंपनी के अधिकारियों को वीसी के माध्यम से निर्देश दिए कि किसानों की शिकायतों का शीघ्र निराकरण कर भुगतान सुनिश्चित किया जाए। साथ ही इसके लिए जिम्मेदार अधिकारी को जिले में नियुक्त करने के निर्देश भी दिए। बैठक में लीड बैंक मैनेजर संजय मोदी सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी एवं बैंकर्स उपस्थित रहे।

ग्राम हतनारा में जल चौपाल आयोजित

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह के निर्देशों के परिपालन में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग उपखंड जावरा द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने हेतु निरंतर निरीक्षण एवं भ्रमण किया जा रहा है। इसी क्रम में पिपलोदा विकासखंड की ग्राम पंचायत हतनारा में विभागीय अधिकारियों द्वारा विशेष जल चौपाल आयोजित कर पेयजल व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया। जल चौपाल के दौरान सहायक यंत्री श्री इरफान अली, उपयंत्री श्री जिग्नेश बामनिया एवं विभागीय अमले ने ग्राम के जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों से चर्चा कर गांव के समस्त पेयजल स्त्रोतों का निरीक्षण किया। निरीक्षण में पाया गया कि ग्राम हतनारा की वर्तमान जनसंख्या लगभग 4700 है तथा ग्राम में पेयजल व्यवस्था के लिए वर्तमान में तीन नलकूप आधारित नलजल योजनाएं संचालित हैं, जिनके माध्यम से दो उच्चस्तरीय टंकियों से जल प्रदाय किया जा रहा है। वर्तमान में दो नलकूपों की जल आवक क्षमता कम होने के कारण जल प्रदाय की मात्रा प्रभावित हो रही थी।

ईद-उल-जुहा, महाराणा प्रताप जयंती एवं मोहर्रम पर्व शांति एवं सौहार्द के साथ मनाएं – कलेक्टर

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड।नवीन पुलिस अधीक्षक कार्यालय सभाकक्ष में मंगलवार को कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह की अध्यक्षता में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में आगामी त्योहारों ईद-उल-जुहा (बकरीद), महाराणा प्रताप जयंती/छत्रसाल जयंती एवं मोहर्रम (ताजिया) – को शांति, सौहार्द एवं सद्भावपूर्ण वातावरण में मनाए जाने को लेकर समिति सदस्यों के साथ चर्चा कर आवश्यक निर्णय लिए गए। बैठक में कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह ने आयुक्त नगर निगम को निर्देशित किया कि त्योहारों के दौरान शहर में स्वच्छता एवं साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि मोहर्रम के ताजिया जुलूस एवं अन्य धार्मिक आयोजन निर्धारित मार्गों से ही निकाले जाएं तथा यातायात व्यवस्था प्रभावित न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। कलेक्टर ने कहा कि सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए पर्वों के दौरान आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। कार्यक्रम स्थलों एवं मार्गों पर सड़कों को अवरुद्ध न होने दिया जाए तथा वाहनों की सुव्यवस्थित पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। लाउडस्पीकर का उपयोग निर्धारित ध्वनि सीमा के अनुरूप किया जाए। साथ ही मध्यप्रदेश विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारियों को निर्बाध विद्युत व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बड़े अस्पताल के निःस्वार्थ सेवार्थी कंपाउंडर सोनी और वाडेल के बाद कुरैशी भी इस माह होंगे रिटायर्ड, याद की जाती रही है इनकी सेवाएं

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला चिकित्सालय मंदसौर में पूरे 42 वर्ष सेवाएं देने वाले कंपाउंडर लईक एहमद कुरैशी 30 मई 2026 को सेवानिवृत्त हो रहे हैं, हालांकि अधिकांश समय लईक भाई की सेवाएं जिला चिकित्सालय के स्टोर में ही रही लेकिन अपने मिलन सरिता एवं कुशल व्यवहार से न सिर्फ अपने विभागीय स्टाफ के साथ बल्कि जिला चिकित्सालय में आने वाले आम लोगों के साथ भी इनका व्यवहार मिलनसारिता का रहा। सामान्य दिनों में उनके मोहल्ले या नगर के परिचित जिला चिकित्सालय में इलाज के लिए आते भी थे तो उन्हें परेशान नहीं होना पड़ता था। इनके अलावा कोविड के दौरान उनकी सेवाएं काफी प्रशंसनीय रही। भोपाल ,उज्जैन, रतलाम आदि क्षेत्रों से दवाई व ऑक्सीजन की व्यवस्था करवाने में आपकी सेवा की काफी प्रशंसा हुई। इसके कारण इन्हें पुरस्कृत भी किया गया था। इतना ही नहीं निस्वार्थ सेवा भावना के परिणाम स्वरूप भारत सरकार की ओर से प्रतिनियुक्ति पर दो बार हज यात्रा करने का सौभाग्य भी इन्हें प्राप्त हुआ है। भारत सरकार की ओर से मक्का मदीना तथा जिद्दा में प्रतिनियुक्ति पर उनकी ड्यूटी लगी। इस तरह हज यात्रा करने का सौभाग्य इन्हें प्राप्त हुआ। शासन की ओर से इन्हें आई.आई.एम (मैनेजमेंट संस्था) राऊ में विशेष स्टोर प्रशिक्षण के लिए भी भेजा गया था।

सीनियर जर्नलिस्ट अशोक त्रिपाठी ने बताया कि मंदसौर नगर के पुरानी तहसील क्षेत्र के निवासी कंपाउंडर लईक भाई सेवानिवृत्ति के बाद जिला चिकित्सालय में अपने नजर नहीं आएंगे, इन जैसे चेहरों के वहां रहने से मंदसौर के परिचित लोगों को विश्वास की भावना रहती थी। पूर्व में सेवानिवृत्त हुए कंपाउंडर पी.पी. सोनी और राजेंद्र कुमार वाडेल की सेवाएं लोग आज दिन तक याद करते हैं। इसी तरह लईक भाई का कार्य व्यवहार लोग भूल नहीं पाएंगे। अब तो जिला चिकित्सालय मेडिकल कॉलेज बन गया है स्टाफ भी बढ़ा व सुविधाएं भी लेकिन अपनेपन का एहसास नहीं रहा। कर्मचारियों को अपनी ड्यूटी से मतलब रह गया है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए लोग कहते सुने गए कि इससे तो पहले ही अच्छी सुविधा उपलब्ध थी। अब तो कर्मचारी काम पर कम और मोबाइल पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं।

बाढ नियंत्रण एवं आपदा प्रबंधन के लिए वर्षाकाल पूर्व तैयारियों को लेकर कलेक्टर ने ली समीक्षा बैठक

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर सभागृह में कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह की अध्यक्षता में वर्षाकाल पूर्व तैयारियों को दृष्टिगत रखते हुए बाढ़ नियंत्रण एवं आपदा प्रबंधन संबंधी बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की तैयारियों की समीक्षा करते हुए आपदा की स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह ने सभी राजस्व अधिकारियों को बाढ़ आपदा की स्थिति में राहत शिविरों हेतु स्थान अभी से चिन्हित कर वहां आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निर्माण विभाग से जुड़े सभी विभाग प्रमुखों को निर्देश दिए गए कि वे अपने निर्माण कार्यों से संबद्ध ठेकेदारों के पास उपलब्ध संसाधनों की सूची तैयार करें, ताकि आपदा के समय क्विक रिस्पांस किया जा सके। कलेक्टर ने डिस्ट्रिक्ट कमाण्डेन्ट होमगार्ड को प्रशिक्षित तैराक दल, लाइफ जैकेट, नाव, रस्सी, टॉर्च आदि संसाधनों की पर्याप्त व्यवस्था रखने एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को वर्षा जनित बीमारियों से बचाव हेतु आवश्यक स्टाफ, दवाइयों एवं एन्टीवेनम की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि पटवारी एवं पंचायत सचिवों को आपदा के समय त्वरित कार्यवाही हेतु सक्रिय रखा जाए।

ऑटो, ई-रिक्शा के मनमाने किराये पर अंकुश लगाने की मांग, मैजिक सेवा को स्टेशन, कोर्ट और नवीन कलेक्टर कार्यालय तक बढ़ाने का सुझाव

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में ऑटो, टेम्पो एवं ई-रिक्शा चालकों द्वारा मनमाना किराया वसूले जाने की बढ़ती शिकायतों को लेकर भारत विकास परिषद शाखा मंदसौर के सचिव दिलीप सेठिया ने मंगलवार को जनसुनवाई में जिला पुलिस अधीक्षक को आवेदन सौंपकर आम नागरिकों की समस्या से अवगत कराया।

सेठिया ने कहा कि नगर में संचालित ऑटो एवं ई-रिक्शा आमजन के लिए महत्वपूर्ण परिवहन साधन हैं, लेकिन किराया निर्धारण नहीं होने के कारण कई चालक यात्रियों से मनमाना शुल्क वसूल रहे हैं। इससे विशेष रूप से महिलाओं, विद्यार्थियों, बुजुर्गों और बाहरी क्षेत्रों से आने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। आवेदन में उन्होंने प्रशासन से मांग की कि ऑटो और ई-रिक्शा के लिए दूरी के आधार पर किराया दरें निर्धारित की जाएं तथा निर्धारित किराया सूची प्रत्येक वाहन और प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर अनिवार्य रूप से प्रदर्शित कराई जाए, ताकि यात्रियों को पारदर्शी एवं न्यायसंगत किराया व्यवस्था का लाभ मिल सके। इसके अलावा उन्होंने वर्तमान में संचालित नगर सेवा मैजिक वाहन का रूट विस्तार करते हुए उसे रेलवे स्टेशन, जिला न्यायालय परिसर एवं नवीन कलेक्टर भवन तक संचालित करने की मांग भी उठाई। उनका कहना है कि इससे प्रतिदिन इन स्थानों पर आने-जाने वाले हजारों नागरिकों को सीधी और सस्ती परिवहन सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। सेठिया ने प्रशासन से जनहित में शीघ्र निर्णय लेकर शहर की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को अधिक सुव्यवस्थित और नागरिक हितैषी बनाने की अपेक्षा जताई है।

देशभक्ति, अनुशासन और अद्भुत प्रतिभा का संगम बना एनसीसी शिविर, हुआ समापन

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, सैन्य कौशल एवं कैडेट्स के उत्साह ने जीता सभी का दिल

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। 5 मध्यप्रदेश बटालियन एनसीसी द्वारा आयोजित दस दिवसीय वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का समापन 26 मई को भव्य एवं गरिमामयी सांस्कृतिक संध्या के साथ हुआ। 17 मई से डाइट कॉलेज परिसर में प्रारंभ हुए इस शिविर का संचालन कमान अधिकारी कर्नल सुनील चिकोडे एवं प्रशासनिक अधिकारी कर्नल ज्योति प्रकाश के नेतृत्व में किया गया। शिविर में लगभग 350 कैडेट्स ने सहभागिता करते हुए अनुशासन, समर्पण एवं राष्ट्रभक्ति का उत्कृष्ट परिचय दिया।

समापन अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक संध्या ने पूरे वातावरण को देशभक्ति एवं उत्साह से सराबोर कर दिया। देशभक्ति गीतों, लोकनृत्यों, समूह प्रस्तुतियों एवं सामाजिक संदेशों पर आधारित नाट्य मंचनों ने उपस्थित अतिथियों एवं दर्शकों को भावविभोर कर दिया। कैडेट्स की ऊर्जा, आत्मविश्वास एवं मंच संचालन क्षमता ने सभी का मन मोह लिया तथा कार्यक्रम के दौरान तालियों की गूंज लगातार सुनाई देती रही। शिविर के दौरान कैडेट्स को कई महत्वपूर्ण विषयों का गहन प्रशिक्षण दिया गया। शिविर में विभिन्न विभागों एवं क्षेत्रों से आए विशेषज्ञों द्वारा ज्ञानवर्धक व्याख्यान भी आयोजित किए गए। यातायात नियमों, एसडीआरएफ, सेल्फ डिफेंस, साइबर सतर्कता एवं अन्य सामाजिक विषयों पर विशेषज्ञों ने कैडेट्स को जागरूक करते हुए समाज एवं राष्ट्र के प्रति उनके दायित्वों का बोध कराया। समापन समारोह में बटालियन के कमान अधिकारी द्वारा विभिन्न गतिविधियों एवं प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कैडेट्स को सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि एनसीसी केवल सैन्य प्रशिक्षण का माध्यम नहीं, बल्कि युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व, सेवा एवं राष्ट्रभक्ति की भावना विकसित करने वाला एक सशक्त संगठन है। उन्होंने कैडेट्स के समर्पण, परिश्रम एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की। दस दिवसीय इस प्रशिक्षण शिविर ने कैडेट्स को केवल सैन्य प्रशिक्षण ही नहीं दिया, बल्कि उनमें अनुशासन, आत्मनिर्भरता, नेतृत्व, सहयोग एवं राष्ट्रसेवा की भावना को और अधिक सुदृढ़ किया। यह शिविर कैडेट्स के व्यक्तित्व निर्माण, आत्मविश्वास वृद्धि एवं उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं प्रेरणादायी अनुभव सिद्ध हुआ।

राजनीतिक द्वेष के कारण उजड़ रहा शहर का नेहरू गुलाब उद्यान-लाड़

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बस स्टैंड स्थित शहर का प्रसिद्ध नेहरू गुलाब उद्यान आज अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। कभी गुलाबों की खुशबू और हरियाली से महकने वाला यह उद्यान अब उजाड़ नजर आने लगा है।

जिला कांग्रेस प्रवक्ता राजनारायण लाड़ ने नगर पालिका परिषद मंदसौर पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि राजनीतिक द्वेषता और लापरवाही के कारण नगर का यह ऐतिहासिक उद्यान अपनी पहचान खोता जा रहा है। श्री लाड़ ने कहा कि कई वर्ष पूर्व कलेक्टर की सक्रियत से इस उद्यान का विशेष विकास किया गया था। पूरे गार्डन में विभिन्न प्रजातियों के गुलाब लगाए गए थे, जिससे दूर-दराज से लोग इस उद्यान को देखने आते थे। यहां का वातावरण सुगंधित और स्वच्छ बना रहता था, लेकिन वर्तमान में उद्यान में गुलाब के फूल लगभग गायब हो चुके हैं और पूरा परिसर अव्यवस्थाओं का शिकार हो गया है। श्री लाड़ ने आरोप लगाया कि बीजेपी शासित नगर पालिका परिषद की उदासीनता के कारण उद्यान की बाउंड्रीवाल क्षतिग्रस्त हो चुकी है तथा बैठने की कुर्सियां टूट चुकी हैं। उद्यान में गंदगी का अंबार लगा हुआ है और यहां आवारा पशुओं एवं नशेड़ी तत्वों का जमावड़ा बना रहता है, जिससे आम नागरिकों और परिवारों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। श्री लाड़ ने कहा कि नगर पालिका के पास बजट की कोई कमी नहीं है, इसके बावजूद आमजन की सुविधा और शहर की सुंदरता की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने मांग की कि बिना किसी भेदभाव के नेहरू गुलाब उद्यान का शीघ्र विकास एवं सौंदर्यीकरण कराया जाए, ताकि नगरवासियों को पुनः स्वच्छ और सुंदर वातावरण मिल सके। अंत में कांग्रेस प्रवक्ता श्री लाड़ ने नगर पालिका प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि शीघ्र ही उद्यान की स्थिति में सुधार नहीं किया गया तो कांग्रेस पार्टी जनहित में आंदोलन करने को मजबूर होगी।

खाद की कालाबाजारी रोकें, 1000 इनाम पाएंः सीएम किसान हेल्पलाइन 155253 पर दें गुप्त सूचना

सूचना दाता प्रोत्साहन योजना प्रदेश में लागू

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्य शासन द्वारा किसानों के हितों की रक्षा और गुणवत्तायुक्त खाद की उचित दाम पर उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु ÷सूचना दाता प्रोत्साहन योजना÷ पूरे मध्यप्रदेश में लागू की गई है। इस योजना के तहत उर्वरकों की कालाबाजारी, अवैध भंडारण, नकली या मिलावटी खाद की बिक्री और यूरिया के अवैध औद्योगिक उपयोग की सूचना देने पर 1,000 की प्रोत्साहन राशि सीधे बैंक खाते में दी जाएगी।

उपसंचालक कृषि श्री दिनेश मंडलोई ने इस योजना की जानकारी देते हुए बताया कि इस योजना के तहत राज्य एवं जिले का कोई भी नागरिक, किसान या व्यापारी अवैध गतिविधियों की शिकायत दर्ज करा सकता है।

पहचान रहेगी गोपनीय- सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम और पहचान पूरी तरह से गुप्त रखी जाएगी। इसे किसी भी स्तर पर उजागर नहीं किया जाएगा।

प्रोत्साहन राशि- सूचना सही पाए जाने और विभाग द्वारा सामग्री जब्त या दोष सिद्ध होने पर प्रति सूचना 1,000 की राशि सीधे बैंक खाते में भेजी जाएगी।

योजना अवधि- यह योजना 20 मई 2026 से 30 सितंबर 2026 तक प्रभावी रहेगी।

इन गतिविधियों की दे सकते हैं सूचना - बिना लाइसेंस के खाद बेचना।

- तय सीमा से अधिक खाद का अवैध भंडारण करना।
- निर्धारित मूल्य से अधिक दाम पर खाद बेचना (कालाबाजारी)।
- नकली या मिलावटी खाद का निर्माण और बिक्री करना।
- सरकारी अनुदान वाले यूरिया का फैक्ट्रियों या औद्योगिक कार्यों में अवैध उपयोग।
- अनाधिकृत रूप से उर्वरक परिवहन।

सूचना देने की प्रक्रिया- कार्यालयीन दिनों में सुबह 10.00 बजे से शाम 06.00 बजे तक सी.एम. किसान हेल्पलाइन नंबर 155253 पर कॉल करें।

हेल्पलाइन ऑपरेटर आपकी कॉल को संबंधित जिले के कलेक्टर के लैंडलाइन नंबर पर ट्रांसफर करेगा।

कलेक्टर के स्टेनो आपकी गुप्त सूचना नोट कर तुरंत कलेक्टर को अवगत कराएंगे। आपको घटना का स्थान, समय, संबंधित व्यक्ति/संस्था का नाम-पता और यदि संभव हो तो साक्ष्य (फोटो/वीडियो) की जानकारी देनी होगी। प्रोत्साहन राशि हेतु अपना बैंक खाता नंबर, आईएफएससी कोड और बैंक शाखा का नाम भी बताना होगा।

शिकायत सही मिलने पर कलेक्टर द्वारा गठित विशेष टीम तुरंत छापेमारी करेगी।

सूचना सही पाए जाने के 30 कार्य दिवसों के भीतर प्रोत्साहन राशि सीधे आपके खाते में ट्रांसफर कर दी जाएगी।

किसानों से अपील- उपसंचालक कृषि श्री दिनेश मंडलोई ने किसान भाईयों से अपील की है कि यदि आपके क्षेत्र में खाद की कालाबाजारी या नकली खाद बेचने जैसी कोई भी अवैध गतिविधि दिखती है, तो तुरंत हेल्पलाइन नंबर 155253 पर इसकी सूचना देकर जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाएं और पुरस्कार प्राप्त करें।

मत करो मेरे शहर को मैला, पर्यावरण मित्रों ने सुभाष वाटिका में किया 3 घंटे श्रमदान

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर को स्वच्छ सुंदर पर्यावरण युक्त प्रदूषण मुक्त बनाने हेतु संकल्पित सामाजिक संकल्प पर्यावरण मित्र संस्था नीमच के संरक्षक इंजिनियर नवीन कुमार अग्रवाल, अध्यक्ष किशोर बागड़ी ने मंगलवार दिनांक 26 मई 2026 को प्रातः 6 बजे से 9 बजे तक फुव्वारा चोक स्थित सुभाष वाटिका परिसर में स्वच्छता अभियान के तहत परिसर से प्लास्टिक पोलेथिन थैलियां पन्नी कांच एवं प्लास्टिक की बोतलें फटे पुराने कपड़े गंदा कचरा आदि एकत्रित कर वाटिका परिसर के बाहर ढेर लगाया इसके पश्चात परिसर में रोपित पेड़ पौधों के आसपास से कटिंली झाड़ियों घास खरपतवार निकाली संस्था संरक्षक नवीन अग्रवाल ने बताया कि वर्तमान में भीषण गर्मी का दोर चल रहा है ऐसे में रोपित पेड़ पौधों को नपा की लापरवाही से पर्याप्त पानी नहीं मिलने के कारण पेड़ पोंधे एवं परिसर के बीच हरी-भरी घास सुख रही है, पर्यावरण मित्रों की कड़ी मेहनत से शहर के मुख्य फुव्वारा चोक स्थित सुभाष वाटिका बनाई जो शहर की सुंदरता बढा रही है, संस्था अध्यक्ष किशोर बागड़ी ने बताया कि वाटिका परिसर के पास ही कुएं की मोटर 6 माह से ख़राब बंद पड़ी है कई बार नपा के जवाबदार अधिकारियों जन प्रतिनिधियों को अवगत कराया गया लेकिन इस ओर कोई ध्यान नहीं दिए जाने से पेड़ पोंधे नष्ट होने की कगार पर है, एक ओर नपा स्वच्छता सर्वेक्षण में प्रथम पायदान पर आने के लिए लाखों रुपए रंग रोगन में खर्च कर रही है लेकिन पेड़ पौधों के लिए कोई व्यवस्था नहीं है, संस्था द्वारा शहर के विभिन्न बाग बगीचों, ग्रीन बेल्ट परिसरों की पर्याप्त सुरक्षा,तार फेसिंग, पानी, आदि हेतु पत्र लिखें गए जिसपर भी कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है इसी तरह रोडवेज बस स्टैंड मुक्ती धाम के समीप बगीचे का बारीश के पुर्व जिर्णोद्धार हेतु अनुरोध किया गया जिस पर भी कोई कार्रवाई न होना सोचनीय है, नपा सीएमओ से अनुरोध है कि शहर हित में बगीचों, ग्रीन बेल्ट परिसरो के पेड़ पोधो कि सुरक्षा हेतु उचित सहयोग करें ताकि शहरवासियों को शुद्ध वायु आक्सीजन के साथ ही स्वच्छ वातावरण प्राप्त हो, किशोर बागड़ी अध्यक्ष संकल्प पर्यावरण मित्र संस्था नीमच।

जनसुनवाई में संवेदनशील कलेक्टरः 113 समस्याएं सुनीं, तत्काल समाधान के दिए निर्देश, सुम्मीबाई को 15 हजार की मदद, ट्रांसफार्मरों से हटेगा अतिक्रमण

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्टेट सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में जिले भर से आए 113 आवेदकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और संबंधित विभागीय अधिकारियों को समय-सीमा में निराकरण के सख्त निर्देश दिए।

मुख्य निर्देश- जरूरतमंद महिला को रेडक्रॉस से सहायता बालागंज निवासी जरूरतमंद महिला सुम्मीबाई को परिवार के भरण-पोषण हेतु कलेक्टर ने रेडक्रॉस सोसायटी, नीमच से 15,000 रुपये की आर्थिक सहायता तत्काल स्वीकृत करने के निर्देश रेडक्रॉस प्रभारी को दिए।

मृत्यु प्रमाण पत्र तत्काल प्रदान करें - ग्वालटोली निवासी सुश्री हेमलता प्रजापति के पति की मृत्यु जिला अस्पताल में होने के बाद भी मृत्यु प्रमाण पत्र जारी न होने की शिकायत पर कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया कि वे सिविल सर्जन से समन्वय कर अस्पताल के रिकॉर्ड के आधार पर मृत्यु प्रमाण पत्र अथवा उसकी प्रतिलिपि अविलंब उपलब्ध करवाएं।

विद्युत ट्रांसफार्मरों की सुरक्षा सर्वोपरि- पिपलिया व्यास के नीलेश की शिकायत पर कलेक्टर ने म.प्र. पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अधीक्षण यंत्री को निर्देश दिए कि जिले के सभी विद्युत ट्रांसफार्मरों का निरीक्षण करवाकर यह सुनिश्चित करें कि उनके पास अवैध अतिक्रमण, कबाड़ या ज्वलनशील सामग्री न हो। यदि कहीं ऐसा पाया जाए तो तत्काल हटाने की कार्यवाही की जाए, ताकि किसी भी दुर्घटना की संभावना न रहे।

जनसुनवाई मे जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, अपर कलेक्टर श्री बी.एस. कलेश सहित समस्त जिला अधिकारी उपस्थित थे।

जनसुनवाई में नीमच सिटी की नीता जैन, लीलाबाई, विद्यादेवी, सलमा हारून; बघूथन के लक्ष्मणसिंह; अठाना की लीलाकृष्णा, भंवरलाल; मनासा के नानालाल; हनुमंतिया के जयपाल; बधाना की आशा; इन्द्रानगर के आरिफ हुसैन; अडमालिया के बालकिशन, हुलाशी बाई; महुपुरा के अनिल; चडोली की घीसीबाई आदी।

सम्पादकीय

विश्व के नेताओं को क्यों समझ नहीं आती शांति की भाषा

मानव सभ्यता ने विज्ञान, तकनीक, चिकित्सा और संचार के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है, किंतु विडंबना यह है कि इसी सभ्यता का नेतृत्व करने वाले अनेक विश्व नेता आज भी युद्ध, हथियारों की होड़ और शक्ति प्रदर्शन की मानसिकता से बाहर नहीं निकल पाए हैं। आधुनिक विश्व का सबसे बड़ा संकट केवल आर्थिक असमानता या पर्यावरणीय विनाश नहीं, बल्कि वह मानसिक अस्थिरता और वैचारिक भ्रम है जिसने वैश्विक नेतृत्व को असंवेदनहीन बना दिया है। शांति की भाषा आज उन्हें कमजोरों की भाषा प्रतीत होती है, जबकि इतिहास गवाह है कि स्थायी विकास केवल शांति और सहअस्तित्व से ही संभव हुआ है।

आज दुनिया के कई शक्तिशाली राष्ट्र युद्ध की आग में झुलस रहे हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध, मध्य-पूर्व में इज़राइल-फिलिस्तीन संघर्ष, चीन-ताइवान तनाव, उत्तर कोरिया की परमाणु धमकियाँ और आतंकवाद की बढ़ती घटनाएँ यह प्रमाणित करती हैं कि विश्व नेतृत्व संवाद के स्थान पर टकराव को प्राथमिकता दे रहा है। ऐसा प्रतीत होता है मानो मानवता की करुणा पर सत्ता की महत्वाकांक्षा भारी पड़ गई हो।

महात्मा गांधी ने कहा था आँख के बदले आँख पूरे विश्व को अंधा बना देगी। गांधीजी का यह कथन आज पहले से अधिक प्रासंगिक दिखाई देता है। विश्व के बड़े नेता प्रतिशोध और प्रभुत्व की राजनीति में इतने उलझ चुके हैं कि उन्हें युद्ध के पीछे रोती मानवता दिखाई नहीं देती। लाखों निर्दोष नागरिक विस्थापित हो रहे हैं, बच्चे अनाथ हो रहे हैं,अर्थव्यवस्थाएँ बिखर रही हैं, किंतु हथियार उद्योग और सामरिक राजनीति लगातार फल-फूल रही है।

संयुक्त राष्ट्र संघ के पूर्व महासचिव कोफी अन्नान ने कहा था हमें युद्ध को मानवता के भविष्य से बाहर करना होगा। दुर्भाग्य यह है कि संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाएँ भी आज महाशक्तियों के राजनीतिक दबाव से पूर्णतः स्वतंत्र नहीं रह पाई हैं। वीटो शक्ति रखने वाले देश अक्सर अपने हितों के अनुसार वैश्विक निर्णयों को प्रभावित करते हैं। परिणामस्वरूप शांति वार्ताएँ केवल औपचारिकता बनकर रह जाती हैं।

विश्व के बड़े नेताओं की मानसिकता में एक गहरा भय भी दिखाई देता है–सत्ता खोने का भय, वर्चस्व समाप्त होने का भय और दूसरे राष्ट्र के अधिक शक्तिशाली हो जाने का भय। यही भय उन्हें शांति की जगह युद्ध की तैयारी की ओर धकेलता है। अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ. केनेडी ने अपने एक ऐतिहासिक भाषण में कहा था

मानव जाति को युद्ध समाप्त करना होगा, अन्यथा युद्ध मानव जाति को समाप्त कर देगा। केनेडी की यह चेतावनी आज परमाणु हथियारों से लैस दुनिया के लिए किसी भविष्यवाणी से कम नहीं लगती।

वर्तमान वैश्विक राजनीति में सबसे चिंताजनक बात यह है कि नेताओं की भाषा से संवेदनशीलता कम होती जा रही है। राजनीतिक मंचों पर संवाद के स्थान पर कटुता और धमकियों का प्रयोग बढ़ गया है। सोशल मीडिया और प्रचार तंत्र ने भी आक्रामक राष्ट्रवाद को बढ़ावा दिया है। जनता को भावनात्मक रूप से उकसाकर युद्ध समर्थक वातावरण तैयार किया जाता है। राष्ट्रहित के नाम पर हिंसा को उचित ठहराया जाने लगा है।

भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने पंचशील सिद्धांत प्रस्तुत करते हुए कहा था कि विश्व शांति सहअस्तित्व और पारस्परिक सम्मान से ही संभव है। उन्होंने गुटनिरपेक्ष आंदोलन के माध्यम से यह संदेश दिया कि शक्ति संतुलन युद्ध से नहीं बल्कि संवाद से कायम रखा जा सकता है। किंतु आज विश्व राजनीति में संवाद की जगह आर्थिक प्रतिबंध, सैन्य गठबंधन और हथियारों का प्रदर्शन अधिक दिखाई देता है।

दक्षिण अफ्रीका के महान नेता नेल्सन मंडेला ने कहा था–

यदि आप अपने शत्रु के साथ शांति चाहते हैं तो आपको उसके साथ काम करना होगा। यह कथन बताता है कि शांति केवल समझौतों से नहीं बल्कि मानसिक परिवर्तन से आती है। दुर्भाग्यवश वर्तमान विश्व नेतृत्व में यह मानसिक परिपक्वता कम दिखाई देती है। नेताओं के निर्णय अक्सर अहंकार, राजनीतिक लाभ और चुनावी रणनीतियों से प्रभावित होते हैं। मानवता पीछे छूट जाती है।

धार्मिक और सांस्कृतिक संघर्षों को भी कई बार राजनीतिक नेतृत्व अपने हित में उपयोग करता है। इससे समाजों में अविश्वास और घृणा बढ़ती है। दुनिया का सामान्य नागरिक शांति चाहता है, लेकिन सत्ता के गलियारों में बैठे लोग संघर्ष से लाभ अर्जित करते हैं। हथियार कंपनियों का बढ़ता प्रभाव भी विश्व शांति के लिए गंभीर खतरा बन चुका है। युद्ध जितना लंबा चलता है, हथियार उद्योग उतना अधिक लाभ कमाता है। ऐसे में शांति प्रयास कमजोर पड़ जाते हैं। भारत की सांस्कृतिक परंपरा सदैव ÷वसुधैव कुटुंबकम्÷ की रही है। भगवान बुद्ध ने अहिंसा और करुणा का संदेश दिया। स्वामी विवेकानंद ने विश्व बंधुत्व की बात की। फिर भी आधुनिक विश्व ने इन आदर्शों को केवल भाषणों तक सीमित कर दिया है। यदि विश्व नेतृत्व वास्तव में शांति चाहता, तो शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण पर उतना ही खर्च होता जितना हथियारों पर किया जा रहा है। आज आवश्यकता केवल राजनीतिक समझौतों की नहीं, बल्कि मानसिक क्रांति की है। विश्व नेताओं को यह समझना होगा कि युद्ध किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं होता। युद्ध केवल विनाश की नई नींव रखता है। शांति कमजोरी नहीं बल्कि सबसे बड़ी शक्ति है। जो नेता संवाद, सहिष्णुता और मानवता की रक्षा करते हैं, इतिहास अंततः उन्हीं को महान मानता है। अंततः यह कहा जा सकता है कि मानसिक रूप से भ्रमित वैश्विक नेतृत्व ने दुनिया को भय, असुरक्षा और संघर्ष के द्वार पर ला खड़ा किया है। यदि समय रहते शांति, सहअस्तित्व और मानवीय मूल्यों को प्राथमिकता नहीं दी गई, तो आने वाली पीढ़ियाँ हमें एक असफल सभ्यता के रूप में याद करेंगी।

आत्मसाक्षात्कार : परमात्मा के अंतिम आशीर्वाद को पाने की ओर पहला कदम

परमपिता परमेश्वर ने इस सृष्टि की रचना के बाद अपनी सबसे सुंदर कृति बनाई – मानव। परमात्मा ने मनुष्य को अपना प्रतिबिंब मानकर उसे फल, फूल, अन्न, सुंदर प्रकृति, बुद्धि, धन-दौलत और अनेक आशीर्वाद दिए। अब केवल एक अमूल्य आशीर्वाद शेष था – निर्विचार अवस्था के बाद प्राप्त होने वाली अमृतमयी मनःशांति। परंतु परमात्मा ने सोचा कि यदि यह भी मानव को सहज ही मिल जाए, तो वह परमात्मा को भूलकर केवल भौतिक सुखों में खो जाएगा।

परमपूज्य श्री माताजी प्रणीत सहजयोग हमें उसी परम प्रेम, करुणा और शांति की ओर ले जाता है, लेकिन हम भौतिक माया में उलझे हुए हैं। श्री माताजी ने कहा है कि धन और भौतिकता मनुष्य को उसके सूक्ष्म अस्तित्व से दूर कर देते हैं।

भौतिकता व धन दोनों ही इस भौतिक संसार के लिए आवश्यक चीज हैं परंतु उतनी ही मात्रा में जो आपके जीवन यापन को सुगम बना सके । यदि आप पूर्ण रूप से वस्तुओं के अधीन हो जाते हैं, अपने व अपने निर्माता परमपिता दोनों ही के अस्तित्व को भुलाकर मात्र वस्तु बनकर रह जाते हैं तब निराशा, तनाव, अशांति, उदासी व अवसाद आपके जीवन के अंग बन जाते हैं। और परमात्मा का अंतिम आशीर्वाद जो हमें स्वयं अपने प्रयासों से प्राप्त करना होगा ही इन परिस्थितियों का उपचार होता है।

परमपूज्य श्री माताजी कहती हैं कि जब तक मनुष्य आत्मसाक्षात्कार प्राप्त कर अपने चित्त और आत्मा को एकाकार नहीं करता, तब तक उसे सच्चा प्रेम, आनंद और संतोष नहीं मिल सकता। लेकिन आत्मसाक्षात्कार के बाद जब मनुष्य उस अमृतमयी मनःशांति का अनुभव करता है, तब उसके हृदय से केवल यही भाव निकलता है – हे परमेश्वर! आपकी अहैतुकी कृपा के लिए हम सदा आपके ऋणी रहेंगे।

डिजिटल दुनिया का काला सच – शिक्षित व्हाइट कॉलर आतंक

जब नवाचार की रोशनी विनाश की छाया में बदलने लगे, तब खतरा केवल एक धमाके का नहीं, बल्कि पूरी सुरक्षा व्यवस्था की कमजोरियों का संकेत बन जाता है। नई दिल्ली के लाल किले के समीप 10 नवंबर 2025 को शाम 6–52 बजे हुआ कार बम विस्फोट इसी भयावह बदलाव की कठोर चेतावनी बनकर उभरा। ह्युंडई आई-20 कार में लगाए गए उच्च तीव्रता वाले विस्फोटक ने 15 लोगों की जान ले ली, जिनमें आत्मघाती हमलावर डॉक्टर उमर उन नबी भी शामिल था, जबकि 20 से अधिक लोग घायल हुए। राष्ट्रीय जांच एजेंसी की गहन पड़ताल और 7500 पृष्ठों की चार्जशीट ने स्पष्ट किया कि यह हमला केवल पारंपरिक आतंकी वारदात नहीं, बल्कि डिजिटल तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के सहारे रची गई सुनियोजित 'आतंक इंजीनियरिंग' का खतरनाक उदाहरण था। भारत में पहली बार एआई आधारित साधनों को सामूहिक हिंसा की साजिश से जुड़ते देखा गया, जिसने राष्ट्रीय सुरक्षा की परिभाषा और चुनौतियों दोनों को नए सिरे से सोचने पर मजबूर कर दिया। सबसे खतरनाक सच यह था कि इस साजिश की शुरुआत किसी गुप्त आतंकी ठिकाने से नहीं, बल्कि खुले डिजिटल मंचों से हुई। आरोपी जसीर बिलाल वानी ने चैटजीपीटी और यूट्यूब जैसे माध्यमों से तकनीकी जानकारी जुटाई। रॉकेट कैसे बनाएं और मिश्रण का अनुपात क्या हो जैसे प्रश्नों के जरिए उसने संवेदनशील सूचनाओं तक पहुंचने की कोशिश की। यूट्यूब से आईईडी निर्माण संबंधी सामग्री देखी गई और ई-कॉमर्स मंचों से जरूरी पुर्जे जुटाए गए। इस पूरी प्रक्रिया ने स्पष्ट कर दिया कि आधुनिक आतंकवाद अब केवल गुप्त शिविरों तक सीमित नहीं, बल्कि इंटरनेट, डिजिटल संवाद और सामान्य उपभोक्ता सुविधाओं के सहारे भी घातक रूप ले सकता है। यही कारण है कि तकनीकी दुरुपयोग सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक नया और जटिल खतरा बन चुका है। जांच की परतें खुलीं तो यह स्पष्ट हुआ कि यह केवल एक विस्फोट नहीं, बल्कि बहुस्तरीय विनाश की सुनियोजित साजिश थी। कश्मीर के काजीगुंड जंगलों में रॉकेट और सिलिंडर आधारित आईईडी का सफल परीक्षण किया गया। डॉक्टर उमर उन नबी ने ड्रोन उपलब्ध कराए, संबंधित योजना बनाई। अल फलाह विश्वविद्यालय के रूम नंबर 13 में विस्फोटक सामग्री रखी गई, जबकि लगभग 2900 किलोग्राम अमोनियम नाइट्रेट की जब्ती ने इस षड्यंत्र की गंभीरता और व्यापकता उजागर कर दी। जांच एजेंसियों के अनुसार यह मॉड्यूल अल कायदा की शाखा और जैश-ए-मोहम्मद से जुड़ा था। डॉक्टरों, प्रोफेसरों और शिक्षित युवाओं की भागीदारी ने 'व्हाइट कॉलर आतंक' को उभरते और गंभीर खतरे के रूप में सामने ला दिया।

सवाल अब तकनीक की ताकत का नहीं, उसकी अनदेखी दरारों का है, जहाँ से खतरा चुपचाप भीतर प्रवेश कर रहा है। इस घटना ने एआई और डिजिटल मंचों की कई गंभीर कमजोरियां उजागर कीं। संवादात्मक एआई (चैटबॉट, वर्चुअल असिस्टेंट आदि), वीडियो सामग्री और खुली तकनीकी सूचनाओं का दुरुपयोग इसलिए संभव है, क्योंकि आतंकी सामान्य उपयोगकर्ताओं की तरह अपनी गतिविधियां छिपाकर काम करते हैं। ड्रोन, कमर्शियल इलेक्ट्रॉनिक्स और रासायनिक पदार्थों की आसान उपलब्धता ने खतरे को और बढ़ाया। भारत में एआई गवर्नेंस और डिजिटल जवाबदेही के बीच मौजूद खामियां यही दर्शाती हैं कि तकनीक की यही दरारें आतंकवाद के लिए खतरनाक सहायक बन सकती हैं।

अब आतंक की जड़ें केवल ज़मीन पर नहीं, डिजिटल दुनिया की अदृश्य परतों में भी फैल चुकी हैं। एआई का इस्तेमाल भर्ती, प्रचार, वित्तीय नेटवर्क और कट्टरपंथी प्रभाव फैलाने में तेजी से बढ़ रहा है। सामाजिक मीडिया और एन्क्रिप्टेड ऐप्स के जरिए पढ़े-लिखे युवाओं तक पहुंच आसान हो गई है। कम लागत में बड़े प्रभाव वाले हमले संभव हो चुके हैं। लाल किले ब्लास्ट में वाहन आधारित आईईडी, ड्रोन और रॉकेट हमलों की संयुक्त योजना ने साबित किया कि आतंकवाद अब गुप्त ठिकानों से निकलकर लैपटॉप और स्मार्टफोन तक पहुंच चुका है। सुरक्षा बलों के लिए अब केवल हथियार पकड़ना नहीं, बल्कि डिजिटल गतिविधियों के पैटर्न, भाषा और तकनीकी रणनीतियों को समझना भी बड़ी चुनौती बन गया है।

इस चुनौती का सबसे मजबूत उत्तर अनियंत्रित तकनीक नहीं, बल्कि सख्त और जिम्मेदार नियंत्रण है। एआई मंचों पर सुरक्षा अवरोध और संवेदनशील प्रश्नों पर प्रभावी फिल्टरिंग अनिवार्य है। संदिग्ध खोज पैटर्न, उच्च जोखिम वाले उपयोग और खतरनाक संशोधन प्रयासों की पहचान के लिए उन्नत निगरानी तंत्र विकसित करना होगा। भारत सरकार को एआई गाइडलाइंस को स्पष्ट कानूनी आधार देना चाहिए, जिसमें ऑडिट, पारदर्शिता और जवाबदेही शामिल हो। साइबर सुरक्षा एजेंसियों को ऐसी एआई आधारित प्रणाली तैयार करनी होगी, जो रीयल टाइम में संदिग्ध गतिविधियों को पहचान सके। तकनीक के दुरुपयोग को रोकने के लिए तकनीक को ही मजबूत प्रहरी बनाना होगा।

यह चुनौती केवल निगरानी से नहीं, बल्कि सामूहिक जागरूकता और वैश्विक तालमेल से ही नियंत्रित होगी। आम नागरिकों को संदिग्ध ऑनलाइन गतिविधियों और भ्रामक सामग्री की रिपोर्टिंग के लिए जागरूक करना जरूरी है। पुलिस, खुफिया एजेंसियों और जांच अधिकारियों को एआई प्रशिक्षण देकर डिजिटल आतंकी रणनीतियों के प्रति सक्षम बनाना होगा। तकनीकी कंपनियों और निजी क्षेत्र के सहयोग से संदिग्ध सामग्री की त्वरित पहचान संभव होगी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संयुक्त रणनीति, बेहतर सूचना साझाकरण और डीपफेक पहचान तंत्र को मजबूत करना भी आवश्यक है। साथ ही यह सुनिश्चित करना होगा कि सुरक्षा के नाम पर मानवाधिकार और वैध डिजिटल स्वतंत्रता प्रभावित न हों।

कभी जो खतरा बारूद और बंदूक तक सीमित दिखता था, आज वही आतंकवाद डेटा, एल्गोरिद्म और डिजिटल नेटवर्क की आड़ में कहीं अधिक जटिल और घातक रूप ले चुका है। यदि तकनीकी खामियों को समय रहते नहीं रोका गया, तो भविष्य के हमले अधिक गुप्त, सुनियोजित और विनाशकारी हो सकते हैं। ऐसे समय में मजबूत कानून, जिम्मेदार एआई, तकनीकी सतर्कता, जन-जागरूकता और वैश्विक सहयोग ही सबसे मजबूत जवाब हैं। भारत के लिए यह केवल सुरक्षा का विषय नहीं, बल्कि यह तय करने की घड़ी है कि तकनीकी प्रगति मानव संरक्षण की शक्ति बनेगी या विनाश का नया मार्ग खोलेगी। यही निर्णय आने वाले कल की सुरक्षा तय करेगा।

-प्रो. आरके जैन

गैर इस्लामी है सड़क पर नमाज

पहले से ही 45-50 डिग्री में धधक रहे भारत में बंगाल के एक भड़काऊ नेता हुमायूं कबीर ने यह कहकर सियासी पारा और बढ़ा दिया है कि आने वाली बकरीद को मुस्लिम सड़कों पर ही नमाज पढ़ेंगे, जबकि यह गैर-इस्लामी, गैर-कानूनी और गैर-इंसानी कृत्य है। विडंबना यह है कि भोले भाले आम मुस्लिम ऐसे ही लोगों को अपना नेता समझ लेते हैं। सड़क पर नमाज पढ़ने की जिद शायद बंगाल और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्रियों के सड़कों पर नमाज न पढ़ने के आदेश के चलते की जा रही है। इस्लाम के बारे में कोई भी व्यक्ति किसी भी प्रकार की राय रखे, यह उसका निजी अधिकार है, मगर इसमें तीन बढ़िया बातें अवश्य हैं।

प्रथम तो इस्लाम कहता है, लकुम दीनोकुम वले यदीन, अर्थात तुम्हें तुम्हारा दीन मुबारक, हमें हमारा! दूसरी बात है हुकूक-उल-इबाद अर्थात बिना किसी फर्क के दूसरों के जायज अधिकारों की मान्यता और तीसरा है, फमैयांमल मिस्काला जर्रातिन खैरईयरा/ वमैयांमल मिस्काला जर्रातिन शररईयरा अर्थात यदि कोई भी मुस्लिम कितनी ही मामूली अच्छाई किसी के साथ भी करेगा तो उसे उसका बदल यानी फल मिलेगा। इसी प्रकार यदि किसी मुस्लिम ने किसी के साथ कोई बुराई की तो उसे उसका भी वैसा ही बदल यानी फल मिलेगा। इन्हीं सब कारणों से भी सड़क पर नमाज पढ़ना गैर-इस्लामी है। हदीस-ओ-कुरान की रोशनी में हजरत मोहम्मद (स.) के अनुसार सात स्थानों पर नमाज पढ़ने की स्वीकृति नहीं है, जिनमें सड़क भी शामिल है। जो आम रास्ता हो, वहां पर नमाज की तो बिल्कुल मनाही है। यह ध्यान रहे कि अरब देशों में सड़कों पर नमाज की इजाजत नहीं है। हजरत मोहम्मद ने अपने हाथों से कुदाल के जरिये एक ऐसी निर्माणाधीन मस्जिद की दीवार को गिरा दिया था, जिसे कुछ जोशीले मुस्लिम सहाबा किसी गैर मुस्लिम की जमीन पर कब्जा कर वहां मस्जिद बना कर दीन की खिदमत करना चाह रहे थे, मगर क्या औसत मुस्लिम उनके बताए रास्ते पर चल रहे हैं? इस संदर्भ में एक जुमला चल निकला है, हम हजरत मोहम्मद साहब को तो मानते हैं, मगर उनकी बात नहीं! मुस्लिमों की भी जायज शिकायत है, जिससे कुछ हिंदू भी सहमत हैं कि जब कांवड़ यात्राएं लाउडस्पीकरों के साथ निकलती हैं और विभिन्न अवसरों पर शोभा यात्राएं निकलती हैं तो उससे भी लोगों को समस्या होती है। इसका तर्क यह दिया जाता है कि ये सब कार्य तो वर्ष में एक बार ही होते हैं और मुस्लिम तो हर हफ्ते सड़कों पर नमाज पढ़ते हैं। अब इसमें सरकारें यह कर सकती हैं कि मात्र ईद, बकरीद और जुमातुल विदा को 25 से 30 मिनट तक के लिए नमाज की अनुमति दे सकती हैं। वैसे अगर मस्जिद में जगह कम है तो दो या तीन बार जमातें की जा सकती हैं। नमाज घरों या छतों पर भी हो सकती है। कई जगहों पर होती भी है। आम मुसलमानों के साथ समस्या यह है कि वे स्वयं ही न तो अपने मजहब को अच्छी तरह समझते हैं और न ही दूसरों को समझा पा रहे हैं।

-धनंजय राजौरा

अपराधी छवि वाले भी कुर्सी पर आसीन हो जाते हैं- लोकतंत्र के लिए इससे बड़ा दुर्भाग्य क्या हो सकता है?

लोकतंत्र को जनता की सर्वोच्च शक्ति का प्रतीक माना जाता है, जहाँ शासन जनता के द्वारा, जनता के लिए और जनता का होता है। किंतु जब यही लोकतंत्र अपराधी छवि वाले व्यक्तियों को सत्ता की कुर्सी तक पहुँचा देता है, तो यह व्यवस्था की सबसे बड़ी विडंबना बन जाती है। ऐसे हालात केवल कानून-व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न नहीं लगाते, बल्कि समाज के नैतिक मूल्यों को भी गहराई से प्रभावित करते हैं।

सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि अपराधी छवि से आशय क्या है। ऐसे लोग, जिन पर हत्या, बलात्कार, भ्रष्टाचार, लूट, धमकी या अन्य गंभीर अपराधों के आरोप लगे हों–और कई मामलों में आरोप सिद्ध भी हुए हों–वे जब चुनाव लड़ते हैं और जीतकर जनप्रतिनिधि बनते हैं, तो लोकतंत्र की आत्मा को आघात पहुँचता है। यह स्थिति केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि विश्व के कई लोकतांत्रिक देशों में भी देखने को मिलती है, जहाँ धनबल, बाहुबल और प्रभाव का उपयोग कर चुनाव जीते जाते हैं।

भारत के संदर्भ में देखें तो कई बार चुनावों में ऐसे उम्मीदवार सामने आते हैं, जिनके खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले दर्ज होते हैं। फिर भी वे भारी मतों से जीत जाते हैं। इसका एक बड़ा कारण मतदाताओं की विवशता, जातीय और सामुदायिक समीकरण तथा राजनीतिक दलों की स्वार्थपूर्ण नीतियाँ हैं। राजनीतिक दल अक्सर जीतने वाले उम्मीदवार को प्राथमिकता देते हैं, भले ही उसकी छवि कितनी ही संदिग्ध क्यों न हो। यह प्रवृत्ति लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों के विरुद्ध है।

उदाहरण के तौर पर कई राज्यों में ऐसे जनप्रतिनिधि रहे हैं, जिन पर हत्या, अवैध वसूली, भ्रष्टाचार और धमकी जैसे गंभीर आरोप लंबित रहे, फिर भी वे मंत्री पद तक पहुँच गए। कई मामलों में यह भी देखा गया है कि चुनाव जीतने के बाद आरोपी व्यक्तियों का प्रभाव इतना बढ़ जाता है कि गवाह डर जाते हैं और न्यायिक प्रक्रिया प्रभावित होने लगती है। यह स्थिति तब और अधिक चिंताजनक हो जाती है, जब न्यायिक प्रक्रिया धीमी हो और वर्षों तक मामले लंबित पड़े रहें। इस बीच आरोपी व्यक्ति सत्ता का उपयोग अपने प्रभाव को बढ़ाने और कानून को प्रभावित करने में कर सकता है।

एक उदाहरण बिहार के चर्चित बाहुबली नेताओं की राजनीति से लिया जा सकता है। वर्षों तक कई ऐसे नेता चुनाव जीतते रहे, जिन पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज थे। बावजूद इसके, वे अपने क्षेत्र में मजबूत नेता की छवि बनाकर जनता का समर्थन प्राप्त करते रहे। कुछ लोगों का मानना था कि वे प्रशासन से अधिक तेजी से काम करवाते हैं और स्थानीय समस्याओं का समाधान करते हैं। यह सोच लोकतंत्र के लिए अत्यंत खतरनाक है, क्योंकि इससे कानून से अधिक व्यक्ति-विशेष की शक्ति को महत्व मिलने लगता है। जब जनता कानून और व्यवस्था की जगह किसी दबंग व्यक्ति पर भरोसा करने लगे, तो लोकतंत्र की नींव कमजोर होने लगती है।

यह प्रश्न उठता है कि आखिर जनता ऐसे उम्मीदवारों को चुनती क्यों है? इसका उत्तर कई स्तरों पर मिलता है।

पहला, कई क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था कमजोर होती है और लोग ताकतवर व्यक्ति को अपना प्रतिनिधि बनाना चाहते हैं, ताकि वह उनके हितों की रक्षा कर सके।

दूसरा, जाति और धर्म के आधार पर मतदान की प्रवृत्ति आज भी प्रबल है, जिससे योग्य और ईमानदार उम्मीदवार पीछे रह जाते हैं।

तीसरा, गरीब और अशिक्षित मतदाता कई बार लालच, डर या दबाव में आकर मतदान करते हैं। चुनावों में धनबल का खुलकर उपयोग किया जाता है। कहीं शराब बाँटी जाती है, कहीं नकद धन दिया जाता है और कहीं झूठे वादों के माध्यम से मतदाताओं को प्रभावित किया जाता है।

चौथा, समाज में राजनीतिक जागरूकता की कमी भी एक बड़ा कारण है। बहुत से मतदाता उम्मीदवार के चरित्र और कार्यों की बजाय केवल पार्टी, जाति या व्यक्तिगत लाभ को प्राथमिकता देते हैं। परिणामस्वरूप अपराधी छवि वाले लोग लोकतंत्र की सीढ़ियाँ चढ़ जाते हैं।

इस स्थिति के दुष्परिणाम अत्यंत गंभीर हैं। सबसे पहले, इससे शासन व्यवस्था में भ्रष्टाचार बढ़ता है। जब स्वयं कानून बनाने वाले ही कानून का उल्लंघन करते हों, तो आम जनता में कानून के प्रति सम्मान कम हो जाता है। दूसरा, इससे प्रशासनिक तंत्र पर दबाव पड़ता है और निष्पक्ष कार्य करना कठिन हो जाता है। तीसरा, समाज में गलत संदेश जाता है कि शक्ति और प्रभाव के बल पर सब कुछ हासिल किया जा सकता है, चाहे नैतिकता का हनन ही क्यों न करना पड़े।

इसके अतिरिक्त, यह लोकतंत्र में जनता के विश्वास को भी कमजोर करता है। जब लोग देखते हैं कि अपराधी प्रवृत्ति के लोग सत्ता में हैं, तो उनका लोकतांत्रिक प्रक्रिया से मोहभंग होने लगता है। युवाओं के मन में राजनीति के प्रति नकारात्मक धारणा बनती है। ईमानदार और शिक्षित लोग राजनीति में आने से कतराने लगते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि स्वच्छ छवि के साथ चुनाव जीतना कठिन है। यह स्थिति दीर्घकाल में लोकतंत्र के लिए अत्यंत खतरनाक साबित हो सकती है, क्योंकि इससे जनभागीदारी और विश्वास दोनों कम होते जाते हैं।

इस समस्या के समाधान के लिए कई ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है।

पहला, न्यायिक प्रक्रिया को तेज और प्रभावी बनाना होगा, ताकि आपराधिक मामलों का शीघ्र निपटारा हो सके। वर्षों तक मुकदमे लंबित रहने से अपराधियों को राजनीतिक लाभ मिलता है। दूसरा, चुनाव आयोग को ऐसे नियम बनाने चाहिए, जिनके तहत गंभीर आरोपों वाले व्यक्तियों को चुनाव लड़ने से रोका जा सके।

तीसरा, राजनीतिक दलों को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी और साफ-सुथरी छवि वाले उम्मीदवारों को टिकट देना होगा। यदि राजनीतिक दल केवल जीत को ही सर्वोपरि मानते रहेंगे, तो लोकतंत्र की गुणवत्ता निरंतर गिरती जाएगी।

चौथा, सबसे महत्वपूर्ण है मतदाताओं की जागरूकता। जब तक जनता स्वयं ईमानदार और योग्य उम्मीदवारों को नहीं चुनेगी, तब तक इस समस्या का समाधान संभव नहीं है।

शिक्षा और जागरूकता इस दिशा में सबसे प्रभावी हथियार हैं। यदि मतदाता अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति सजग हो जाएँ, तो वे किसी भी प्रकार के दबाव या लालच में आए बिना सही निर्णय ले सकते हैं। मीडिया और सामाजिक संगठनों की भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका है, जो जनता को सही जानकारी और उचित दृष्टिकोण प्रदान कर सकते हैं। समाचार माध्यमों को केवल सनसनी फैलाने के बजाय जनता को तथ्यात्मक जानकारी देकर जागरूक बनाना चाहिए।

आज आवश्यकता इस बात की है कि राजनीति को सेवा का माध्यम बनाया जाए, न कि शक्ति और भय का प्रतीक। लोकतंत्र तभी मजबूत होगा, जब संसद और विधानसभाओं में ऐसे लोग पहुँचेंगे, जिनकी पहचान ईमानदारी, सेवा और नैतिकता से होगी। यदि अपराधी प्रवृत्ति के लोगों का राजनीतिक प्रभाव लगातार बढ़ता रहा, तो आने वाली पीढ़ियों का लोकतंत्र से विश्वास उठ सकता है।

अंततः यह कहा जा सकता है कि अपराधी छवि वाले व्यक्तियों का सत्ता में आना लोकतंत्र के लिए एक गंभीर चुनौती है। यह केवल राजनीतिक समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक संकट भी है। यदि समय रहते इस पर नियंत्रण नहीं किया गया, तो लोकतंत्र की जड़ें कमजोर हो सकती हैं।

इसलिए आवश्यक है कि सरकार, न्यायपालिका, राजनीतिक दल और सबसे बढ़कर जनता–सभी मिलकर इस समस्या का समाधान खोजें। तभी हम एक सशक्त, स्वच्छ और आदर्श लोकतंत्र की कल्पना को साकार कर सकते हैं, जहाँ सत्ता का अधिकार केवल योग्य, ईमानदार और जनसेवा के प्रति समर्पित लोगों को मिले, न कि अपराधियों को।

-चंद्रकांत सी पूजारी

क्या एआई मानवता के महाविनाश का कारण बनेगी?

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आज केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं रह गई है, बल्कि वह मानव सभ्यता के भविष्य का निर्णायक मोड़ बनती जा रही है। जिस गति से यह तकनीक विकसित हुई है, उसने दुनिया को आश्चर्यचकित भी किया है और चिंतित भी। अभी तक विज्ञान और तकनीक मनुष्य के हाथों में उपकरण थे, किंतु कृत्रिम बुद्धिमत्ता पहली ऐसी शक्ति है जो निर्णय लेने, सीखने, विश्लेषण करने और सृजन करने की क्षमता के साथ स्वयं को निरंतर विकसित कर रही है। यही कारण है कि विश्व के प्रमुख धर्मगुरु, वैज्ञानिक और नीति-निर्माता इसके खतरों को लेकर गंभीर चेतावनियां दे रहे हैं। हाल ही में वर्तमान पोप लियो चौदहवें द्वारा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के संदर्भ में व्यक्त की गई चिंताएं अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि युद्ध को नैतिक नहीं बनाया जा सकता और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित युद्ध प्रणाली मानवता के लिए गंभीर खतरा बन सकती है। यह चेतावनी केवल धार्मिक दृष्टि नहीं, बल्कि मानवीय अस्तित्व की रक्षा का प्रश्न है। दुनिया को इसे गंभीरता से लेने की आवश्यकता है।

पोप ने सामाजिक और वैश्विक मुद्दों पर जारी अपने आधिकारिक संदेश में एआई को मानवता के समक्ष उभरती सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक बताया। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर चिंता व्यक्त की कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल तकनीकी परिवर्तन का माध्यम नहीं रह गई है, बल्कि यह युद्ध, राजनीति, अर्थव्यवस्था और सामाजिक संरचना को प्रभावित करने वाली शक्ति बनती जा रही है। उन्होंने दुनिया को चेताया कि तकनीक का उद्देश्य मनुष्य पर प्रभुत्व स्थापित करना नहीं, बल्कि उसकी सेवा करना होना चाहिए। उनका संदेश मानव-केंद्रित विकास की अवधारणा को बल देता है, जिसमें विज्ञान और तकनीक को नैतिकता, मानवीय गरिमा और करुणा के अधीन रखा जाए। पोप की यह चेतावनी केवल धार्मिक दृष्टिकोण नहीं है, बल्कि एक वैश्विक मानवीय आह्वान है कि एआई की अंधी दौड़ में मानवता, संवेदना और नैतिकता का क्षरण न होने दिया जाए। आज जब महाशक्तियां एआई के माध्यम से प्रभाव और नियंत्रण की प्रतिस्पर्धा में लगी हैं, तब पोप का यह संदेश विश्व समुदाय को संयम, उत्तरदायित्व और मानवीय मूल्यों की ओर लौटने का मार्ग दिखाता है।

पोप ने स्पष्ट कहा कि कोई भी एल्गोरिद्म युद्ध को नैतिक नहीं बना सकता और तकनीक को मानव विवेक का विकल्प नहीं बनने दिया जा सकता। पोप ने चर्च के सामाजिक सरोकारों से जुड़े अपने इस आधिकारिक पत्र में पहली बार एआई को प्रमुख विषय बनाया, जो इस बात का संकेत है कि इसका प्रभाव केवल तकनीकी क्षेत्र तक सीमित नहीं रहा, बल्कि मानव जीवन, समाज और वैश्विक व्यवस्था को व्यापक रूप से प्रभावित कर रहा है। उन्होंने विशेष रूप से एआई आधारित स्वायत्त हथियार प्रणालियों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यदि इस तकनीक को पूर्णतः मानवीय नियंत्रण में नहीं रखा गया तो यह युद्ध, शोषण और दासता के नए रूपों को जन्म दे सकती है। पोप ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता को ÷निरस्त्र÷ करने का आह्वान करते हुए उसका आशय तकनीक का विरोध नहीं, बल्कि उसके अनियंत्रित और अमानवीय उपयोग पर रोक लगाना बताया। उनका कहना था कि युद्ध और शांति से जुड़े निर्णय अंततः नैतिकता, करुणा और विवेक पर आधारित होने चाहिए, उन्हें मशीनों के हवाले नहीं किया जा सकता। आज जब अमेरिका, चीन और अन्य महाशक्तियां कृत्रिम बुद्धिमत्ता की होड़ में लगी हैं और युद्ध तकनीकों में इसका उपयोग बढ़ रहा है, तब पोप का यह संदेश मानवता के लिए एक नैतिक दिशा-सूचक के रूप में सामने आया है कि तकनीक मनुष्य की सेवक बने, स्वामी नहीं; और विकास का केंद्र मानव गरिमा, संवेदना तथा विश्वशांति ही रहे।

निश्चित रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने शिक्षा, चिकित्सा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, बैंकिंग, व्यापार, प्रशासन और संचार के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन किए हैं। रोगों के निदान से लेकर वित्तीय प्रबंधन तक और शिक्षा से लेकर अनुसंधान तक, इसकी उपयोगिता निर्विवाद है। लेकिन हर तकनीकी क्रांति अपने साथ संकट भी लाती है। आज वही संकट स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। सबसे बड़ा संकट रोजगार का है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने लाखों लोगों के कार्यों को प्रतिस्थापित करना शुरू कर दिया है। ग्राहक सेवा, लेखन, अनुवाद, लेखांकन, सूचना प्रबंधन, प्रोग्रामिंग और कार्यालयी कार्यों में मनुष्य की आवश्यकता तेजी से घट रही है। मशीनें कम लागत, अधिक गति और निरंतर कार्य क्षमता के कारण मनुष्य का स्थान ले रही हैं। इससे केवल बेरोजगारी नहीं बढ़ेगी, बल्कि सामाजिक असंतुलन और आर्थिक विषमता भी गहराएगी। जिन देशों और कंपनियों के पास कृत्रिम बुद्धिमत्ता का नियंत्रण होगा, आर्थिक शक्ति भी उन्हीं के हाथों में केंद्रित हो जाएगी। इससे विश्व व्यवस्था में असमानता का नया स्वरूप उभरेगा।

इससे भी अधिक गंभीर प्रश्न वैश्विक सुरक्षा का है। आज अमेरिका, चीन और अन्य महाशक्तियां कृत्रिम बुद्धिमत्ता की होड़ में लगी हुई हैं। यह प्रतिस्पर्धा केवल तकनीकी श्रेष्ठता तक सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक प्रभुत्व का नया संघर्ष बन चुकी है। जैसे कभी परमाणु हथियारों और घातक अस्त्र-शस्त्रों के माध्यम से शक्ति संतुलन स्थापित हुआ था, वैसे ही अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता भविष्य की सामरिक शक्ति बन रही है। स्वायत्त हथियार प्रणाली, बुद्धिमान ड्रोन और बिना मानवीय हस्तक्षेप के निर्णय लेने वाली युद्ध तकनीकें मानवता के लिए भयावह संकेत हैं। यदि युद्ध का निर्णय मशीनों के हाथों में चला गया तो संवेदना, विवेक और नैतिकता समाप्त हो जाएगी। मशीनों के लिए मानव जीवन केवल आंकड़े होंगे। ऐसी स्थिति महाविनाश की संभावना को जन्म दे सकती है। पोप की यह चेतावनी इसी संदर्भ में अत्यंत प्रासंगिक है कि युद्ध का अंतिम निर्णय मानव विवेक के अधीन रहना चाहिए।

-ललित गर्ग

समय-सीमा बैठक में कलेक्टर का सख्त एक्शन

खाद्य सुरक्षा अधिकारी की दो वेतन वृद्धि रोकने के नोटिस के निर्देश

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने मंगलवार को आयोजित समय-सीमा संबंधी बैठक में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। बैठक में खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुरेंद्र ठाकुर को दो वेतन वृद्धि रोकने संबंधी कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। वहीं लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत लंबित प्रकरणों में लापरवाही पाए जाने पर तहसीलदारों एवं अपर तहसीलदारों पर अर्थदंड लगाने के आदेश भी दिए गए।

कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में आयोजित बैठक में सीईओ जिला पंचायत ज्योति शर्मा, नगर निगम आयुक्त दलीप कुमार, अपर कलेक्टर शोभाराम सोलंकी, अपर कलेक्टर संजीव जैन, संयुक्त कलेक्टर प्रिया चंद्रावत, संयुक्त कलेक्टर विशाखा देशमुख सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी मौजूद रहे। विकासखंड स्तरीय अधिकारी वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए।

खाद्य सुरक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान विभागीय कार्यों में लापरवाही और उदासीनता पाए जाने पर कलेक्टर ने खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुरेंद्र ठाकुर के खिलाफ दो वेतन वृद्धि रोकने संबंधी कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि शासकीय कार्यों में लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

लोक सेवा गारंटी अधिनियम की समीक्षा में पाया गया कि कई प्रकरण निर्धारित समय-सीमा में निराकृत नहीं किए गए। इस पर अपर तहसीलदार सोनकच्छ, तहसीलदार टोंकखुर्द, नायब तहसीलदार हाटपीपल्या, अपर तहसीलदार देवास, तहसीलदार सोनकच्छ, उदयनगर एवं खातेगांव पर प्रति प्रकरण 250-250 रुपये का अर्थदंड लगाने के निर्देश दिए गए।

बैठक में बिना पूर्व अनुमति अनुपस्थित रहने पर जनपद पंचायत सीईओ टोंकखुर्द के विरुद्ध दो दिन का वेतन काटने संबंधी नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए गए।

कलेक्टर ने ÷जल गंगा संवर्धन अभियान÷ की समीक्षा करते हुए जल स्त्रोतों के संरक्षण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही पेयजल से जुड़ी हर शिकायत का तत्काल निराकरण सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि पेयजल जैसी आवश्यक सेवा में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

आबकारी विभाग की घेराबंदी में पकड़ी गई शराब से भरी कार

उपनिरीक्षक प्रेम यादव की टीम की बड़ी कार्रवाई, 44 पेटी देशी शराब जब्त

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में अवैध मदिरा के परिवहन के विरुद्ध आबकारी विभाग ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए शराब से भरी एक स्विफ्ट कार पकड़कर 44 पेटी देशी मदिरा प्लेन पाव जब्त की है। कार्रवाई के दौरान तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

कलेक्टर ऋतुराज सिंह के निर्देशन एवं सहायक आबकारी आयुक्त मनीष खरे के मार्गदर्शन में उपनिरीक्षक प्रेम यादव के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। आबकारी विभाग को मुखबिर से सूचना मिली थी कि इंदौर की ओर से एक कार में अवैध शराब लाई जा रही है। सूचना मिलते ही आबकारी टीम सक्रिय हुई और संदिग्ध वाहन की घेराबंदी की गई।

आबकारी अमले द्वारा वाहन को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन चालक वाहन को मोड़कर भागने लगा। इसके बाद टीम ने पीछा कर वाहन को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान कार से 44 पेटी देशी मदिरा प्लेन पाव, कुल 396 बल्क लीटर शराब बरामद हुई।

मामले में मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(1)(क) एवं 34(2) के तहत प्रकरण दर्ज कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जब्त मदिरा एवं वाहन सहित कुल सामग्री का मूल्य लगभग 4 लाख 67 हजार रुपये बताया गया है।

आबकारी विभाग द्वारा यह जांच की जा रही है कि शराब कहां से लाई गई थी और इसे कहां पहुंचाया जाना था। कार्रवाई में मुख्य आरक्षक दीपक धुरिया, राजाराम रायकवार, आरक्षक निहाल खत्री, दीपक तटवाड़े, बालकृष्ण जायसवाल, आशीष गुप्ता एवं सैनिक किशोर सिसोदिया शामिल रहे। विभाग ने स्पष्ट किया है कि अवैध मदिरा के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा।

निर्माणाधीन मकानों को निशाना बनाने वाले गिरोह का पुलिस ने किया पर्दाफाश

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। निर्माणाधीन मकानों को निशाना बनाने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है, जिनके कब्जे से पुलिस ने हजारों के तार जब्त किए हैं। आरोपी ने चुराए गए तार कसेरा बाजार में बेच दिए थे जिसे पुलिस ने छापा मारकर बरामद कर लिया है। तार चोरी की शिकायत के बाद से ही पुलिस ने यह मामला गंभीरता से लिया और मामले की तहकीकात में जुट गई थी। इसी कड़ी में पुलिस को 24 मई को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक युवक चोरी के बिजली फिटिंग तार बेचने की कोशिश कर रहा है। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने नई सड़क निवासी 20 वर्षीय मेहेद पिता महमूद खान को हिरासत में लिया। पूछताछ में मेहेद ने निर्माणाधीन मकानों से बिजली फिटिंग के तार चोरी करना स्वीकार किया। जब पुलिस ने उससे पूछताछ की तो उसने बताया कि उसने 13 मई को आदर्श नवीन नगर निवासी सिद्धांत सोनी के निर्माणाधीन मकान से बिजली के तार और एल्युमिनियम रिप चुराए थे और यह चोरी का सामान कसेरा बाजार स्थित बर्तन व्यापारी दीपक कसेरा को बेचा था। इस पर पुलिस ने दीपक कसेरा की दुकान पर छापा मारकर करीब 8 हजार 500 रू. का चोरी का सामान बरामद कर लिया। पुलिस द्वारा दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया है। इस कार्रवाई में एएसआई संजय सवनेर, प्रधान आरक्षक प्रमोद नागर, आरक्षक संजय पटेल, शिशुपाल और सुनील चौधरी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

दो दिन के इंतजार के बाद पुलिस ने दफनाश शव

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला अस्पताल परिसर की पुरानी बिल्डिंग में रविवार शाम एक अज्ञात बुजुर्ग का शव मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया। पहचान न होने के कारण प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में शव को शांतिवन में दफना दिया गया। कोतवाली थाना प्रभारी संतोष वाघेला ने बताया कि मृत बुजुर्ग की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। पुलिस अस्पताल परिसर और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कर रही है। साथ ही अस्पताल क्षेत्र के निवासियों और कर्मचारियों से भी पूछताछ की जा रही है ताकि मृतक की पहचान सुनिश्चित की जा सके।

फेसबुक पर आपत्तिजनक पोस्ट करने पर मोहसिन को दो साल की सजा

कोतवाली पुलिस ने किया था मामला दर्ज

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। न्यायालय ने फेसबुक पर आपत्तिजनक पोस्ट करने वाले मुस्लिम युवक मोहसिन पिता मुबारिक निवासी ज्योति नगर को दोषी ठहराया है। न्यायालय ने उसे 2 वर्ष के सश्रम कारावास से दंडित किया है। साथ ही उस पर अर्थदंड भी लगाया है।

न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी शाजापुर ने आरोपी को भारतीय दंड संहिता की धारा 153-बी के तहत 2 वर्ष के सश्रम कारावास व एक हजार रू. के अर्थदंड के अलावा धारा 505(1)(बी) के तहत 1 वर्ष के सश्रम कारावास और 1000 रुपए अर्थदंड तथा आईटी एक्ट की धारा 67-ए के तहत 1 वर्ष के सश्रम कारावास और 1000 रुपए अर्थदंड से भी दंडित किया है।

यह था मामला- जिला मीडिया सेल प्रभारी प्रतीक श्रीवास्तव ने बताया कि इस मामले में फरियादी रोहित राठौर ने 16 फरवरी 2019 को थाना कोतवाली शाजापुर में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया था कि मोहसिन लाला नाम की फेसबुक आईडी से आपत्तिजनक नारे के साथ अश्लील शब्दावली का प्रयोग करते हुए एक पोस्ट डाली गई थी। फरियादी ने उक्त पोस्ट का स्क्रीनशाट लेकर पुलिस को सौंपा था। शिकायत में यह भी कहा गया था कि इस पोस्ट को देखने से लोगों की राष्ट्रीय भावनाएं आहत हुई हैं। पुलिस ने मामले की जांच की और आरोपी मोहसिन (पिता मुबारिक) के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 153-बी, 505(1)(बी) और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 67-ए के तहत अपराध दर्ज किया।

अवैध पिस्टल और जिंदा कारतूस के साथ शातिर बदमाश गिरफ्तार

बिना नंबर की स्कूटी पर घूम रहा था आरोपी, घेराबंदी कर दबोचा

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना सिविल लाइन पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने घेराबंदी कर एक शातिर बदमाश को अवैध देशी पिस्टल, जिंदा कारतूस एवं बिना नंबर की जुपीटर स्कूटी सहित गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) जयवीर सिंह भदौरिया एवं नगर पुलिस अधीक्षक सुमित अग्रवाल के निर्देशन में थाना प्रभारी अमित सोलंकी द्वारा क्षेत्र में लगातार निगरानी और आसूचना संकलन किया जा रहा था। इसी दौरान पुलिस टीम को सूचना मिली कि कमला नगर कॉलोनी बायपास रोड पर एक संदिग्ध व्यक्ति बिना नंबर की सफेद जुपीटर स्कूटी से घूम रहा है, जिसके पास अवैध हथियार है।

सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तत्काल घेराबंदी कर संदिग्ध को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम रईस शाह पिता बाबू शाह उम्र 42 वर्ष निवासी विक्रम नगर इटावा, जिला देवास बताया। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 01 अवैध देशी पिस्टल एवं 03 जिंदा कारतूस बरामद किए गए। पुलिस ने आरोपी द्वारा उपयोग की जा रही बिना नंबर की जुपीटर स्कूटी भी जप्त कर ली।

मामले में थाना सिविल लाइन देवास में अपराध क्रमांक 276/2026 दर्ज कर आरोपी के विरुद्ध आयुध अधिनियम की धारा 25 एवं 27 के तहत प्रकरण कायम किया गया है। पुलिस आरोपी से अवैध हथियार के स्त्रोत एवं उससे जुड़े अन्य आपराधिक गतिविधियों के संबंध में पूछताछ कर रही है। पुलिस रिमांड लेकर मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कार्रवाई में थाना प्रभारी अमित सोलंकी, सउनि राकेश तिवारी, आरक्षक मातादीन, अंतर सिंह परमार, भरत मिलन यादव एवं जितेंद्र सिसौदिया की सराहनीय भूमिका रही।

कलेक्टर कार्यालय में ग्रामीणों ने दिया धरना, कलेक्टर के न मिलने से नाराज हुए

शासकीय भूमि पर कब्जा व राजस्व विभाग की मिलीभगत का लगाया आरोप

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के ग्राम पोलायखुर्द के निवासियों ने कलेक्टर के न मिलने पर नाराज होकर कलेक्टर कार्यालय में धरना दे दिया। ग्रामीण शासकीय भूमि से कब्जा हटवाने, नामांतरण निरस्त करवाने की मांग को लेकर पहुंचे थे, लेकिन दो घंटे तक भी जब कलेक्टर से उनकी मुलाकात नहीं हुई तो वे धरने पर बैठ गए। जिन्हें अधिकारियों ने शांत करवाकर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

ग्रामीण इतने नाराज हो गए कि वे कलेक्टर के वाहन पार्किंग स्थल पर पहुंच गए और वहां प्रदर्शन करने लगे। ग्रामीणों ने कलेक्टर के खिलाफ नारे भी लगाए। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। हालांकि उस समय कलेक्टर कलेक्टर जनसुनवाई कक्ष में थी और लोगों की समस्या सुन रही थी। जिसके चलते सुंदरसी थाना प्रभारी मनीष शर्मा ने ग्रामीणों को समझाइश देकर शांत कराया। इसके बाद ग्रामीणों के पांच प्रतिनिधियों को कलेक्टर से मिलने भेजा गया। कलेक्टर द्वारा उचित कार्रवाई का आश्वासन दिए जाने के बाद मामला शांत हुआ और प्रदर्शन समाप्त कर दिया गया।

यह थी ग्रामीणों की समस्या- कलेक्टर से मिलने पहुंचे प्रतिनिधि मंडल ने कलेक्टर ऋजू बाफना को बताया कि ग्राम पोलायखुर्द स्थित शासकीय भूमि सर्वे क्रमांक 1396 (रकबा 2.045 हेक्टेयर) पर कुछ लोगों ने राजस्व अधिकारियों से मिलीभगत कर फर्जी तरीके से नामांतरण करा लिया है। ग्रामीणों का कहना है कि उक्त भूमि पर समाज का प्राचीन मंदिर और बच्चों का श्मशान स्थल स्थित है। साथ ही ग्राम पंचायत द्वारा अनुसूचित जाति समाज के मांगलिक भवन निर्माण का प्रस्ताव भी पारित किया गया है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि संबंधित लोग जमीन पर अवैध कब्जा कर निर्माण कार्य में बाधा डाल रहे हैं। विरोध करने पर उन्हें जातिसूचक शब्दों से अपमानित कर जान से मारने की धमकी भी दी गई। ज्ञापन में फर्जी नामांतरण निरस्त करने और आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी, कूटरचना तथा अवैध कब्जे का प्रकरण दर्ज करने की मांग की गई है। इसके बाद जब कलेक्टर ने उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया तब ग्रामीण माने और उनका प्रदर्शन समाप्त हुआ।

सक्सेना बने राष्ट्रीय गौरक्षा वाहिनी के मालवा प्रांत अध्यक्ष

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। आदित्य नगर निवासी प्रतीक सक्सेना को राष्ट्रीय गौरक्षा वाहिनी गौसेवा संघ का मालवा क्षेत्र (मध्यप्रदेश) का प्रान्त अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजीवसिंह सेंगर ने मनोनयन पत्र जारी किया है। यह नियुक्ति संगठन के राष्ट्रीय संरक्षक डॉ. इंद्रेश कुमार, स्वतंत्र प्रभारी श्रीमंत विक्रमादित्य सिंह जूदेव और शीर्ष नेतृत्व की सहमति से आगामी एक वर्ष के लिए की गई है। सक्सेना को समाज सेवा और गौसेवा के कार्यों को गति प्रदान करने तथा स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय स्थापित कर संगठन का विस्तार करने का दायित्व सौंपा गया है।

15 फीट गहरे नाले में गिरी गाय, गौरक्षकों ने निकाला

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। समीपस्थ ग्राम बरवाल में सोमवार रात करीब 8 बजे एक गाय 15 फीट गहरे नाले में गिर गई। सूचना मिलने पर पहुंचे गौरक्षकों ने एक घंटे तक रेस्क्यू किया और गाय को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। गौरक्षकों ने बताया कि टैंक लगभग 10 से 15 फीट गहरा था और पानी से भरा होने के कारण रेस्क्यू आपरेशन में काफी परेशानी आ रही थी। गौरक्षा सेना के सदस्यों ने रस्सियों के सहारे गाय को बांधा और ग्रामीणों की मदद से धीरे-धीरे ऊपर की ओर खींचा। अंधेरा होने के बावजूद टीम ने सावधानी बरतते हुए बचाव कार्य को सफलतापूर्वक पूरा किया। बचाव अभियान के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर मौजूद थे, जिन्होंने रस्सियां खींचने और प्रकाश की व्यवस्था करने में सहयोग किया। इस टीम में अर्जुन राजपूत, राजपाल राजपूत, सुमित भिलाला, विशाल राजपूत, कुलदीप राजपूत और युवराज बना सहित अन्य सदस्य शामिल थे।

स्कूल-कॉलेजों के आसपास अब नहीं बिकेगा नशा

जिले के सभी शैक्षणिक संस्थानों के 500 मीटर दायरे को ड्रग-फ्री ज़ोन घोषित

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में विद्यार्थियों को नशे से दूर रखने के लिए प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। अपर कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी द्वारा जिले के सभी शासकीय एवं अशासकीय स्कूल, कॉलेज और कोचिंग संस्थानों के 500 मीटर के दायरे को ड्रग-फ्री ज़ोन घोषित करते हुए सख्त आदेश जारी किए गए हैं। जारी आदेश के अनुसार अब शैक्षणिक संस्थानों के आसपास 500 मीटर की सीमा में किसी भी प्रकार के मादक पदार्थ, नशीली दवाओं, सिगरेट, बीड़ी एवं अन्य तम्बाकू उत्पादों का विक्रय, भंडारण और प्रदर्शन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।

प्रशासन ने सभी संस्था प्रमुखों को निर्देश दिए हैं कि परिसर के बाहर यह क्षेत्र ड्रग-फ्री ज़ोन है का बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाया जाए। साथ ही विद्यार्थियों की काउंसिलिंग एवं आवश्यकतानुसार स्वैच्छिक स्क्रीनिंग की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए।

आदेश में यह भी कहा गया है कि यदि किसी छात्र द्वारा नशीले पदार्थ के सेवन की जानकारी मिलती है तो संबंधित थाने को तत्काल सूचना दी जाएगी और छात्र को आवश्यक प्रक्रिया के तहत नशामुक्ति केंद्र भेजा जाएगा।

प्रशासन ने तहसीलदार, नायब तहसीलदार एवं थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में स्कूलों और कॉलेजों के आसपास 500 मीटर की सीमा चिन्हित करने के निर्देश दिए हैं। इस दायरे में आने वाली संदिग्ध दुकानों, गुमटियों और ठेलों का रिकॉर्ड भी तैयार किया जाएगा।

अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) और विकासखंड शिक्षा अधिकारी को नियमित निरीक्षण करने तथा नशामुक्ति जागरूकता शिविर आयोजित कराने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं तहसीलदार एवं थाना प्रभारी को जांच संबंधी पाक्षिक रिपोर्ट जिला प्रशासन एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालय की नारकोटिक्स शाखा को भेजनी होगी।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यदि निर्धारित क्षेत्र में अवैध निर्माण, अतिक्रमण या नशे के सेवन एवं बिक्री की शिकायत मिलती है तो नगरीय निकाय, राजस्व एवं पुलिस विभाग तत्काल कार्रवाई करेंगे। आदेशों के पालन में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित विभाग प्रमुख की व्यक्तिगत जिम्मेदारी तय की जाएगी।

जाहिर सूचना

यह सर्वसाधारण, समस्त नागरिकों, बैंकों, वित्तीय संस्थाओं तथा अन्य संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि मेसर्स अंबिका सॉल्वेक्स लिमिटेड (CIN: U15141MP1992PLC007363), पंजीकृत कार्यालय : 14 मुल्ला जी का नोहरा, राम मोहल्ला, मंदसौर, जिला मंदसौर, मध्य प्रदेश (458001), द्वारा अपनी स्वामित्व एवं पट्टाधिकार की औद्योगिक भूमि, भवन, संयंत्र एवं मशीनरी का हस्तांतरण मेरे पक्षकार मेसर्स महिदपुर एग्री एंड रियल एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड (CIN: U52109MP2025PTC075773), जिसका पंजीकृत कार्यालय अमित कुमार अरोरा, बपैया रोड, गोगापुर, महिदपुर रोड, जिला उज्जैन, मध्य प्रदेश (456440) है, के पक्ष में प्रस्तावित है, जो ग्राम चाकरोद, तहसील कालापीपल, जिला शाजापुर, मध्य प्रदेश में स्थित हैं. हस्तांतरण हेतु प्रस्तावित उक्त संपत्तियों का विवरण निम्नानुसार है.

(1) सर्वे नंबर 561, क्षेत्रफल 2.853 हेक्टेयर, जो अंबिका सॉल्वेक्स लिमिटेड द्वारा विक्रय विलेख क्रमांक 18/1184 दिनांक 22.10.2008 के माध्यम से क्रय की गई भूमि है, स्थित ग्राम चाकरोद, तहसील कालापीपल, जिला शाजापुर (म.प्र.)

(2) सर्वे नंबर 554/1, क्षेत्रफल 0.084 हेक्टेयर सर्वे नंबर 563/2, क्षेत्रफल 0.031 हेक्टेयर तथा सर्वे नंबर 554/2, क्षेत्रफल 0.335 हेक्टेयर (कुल क्षेत्रफल 0.450 हेक्टेयर), जो अंबिका सॉल्वेक्स लिमिटेड द्वारा विक्रय विलेख दिनांक 22.12.2010 के माध्यम से क्रय की गई भूमि है, स्थित ग्राम चाकरोद, तहसील कालापीपल, जिला शाजापुर (म.प्र.)

(3) सर्वे नंबर 560, क्षेत्रफल 0.337 हेक्टेयर, जो जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, शाजापुर (म.प्र.) द्वारा पंजीकृत लीज विलेख क्रमांक – 1/1356 दिनांक 30.06.2008 के माध्यम से पट्टे पर प्रदत्त भूमि है.

(4) सर्वे नंबर 560, क्षेत्रफल 1.045 हेक्टेयर, जो जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, शाजापुर (म.प्र.) द्वारा पंजीकृत लीज विलेख क्रमांक – 1/1355 दिनांक 30.06.2008 के माध्यम से पट्टे पर प्रदत्त भूमि है.

(5) सर्वे नंबर 554/1/3/2 (S), क्षेत्रफल 0.112 हेक्टेयर, जो अंबिका सॉल्वेक्स लिमिटेड द्वारा विक्रय विलेख क्रमांक 950 दिनांक 17.02.2011 के माध्यम से क्रय की गई भूमि है, स्थित ग्राम चाकरोद, तहसील कालापीपल, जिला शाजापुर (म.प्र.)

(6) सर्वे नंबर 560 क्षेत्रफल 1.88 हेक्टेयर, जो जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, शाजापुर (म.प्र.) द्वारा पंजीकृत लीज विलेख के माध्यम से पट्टे पर प्रदत्त भूमि है.

अतः उपर्युक्त वर्णित संपत्तियों के संबंध में यदि किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक, वित्तीय संस्था या प्राधिकरण का कोई अधिकार, दावा, बंधक, प्रभार, पट्टा, कब्जा, वाद–विवाद या अन्य किसी प्रकार का हित हो, तो वे इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 (सात) दिवस के भीतर अपने लिखित आपत्ति के साथ प्रमाण प्रस्तुत करें.

निर्धारित अवधि के भीतर कोई आपत्ति प्राप्त न होने की स्थिति में यह मान लिया जाएगा कि उक्त संपत्तियों पर किसी अन्य व्यक्ति या संस्था का कोई अधिकार या दावा शेष नहीं है तथा उक्त प्रस्तावित संपत्तियों के स्वामित्व हस्तांतरण की कार्यवाही आगे बढ़ा दी जाएगी, जिसके लिए कोई भी व्यक्ति बाद में आपत्ति या दावा करने का अधिकारी नहीं होगा.

स्थान – महिदपुर
दिनांक –

द्वारा
अतिशय धाकड़, अधिवक्ता
01, मातृका निकुंज, सोगानी कॉलोनी, नारायण रोड, महिदपुर
जिला उज्जैन (म.प्र.) 456443
मो. 9340295824

शादी के 15 दिन बाद लाखों लेकर फरार हुई लूटेरी दुल्हने

पीड़ित परिवारों ने सुनेरा थाने और एसपी कार्यालय में आवेदन सौंपकर की कार्रवाई की मांग

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। दो परिवारों को लाखों रू. देकर शादी करवाना महंगा पड़ गया। इनके घर शहनाई भी बजी, लेकिन 15 दिन बाद दुल्हन फरार हो गई। यह कहानी एक नहीं बल्कि दो परिवारों की है जो अपने को ठगा महसूस कर रहे हैं। अब पीड़ितों ने पुलिस की शरण ली है, जिन्होंने पुलिस से अपनी राशि दिलवाने और न्याय दिलाने की मांग की है।

पनवाड़ी गांव के दो परिवारों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है कि दलालों और महिलाओं के एक गिरोह ने उनसे करीब साढ़े पांच लाख रुपए ठग लिए। शादी के कुछ दिन बाद ही दोनों महिलाएं घर छोड़कर चली गईं और अब तक वापस नहीं लौटीं।

पुलिस कर रही मामले की जांच- मामला 21 मई को सुनेरा थाने और पुलिस अधीक्षक कार्यालय में दर्ज कराई गई थी। फरियादी ने आरोप लगाया कि 6 दिन बाद भी पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की है। हालांकि जब सुनेरा थाना प्रभारी अंकित मुकाती से चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि दोनों शिकायत आवेदन प्राप्त हो गए हैं ओर मामले की जांच की जा रही है। जिसके बाद आगामी कार्रवाई की जाएगी।

किसी ने 3 तो किसी ने 2 लाख रू. देकर करवाई थी शादी- दोनो ही मामलों में दुल्हने 15 दिन बाद ही बहाने बनाकर घर से निकल गई जो अब तक वापस नहीं लौटी है। पहले मामले में पनवाड़ी निवासी निर्भय सिंह ने बताया कि उनके बेटे धर्मेंद्र की शादी कराने के लिए नारायण पाण्डा, बाबु और सुखराम ने झाबुआ निवासी ज्योति से संपर्क कराया था। आरोप है कि शादी के एवज में उनसे दो लाख रुपए लिए गए। 19 नवंबर 2025 को विवाह संबंधी दस्तावेज भी तैयार किए गए थे। निर्भय सिंह के अनुसार शादी के बाद ज्योति केवल 15 दिन तक घर में रही। इसके बाद वह दादी की तबीयत खराब होने का बहाना बनाकर चली गई और फिर कभी वापस नहीं लौटी। दूसरे मामले में अर्जुन ने शिकायत की है कि उसकी शादी रानू बाई मिश्रा से कराने के नाम पर करीब तीन लाख रुपए लिए गए। आरोपियों ने खुद को लड़की के रिश्तेदार बताकर शादी कराई थी। अर्जुन के मुताबिक रानू बाई भी शादी के 15 दिन बाद इंदौर जाने का कहकर घर से चली गई और वापस नहीं आई। अर्जुन ने आरोप लगाया कि महिला अपने साथ मोबाइल फोन और चांदी की पायजेब भी ले गई है। पीड़ितों का कहना है कि जब उन्होंने अपने पैसे वापस मांगे तो आरोपियों ने उन्हें गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। शिकायतकर्ताओं के पास पैसे देने के वीडियो, शादी के फोटो और कुछ आधार कार्ड भी मौजूद होने का दावा किया गया है।

दलालों के गिरोह ने मिलकर ठगा- इन दोनो ही शादियों का सौदा बीच में रहने वाले दलाल करते हैं। शिकायत में पहला दलाल नारायण पाण्डा है जो जिला शाजापुर का निवासी है। दूसरा दलाल बाबू है जो जिला उज्जैन की तहसील तराना अंतर्गत एक गांव का रहने वाला है। तीसरा दलाल सुखराम है जो जिला धार का निवासी है। सुखराम इस पूरे गिरोह का मुख्य दलाल बताया जा रहा है। वहीं लड़कियों से सीधे संपर्क कर बातचीत करता है और शादी तय करवाने का काम करता है। अब पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

किसान परेशान है, डीजल- पेट्रोल के दाम में बडोतरी, अघोषित बिजली कटोती से ग्रामीण परेशान, नीट के परीक्षार्थी हताश, छात्रों के भविष्य से हो रहा खिलवाड- विधायक शेखावत

देश का सबसे स्वच्छ शहर वासी कभी गंदे पानी से तो कभी पीने के पानी के लिए परेशान- विधायक शेखावत

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ट्रीपल इंजिन की सरकार के नेतृत्व में किसान परेशान है, डीजल- पेट्रोल के दाम में बेहताशा बडोतरी, अघोषित बिजली कटोती से ग्रामीण परेशान, नीट के परीक्षार्थी हताश, छात्रों के भविष्य से हो रहा खिलवाड, देश का सबसे स्वच्छ शहर वासी कभी गंदे पानी से तो कभी पीने के पानी के लिए परेशान हैं। स्मार्ट मीटर के नाम पर बिजली विभाग की खुली लुट मचा रखी है। काकरोच पार्टी बने न बने किंतु इस आंधी ने देश के नेताओं की नींद उडा दी है।

उक्त बात बदनावर विधायक भंवरसिंह शेखावत ने विधायक कार्यालय पर आयोजित पत्रकार वार्ता में कही। पत्रकार वार्ता में विधायक शेखावत ने आगे कहा कि भीशण गर्मी में प्रदेष सरकार किसानों के साथ छल कपट कर मुर्ख बनाने का काम कर रही है। सर्मथन मुल्य पर गेहू खरीदी लेट शुरु हुई, पहले किसानों को 7-8 दिनों तक लाइन में खडा किया, कही तोल कांटों का अभाव तो कही मजदूरों की कमी, तोल हो गया किंतु पैसा किसानों को नहीं मिला। वही तीसगांव खरीदी सेन्टर पर किसानों से 2 से 4 हजार रु तक की राशि तोल के नाम पर ली जा रही। कोई किसान राषि नहीं देता हे उसका गेहू रिजेक्ट कर दिया जाता है या समय की समाप्ति बतायी जाती है। जो किसान पैसा दे देता है तो किसी भी परिस्थिती में उसके गेहू का तोल हो जाता है। इस संबंध में कलेक्टर व एसडीएम को भी अवगत कराया गया है। गेहू खरीदी तारीख बढाने की मांग भी है। शेखावत ने यह भी कहा कि पिछले कुछ सालों में गेहू परिवहन करने वाले टॉसपोर्टरों का भुगतान नहीं करने से भी गेहू परिवहन में परेशानी हो रही है। गेहू परिवहन नहीं होने से किसान को भुगतान नहीं हो पाया है।

युद्व का बहाना कर डीजल पेट्रोल के दाम 7 दिन में तीन बार बढाया-विधायक शेखावत ने कहा कि युद्व का बहाना कर 7 दिन में तीन बार दाम बढाया। अब जबकि युद्व बंद हो गया तो इंधन के दाम में बढोतरी क्यों। जब सस्ता तेल आ रहा तब सरकार ने 38 लाख करोड कमाए किंतु कुड आइल थोडा मंहगा होने पर तेल के भाव में बडी वृद्वि कर दी गई। मंत्री निर्मला सीतारणम के वक्तृय पर कहा कि देश में 80 प्रतिशत प्रांतों में भाजपा की सरकार है और मुख्यमंत्री भी इनके है, 15 रु वेट कम करके जनता का राहत देना चाहिए। किंतु सरकार जनता के साथ धोखा कर अगले एक महिने तक भाव बढा कर लोगों की आंखो में धुल फैंकने का काम करेगे। पेट्रोल डीजल की बचत हेतु अधिकारी, मंत्री साइकल से यात्रा करे।

गांवों में अघोषित बिजली कटोती पर विभाग को लिया आडे हाथो- विधायक शेखावत ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में रात में अघोषित बिजली कटोती से ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पडता है। विभाग के पास टांसफार्मर में आइल डालने का पैसा नहीं है।स्मार्ट मीटर के नाम पर जनता को लुटा गया। विद्युत कटौती बंद की जाए।

देश के युवाओं ने काकरोच जनता पार्टी के माध्यम से बता दिया है कि युवाओं में सरकार के प्रति भारी अंसतोष है। काकरोच जनता पार्टी को गोमूत्र व गोबर खाने वाले समझे ना समझे पार्टी बने ना बने किंतु जनता किस दृष्टि से देख रहे है बहुत बडा घमाशान होने की आंशका व्यक्ति की।

इंदोर में पेयजल संकट- उमडी भीड से बचने के लिए 3 विधायक पिछले दरवाजे से निकले- 7 बार स्वच्छता में नंबर वन शहर इंदौर में इन दिनों पेयजल संकट गहराया है। पानी के लिए लोग सडकों पर निकल पढे है। भीड देखकर 3 विधायक पिछले दरवाजे से निकल कर गए। तथा पिछले दिनों गंदा पानी पीने से कई लोगों की मौत मे भी लोग सडको पर निकले थे। लोगों का सडक पर निकलना भयावता के संकेत है।

जनता को जागने का समय आ गया- जनता को जागने का समय आ गया है। मंहगाई के नाम पर सरकार लोगों की जेब पर बडा डाका डाल रही है। जनता आर्थिक रुप से परेशान है। शेखावत ने आशंका व्यक्त की कि बेलगाम सरकार से परेशान जनता नेपाल, बंगला देश व श्री लंका जैसी स्थिती निर्मित होने पर जनता सडक पर उतर सकती है। वही नेताओं को पिछले दरवाजे से भागना पड सकता है।

पत्रकार वार्ता के दौरान जिप सदस्य अशोक डावर, निर्देश सोनगरा, विधायक प्रतिनिधि महेश पाटीदार, देवपालसिंह जादव, अभय पाटीदार, जगदीश बना, राकेश पंवार, विनोद शर्मा, कानवन ब्लॉक अध्यक्ष सुरेन्द्रसिंह गोयल, राजेन्द्र जाट, आर पी सिह एवं आशिश जोशी सहीत कई कार्यकर्ता मौजूद थें।

भागवत कथा का शुभारंभ बुधवार से

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुण्य पवित्र पुरुषोत्तम मास में राधाकृष्ण मंदिर परिसर मे जांगड़ा पोरवाल समाज द्वारा श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह का आयोजन संपन्न होगा। श्रीधाम अयोध्या के कथा व्यास पूज्य अमृता त्रिपाठी के मुखारविंद से श्रद्धालु भक्तजन दोपहर 2 बजे से सायं 5 बजे तक कथा श्रवण करेंगे। समाज प्रवक्ता राजेंद्र मोदी ने बताया कि दिनांक 27 मई बुधवार से 2 जून मंगलवार तक कथा सप्ताह का आयोजन होगा। 27 मई बुधवार को प्रातः 9:00 बजे कलश यात्रा के साथ कथा का शुभारंभ होकर भागवत महात्म्य प्रसंग पर कथा होगी, 28 मई गुरुवार को राजा परीक्षित श्राप प्रसंग एवं अन्य वृतांत, 29 मई शुक्रवार को भक्त ध्रुव चरित्र एवं अन्य भक्त चरित्र, 30 मई शनिवार को विविध लीलाएं, राम जन्म कथा, श्रीकृष्ण जन्मोत्सव, 31 मई रविवार को श्रीकृष्ण बाल लीला, गोवर्धन पूजा एवं छप्पन भोग, 1 जून सोमवार को रासलीला एवं श्रीकृष्ण रुक्मणी विवाह, 2 जून मंगलवार को सुदामा चरित्र, परीक्षित मोक्ष होकर कथा विश्राम होगी। दोपहर 4 बजे कथा विश्राम पर भव्य शोभा यात्रा मंदिर परिसर से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गो से होती हुई मंदिर परिसर पहुंचेगी जहां महाआरती पश्चात महाप्रसादी का आयोजन संपन्न होगा। फोटो कथा व्यास पूज्य अमृत त्रिपाठी।

खाटू श्याम भजनों से सजेगी संगीतमय संध्या 27 मई एकादशी पर होगा भव्य आयोजन

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया एकादशी के पावन अवसर पर श्रद्धा भक्ति और संगीतमय वातावरण से सरोवर एक शाम खाटू वाले के नाम श्री श्याम ताली कीर्तन का आयोजन 27 मई बुधवार को शाम 5:30 से श्री खाटू श्याम मंदिर शनी धाम अकोदिया में किया जाएगा ताली कीर्तन में बाबा श्याम के मधुर और भक्ति मय भजनों की प्रस्तुति देकर भजन गायक श्रद्धालुओं को भक्ति रस से सरोवर करेंगे प्रसिद्ध भजन गायक सतीश अग्रवाल चाटूखेडा एवं दीपक सिसोदिया अकोदिया बाबा के मधुर भजनों से आयोजन को भक्ति मय बनाएंगे इस अवसर पर बाबा का अलौकिक श्रृंगार 56 भोग अखंड ज्योत पुष्प वर्षा ईत्र वर्षा के साथ ही महाआरती एवं महाप्रशादी का वितरण भी होगा बाबा की एकादशी सेवा का लाभ श्याम प्रेमी डॉक्टर सुशील कुमार गेहलोत जिला अध्यक्ष श्री खाटू श्याम सेना ट्रस्ट एवं परिवार द्वारा लिया जाएगा श्री खाटू श्याम मंदिर सेवा समिति शनि धाम एवं गेहलोत परिवार ने सभी धर्म प्रेमी जनों से अधिक से अधिक संख्या में पधारकर धर्म लाभ लेने का अनुरोध किया है।

स्कूलों के बाहर लगाए ड्रग फ्री ज़ोन के पोस्टर, लोगों को दी समझाइश

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। थाना प्रभारी सुसनेर अक्षय सिंह बेस के नेतृत्व में मंगलवार को नशा मुक्ति अभियान चलाया गया। अभियान के तहत कस्बे के विभिन्न स्कूलों के बाहर एवं आसपास ड्रग फ्री ज़ोन के पोस्टर और बैनर लगाए गए तथा आम नागरिकों को स्कूलों के 100 मीटर के दायरे में धूम्रपान, तंबाकू सेवन एवं अन्य प्रकार के नशे से दूर रहने की समझाइश दी गई। अभियान के दौरान शासकीय कन्या हाई स्कूल, सरस्वती शिशु विद्या मंदिर स्कूल, सांदीपनी उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं संतोष कैथोलिक स्कूल के आसपास जागरूकता गतिविधियां संचालित की गईं। पुलिस टीम ने विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं राहगीरों को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए स्कूल परिसर के आसपास स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण बनाए रखने की अपील की। थाना प्रभारी अक्षय सिंह बेस ने कहा कि बच्चों को नशे से दूर रखने और समाज में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से यह अभियान लगातार चलाया जा रहा है। पुलिस द्वारा आगे भी स्कूलों एवं सार्वजनिक स्थानों पर जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

नन्हें हाथों ने संवारी शिव वाटिका: माथुर कॉलोनी के बच्चों ने चलाया स्वच्छता अभियान

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्थानीय माथुर कॉलोनी स्थित शिव वाटिका में आज सुबह एक अनोखा नजारा देखने को मिला, जब कॉलोनी के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने मिलकर पूरे गार्डन परिसर की सफाई की। हाथों में थैलियां और कचरा समेटते इन बच्चों के चेहरे पर अपने परिवेश को स्वच्छ रखने का एक अलग ही उत्साह था।

शहीद की प्रतिमा स्थल को दी श्रद्धांजलि- आपको बता दें कि इस शिव वाटिका का उद्घाटन इसी वर्ष 5 अप्रैल 2026 को प्रदेश के माननीय राज्यपाल मंगूभाई पटेल द्वारा किया गया था। इस कार्यक्रम में देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीद रविंद्र सिंह राठौर जी की भव्य प्रतिमा का अनावरण भी हुआ था। बच्चों ने आज इसी प्रेरणास्थल को स्वच्छ और सुंदर बनाकर शहीद के प्रति अपनी सच्ची श्रद्धा और नागरिक कर्तव्य को प्रकट किया।

कॉलोनी वासियों ने थपथपाई पीठ बच्चों की इस जागरूकता और सामूहिक प्रयास को देखकर माथुर कॉलोनी के रहवासियों ने उनकी जमकर तारीफ की।

एम.आर.पी. से 15 अधिक वसूलने पर नापतौल विभाग की कार्यवाही

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आज एमआरपी से अधिक कीमत वसूलने की सूचना प्राप्त होने पर नापतौल विभाग द्वारा ग्राम पारा के बोरी रोड़ स्थित महांकाल मेगा स्टोर पर एक व्यक्ति को ग्राहक बनाकार भेजा गया जिसके द्वारा कोल्ड ड्रिंक की बोतल खरीदी गई जिस पर एमआरपी ?35 अंकित थी दुकानदार से पूछने पर बोतल की कीमत ?50 ली गई इसके पश्चात सूचना सही पाए जाने पर नापतौल निरीक्षक कपिल कदम के द्वारा विधिक मापविज्ञान अधिनियम अंतर्गत संबंधित विक्रेता के विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। नापतौल निरीक्षक द्वारा विक्रेता से पूछने पर उसने बताया कि कोल्ड ड्रिंक को ठंडा करने के लिए अलग से राशि ली जा रही है इसके पश्चात विभाग द्वारा उसे समझाइश देते हुए निर्देशित किया की एमआरपी (अधिकतम खुदरा मूल्य) के तहत सभी प्रकार के शुल्क सम्मिलित किए जाते हैं।

भ्रष्टाचार के खिलाफ लेडी सिंघम बनकर उभरीं सारिका बाफना

भगतसिंह चौहान के तानाशाही और भ्रष्ट साम्राज्य के खिलाफ सारिका बाफना ने कैबिनेट मंत्री को लिखा पत्र

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बदनावर की कद्दावर नेत्री और विधायक प्रतिनिधि सारिका बाफना ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि जब बात जनता के हक और महिलाओं के सम्मान की आएगी, तो वे किसी भी भ्रष्ट ताकत के आगे झुकने वाली नहीं हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग में लंबे समय से पैर पसारे बैठे परियोजना अधिकारी भगतसिंह चौहान के तानाशाही और भ्रष्ट साम्राज्य के खिलाफ सारिका बाफना ने अब तक का सबसे बड़ा मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने सूबे की कैबिनेट मंत्री निर्मला भूरिया को सीधे कड़ा शिकायती पत्र भेजकर विभाग के भीतर चल रहे काले कारनामों और उत्पीड़न के खेल को पूरी तरह बेनकाब कर दिया।

इस पूरे मामले में सारिका बाफना का एक बेहद संवेदनशील और साहसिक चेहरा सामने आया है। जहाँ बड़े-बड़े नेता विभागीय गड़बड़ियों पर चुप्पी साध लेते हैं, वहीं सारिका ने क्षेत्र की उन पीड़ित और लाचार महिला आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की पीड़ा को समझा, जो अधिकारी के खौफ से घुट-घुट कर जीने को मजबूर थीं जब डरी हुई महिला कार्यकर्ताओं ने नाम न छापने की शर्त पर सारिका जी को अपनी आपबीती सुनाई–कि कैसे उन पर अनैतिक कार्यों का दबाव बनाया जाता है और हर महीने मोटी रिश्वत (अवैध वसूली) मांगी जाती है–तो सारिका बाफना ने बिना एक पल गंवाए इस लड़ाई को अपने हाथ में लिया। उन्होंने कार्यकर्ताओं को सुरक्षा का भरोसा देकर इस दमनकारी तंत्र के खिलाफ सीधे आर-पार की जंग का ऐलान कर दिया।

विभागीय गलियारों में चर्चा है कि उक्त अधिकारी को किसी बड़े राजनीतिक या प्रशासनिक रसूखदार का संरक्षण प्राप्त था, जिसके दम पर वह हर शिकायत को रद्दी की टोकरी में डलवा देता था। लेकिन इस बार उसका सामना सारिका बाफना से हुआ है। सारिका ने मंत्री को लिखे पत्र में इस तथाकथित संरक्षण पर भी तीखा प्रहार किया है और साफ कर दिया है कि महिलाओं के आत्मसम्मान की बलि चढ़ाकर किसी भी भ्रष्टाचारी को बदनावर की धरती पर फलने-फूलने नहीं दिया जाएगा।

मामले की गंभीरता को देखते हुए विधायक प्रतिनिधि ने बेहद आक्रामक रुख अख्तियार करते हुए दो टूक मांग की है की ऐसे दागी और उत्पीड़क अधिकारी भगतसिंह चौहान को तत्काल प्रभाव से बदनावर से खदेड़ा जाए ।

बदनावर में सरकारी योजनाओं को सही ढंग से लागू करने और बहनों-बेटियों के लिए भयमुक्त वातावरण तैयार करने के लिए यहाँ किसी योग्य, ईमानदार और कुशल महिला अधिकारी की ही ताजपोशी की जाए।

क्षेत्र में सारिका बाफना के इस साहसिक कदम की जमकर तारीफ हो रही है। जनता और कार्यकर्ताओं का कहना है कि बदनावर को ऐसे ही निर्भीक नेतृत्व की जरूरत है जो भ्रष्टाचार के खिलाफ आँख में आँख डालकर बात कर सके। अब देखना यह है कि सारिका के इस कड़े तेवर के बाद भोपाल में बैठी सरकार इस भ्रष्ट अधिकारी पर कितनी जल्दी गाज गिराती है!

नीमच पुलिस की जनसुनवाई में 57 फरियादियों ने रखीं समस्याएं, एसपी राजेश व्यास ने दिए त्वरित निराकरण के निर्देश

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक उज्जैन जोन के निर्देश पर मंगलवार को नीमच पुलिस कंट्रोल रूम स्थित सभाकक्ष में जिला स्तरीय जनसुनवाई, शिकायत निवारण एवं सीएम हेल्पलाइन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास ने स्वयं फरियादियों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।

जानकारी के अनुसार उज्जैन जोन स्तर से सभी जिलों में लंबित सीएम हेल्पलाइन एवं आमजन की शिकायतों के अधिक से अधिक निराकरण के लिए विशेष शिविर आयोजित करने के निर्देश जारी किए गए थे। इसी क्रम में 26 मई 2026 को आयोजित शिविर में जनसुनवाई के साथ-साथ सीएम हेल्पलाइन शिकायत निवारण शिविर भी लगाया गया।

शिविर के दौरान फरियादियों ने भूमि विवाद, पुलिस कार्रवाई, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं और अन्य समस्याओं से जुड़े आवेदन पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास के समक्ष प्रस्तुत किए। एसपी ने शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित थाना प्रभारियों के माध्यम से शीघ्र और निष्पक्ष निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इस दौरान सीएम हेल्पलाइन की लेवल-1, लेवल-2 और लेवल-3 की कुल 13 शिकायतों का संतुष्टि पूर्वक निराकरण कर उन्हें बंद कराया गया। वहीं जिला स्तरीय जनसुनवाई शिविर में करीब 57 फरियादी अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे, जिनकी समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास ने सभी राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि आमजन के आवेदनों का समय पर, निष्पक्ष और प्रभावी निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शिविर में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवल सिंह सिसोदिया, नगर पुलिस अधीक्षक किरण चौहान, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस जावद रोहित राठौर, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस मनासा निकीता सिंह सहित जिले के समस्त थाना प्रभारी, चौकी प्रभारी, संबंधित शाखाओं के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में फरियादी उपस्थित रहे।

फाइटर्स अकादमी ने पिछले 5 साल में हजारों युवाओं की जिंदगी में लगा दिए चार चांद

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया फाइटर अकादमी शुजालपुर कोचिंग सेंटर द्वारा वर्ष 2026 मे महू आरो वा भोपाल आरो में इंडियन आर्मी के फाइटर अकादमी शुजालपुर कोचिंग के 70 विद्यार्थियों का भारतीय आर्मी में सिलेक्शन हुआ था साथ ही 23 विद्यार्थी का मध्य प्रदेश पुलिस में चयनित हुए थे यहां शुजालपुर के इतिहास की सबसे बड़ी कोचिंग सेंटर है जो की संचालक मनोज सिसोदिया खुद स्वयं कोचिंग सेंटर पर मौजूद रहकर विद्यार्थियों को उज्जवल भविष्य को लेकर अपने सेंटर में भारतीय आर्मी और पुलिस से संबंधित तमाम प्रोजेक्ट सब्जेक्ट को पूर्ण कर नियमित रूप से ट्यूशन में शिक्षा ग्रहण करवाना पॉइंट टू पॉइंट लाइन टू लाइन कोचिंग सेंटर के तहत प्रमुखता से उन्हें भारतीय आर्मी व पुलिस मध्य प्रदेश में भर्ती हेतु कोई कोर कसर नहीं छोड़ूंगा गोरतलब है कि फाइटर अकादमी शुजालपुर द्वारा पिछले 5 वर्षों में क्षेत्र के हजारों बच्चे की जिंदगी में चार चांद लगा दिए हैं कोचिंग सेंटर के संचालक मनोज सिसोदिया बताते हैं कि मेरा सपना है की क्षेत्र के हर एक घर से हर एक युवा भारतीय आर्मी वा मध्य प्रदेश पुलिस में कार्यरत रहे इसके लिए मैंने सुजालपुर स्थित फाइटर अकादमी केंद्र संचालित कर रखा है जहां नियमित अभिभावक का दिल जीतकर विद्यार्थियों के लिए दिन-रात मेहनत करता हूं 1 वर्ष में 70 से अधिक युवाओं का आर्मी में चयनित होना हमारे सेंटर के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि हैं साथ ही मध्य प्रदेश पुलिस में भी 23 स्टूडेंट का चयन हुआ था श्री सिसोदिया ने बताया कि आगामी दो वर्ष में शाजापुर जिले से 1100 विद्यार्थी को आर्मी व मध्य प्रदेश पुलिस में पहुंचने के लिए में दिन-रात मेहनत करूंगा ताकि मेरे जिले का नाम पूरी दुनिया में रोशन हो छोटे से गांव इमली खेड़ा के निवासी ने हजारों घर में खुशी के दीपक जलाए।

फाइटर अकादमी शुजालपुर कोचिंग सेंटर के संचालक शुजालपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम इमली खेड़ा गांव के निवासी हैं महेज छोटे से गांव में जन्मे मनोज सिसोदिया ने सुजालपुर में रहकर फाइटर अकादमी कोचिंग सेंटर प्रारंभ किया था जहां 5 साल में जिले भर के हजारों घर में खुशहाली और रौनक लाने में अति महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है जहां एक बार फिर सन 2026 में महु भोपाल आरो में इंडियन आर्मी के 70 विद्यार्थियों को मिलिट्री के लिए चयनित हुए हैं तो 23 स्टूडेंट मध्य प्रदेश पुलिस में सिलेक्शन हुआ है।

जावद घोटाले पर बवाल-कांग्रेस नेता ने नागरिकता छोड़ने पत्र सौंपा, पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह भी कूदे मैदान में

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले की जनसुनवाई में सौंपे गए एक नागरिकता त्याग आवेदन ने अब बड़ा राजनीतिक और प्रशासनिक मुद्दा खड़ा कर दिया है। भ्रष्टाचार और प्रशासनिक कार्रवाई में देरी से नाराज होकर आम नागरिक पंकज तिवारी द्वारा कलेक्टर को सौंपे गए नागरिकता हस्तांतरण एवं नागरिकता त्यागपत्र की गूंज अब भोपाल तक पहुंच गई है। मामले को लेकर मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने भी सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर नीमच प्रशासन और शासन व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में सौंपे गए आवेदन में पंकज तिवारी ने खुद को भारतीय नागरिक बताते हुए लिखा कि वे संविधान प्रदत्त अधिकारों के तहत सांकेतिक विरोध स्वरूप अपनी नागरिकता त्यागने और हस्तांतरित करने का आवेदन प्रस्तुत कर रहे हैं। आवेदन में आरोप लगाया गया कि लोकायुक्त कार्रवाई में रंगे हाथों पकड़े गए जनपद जावद अध्यक्ष गोपाल चारण के खिलाफ अब तक कठोर कार्रवाई नहीं हुई है। साथ ही थड़ोद पंचायत में शासकीय राशि गबन और आर्थिक अनियमितताओं के मामलों में भी संबंधित सरपंच एवं सचिव पर प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से जनता का लोकतंत्र और प्रशासन से भरोसा कमजोर हो रहा है।

आवेदन में यह भी उल्लेख किया गया कि भ्रष्टाचार जैसे गंभीर मामलों में कार्रवाई लंबित रहना शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है। आवेदक ने मांग की कि जनपद अध्यक्ष को तत्काल पद से हटाया जाए तथा संबंधित पंचायत प्रतिनिधियों के खिलाफ निष्पक्ष कार्रवाई करते हुए एफआईआर दर्ज की जाए।

मामले ने उस समय और तूल पकड़ लिया जब पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने इस पूरे घटनाक्रम को लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा कि ÷नागरिकता से त्यागपत्र गांधीवादी तरीके का एक सांकेतिक विरोध है। यह जन की सुनवाई कहां हो रही है? होता तो सरकारी राशि के गबन करने वाले भ्रष्ट सचिव पर एफआईआर दर्ज होने के बाद वर्षों क्यों लगते ? जनपद अध्यक्ष को हटाने की कार्रवाई क्यों नहीं हो रही है

पूर्व मुख्यमंत्री की इस टिप्पणी के बाद मामला राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है। सोशल मीडिया पर भी लोग प्रशासनिक कार्यप्रणाली और भ्रष्टाचार के मामलों में कार्रवाई को लेकर सवाल उठा रहे हैं। वहीं इस पूरे घटनाक्रम ने नीमच प्रशासन की कार्यशैली पर भी कई तरह की चर्चाओं को जन्म दे दिया है।

घर में घुसकर तलवार से हमला, संपत्ति विवाद में नीमच में खूनखराबा, पीड़ित परिवार दहशत में

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के स्कीम नंबर 10 क्षेत्र में संपत्ति विवाद ने खतरनाक मोड़ ले लिया, जब एक परिवार के घर में घुसकर धारदार हथियारों से हमला किए जाने का मामला सामने आया। इस घटना में दो लोग घायल हुए हैं और पूरा परिवार दहशत में है।

पीड़ित विनोद यादव के अनुसार घटना करीब सात दिन पहले की है। उस समय वे घर पर मौजूद नहीं थे। इसी दौरान पुराने विवाद के चलते रमेशचंद्र यादव, दीपक यादव, राज यादव, मुकेश यादव, गोलू उर्फ रोहित, देव यादव, मोनिका, जितेंद्र, नेहा और बाबू सहित अन्य लोग एकजुट होकर जबरन उनके घर में घुस आए।

आरोप है कि सभी आरोपी तलवार, चाकू, लोहे की रॉड और लट्ठ जैसे हथियारों से लैस थे। घर में घुसते ही उन्होंने हमला कर दिया। इस दौरान उनके पुत्र सुदांशु यादव पर तलवार से वार किया गया, जिससे उसके सिर में गंभीर चोट आई और पांच से छह टांके लगाने पड़े। वहीं उनकी पुत्री हर्षिता यादव भी हमले में घायल हो गई। दोनों का उपचार जिला चिकित्सालय में जारी है।

विनोद यादव का कहना है कि घटना के बाद आरोपी खुद ही थाने पहुंच गए, जिससे स्थिति और ज्यादा बिगड़ने से बच गई। उनका दावा है कि अगर समय रहते हालात नहीं संभलते, तो घटना और गंभीर हो सकती थी।

पीड़ित परिवार ने पुलिस कार्रवाई पर भी सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि मामले में केवल चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि बाकी आरोपी अब भी खुलेआम घूम रहे हैं। उन्होंने बताया कि आरोपियों के ठिकानों की जानकारी पुलिस को देने के बावजूद ठोस कार्रवाई नहीं हो रही।

बताया जा रहा है कि दोनों पक्षों के बीच मकान और संपत्ति को लेकर पुराना विवाद चल रहा है, जो फिलहाल न्यायालय में विचाराधीन है। इसके बावजूद विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है और अब हिंसक रूप ले चुका है।

घटना के बाद पीड़ित परिवार ने कलेक्टर जनसुनवाई में पहुंचकर सभी आरोपियों की गिरफ्तारी, सख्त कार्रवाई और परिवार की सुरक्षा की मांग की है।

जिला रोगी कल्याण समिति की बैठक संपन्न, जिला चिकित्सालय में साफ-सफाई, उपचार व्यवस्था एवं संसाधनों के सुदृढ़ीकरण पर दिया गया जोर

आगर-मालवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला रोगी कल्याण समिति की कार्यकारिणी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला चिकित्सालय आगर-मालवा में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, साफ-सफाई व्यवस्था, आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता तथा मरीजों को बेहतर उपचार सुविधा उपलब्ध कराने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में कलेक्टर यादव ने जिला चिकित्सालय की साफ-सफाई व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं व्यवस्थित बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अस्पताल में आने वाले मरीजों एवं उनके परिजनों को स्वच्छ एवं बेहतर वातावरण उपलब्ध कराना प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके साथ ही चिकित्सालय में आवश्यक उपकरणों के सुधार एवं रखरखाव कार्य समय पर पूर्ण करने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए गए। भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर ने मरीजों को समुचित उपचार एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। बैठक में जिला चिकित्सालय द्वारा कुण्डालिया डेम से सतत जल आपूर्ति सुनिश्चित किए जाने तथा मरीजों एवं परिजनों को ठंडा एवं शीतल पेयजल उपलब्ध कराए जाने की व्यवस्था पर संतोष व्यक्त किया गया। साथ ही चिकित्सकीय सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने पर भी चर्चा की गई।

कलेक्टर ने जिला चिकित्सालय के विकास कार्यों में भारत विकास परिषद द्वारा दिए जा रहे सहयोग की सराहना की गई। इसी क्रम में अन्य समाजसेवी संगठनों एवं जनप्रतिनिधियों के सहयोग से अस्पताल में मरीजों के हितार्थ आवश्यक संसाधन, उपकरण एवं उपयोगी सामग्री उपलब्ध कराने के लिए आगामी कार्ययोजना तैयार करने पर विचार किया गया। बैठक में आगामी सिंहस्थ को दृष्टिगत रखते हुए शासन स्तर से जिला चिकित्सालय में 300 अतिरिक्त बेड की मांग शासन स्तर पर भेजे जाने पर भी चर्चा की गई, जिससे भविष्य में मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सके।

कलेक्टर ने महिला चिकित्सकों की कमी के संबंध में सीएमएचओ को आवश्यक समन्वय एवं अपेक्षित सहयोग प्रदान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि महिला मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक मानव संसाधन की पूर्ति पर प्राथमिकता से कार्य किया जाए। सीएमओ नगर पालिका आगर को निर्देशित किया गया कि जिला चिकित्सालय परिसर से सामान्य कचरे का नियमित एवं समय पर उठाव सुनिश्चित किया जाए, जिससे स्वच्छता व्यवस्था प्रभावित न हो। साथ ही जिला चिकित्सालय में सामान्य कचरा संग्रहण व्यवस्था को व्यवस्थित एवं सुचारू रूप से संचालित करने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में जिला चिकित्सालय के समस्त प्रथम श्रेणी चिकित्सकों को मरीजों के साथ संवेदनशील एवं सम्मानजनक व्यवहार करते हुए समय पर आवश्यक उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना स्वास्थ्य विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

बैठक के अंत में सामाजिक कार्यकर्ता एवं रोगी कल्याण समिति सदस्य पारस जैन द्वारा उपस्थितजनों का आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर सीएमएचओ डॉ. दिनेश देहलवार, सिविल सर्जन डॉ. मनीष कुरील, सीएमओ नगर पालिका कुशाल सिंह डोड़वे, आरएमओ डॉ. विजय सागरिया, डॉ. जेसी परमार, डॉ. सरदार अस्के, डॉ. आशा सोलंकी, डॉ. के.के. सागरिया, कार्यपालन यंत्री कुलदीप चंद्रवंशी, परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास मनीषा चौबे सहित रोगी कल्याण समिति के सदस्य एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

महिला से अभद्रता कर कपड़े फाड़ने वाले आरोपी को 7 दिन के लिए भेजा जेल

सुसनेर/गिरिराज बंजारिया/दैनिक मालवा हेराल्ड। विधानसभा सुसनेर के ग्राम बराई में महिला के साथ अभद्रता कर कपड़े फाड़ने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में सोयत पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर कार्यपालिक मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया जहां से उसे 7 दिनों के लिए जेल भेज दिया गया। जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह एक महिला घर से गोबर इकट्ठा कर रोड़ी पर डालने जा रही थी। इसी दौरान गांव का ही रहने वाला दिलीप पिता दिनेश विश्वकर्मा उसका पीछा करते हुए पहुंचा और बुरी नियत से पीछे से पकड़ लिया। महिला ने विरोध किया तो आरोपी ने झूमाझटकी करते हुए उसकी साड़ी और ब्लाउज फाड़ दिए। घटना में महिला के हाथ, पैर, कोहनी और गर्दन पर चोटें भी आईं। महिला द्वारा शोर मचाने पर उसके पति, जेठ और ससुर मौके पर पहुंचे। परिजनों को आता देख आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गया। पीड़िता ने सोयत पुलिस थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। रिपोर्ट में बताया गया कि आरोपी पहले उसके पति की ईको गाड़ी पर ड्रायवरी करता था और उसी दौरान उसने मोबाइल नंबर ले लिए थे। आरोपी लगातार फोन कर परेशान करता था तथा फोन नहीं उठाने पर बेटे को उठाने और जान से मारने की धमकी देता था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 74, 75, 76, 78, 126 एवं 351 के तहत एफआईआर क्रमांक 0104 दर्ज की। साथ ही भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 126, 135 एवं 170 के अंतर्गत इस्तगासा क्रमांक 59/2026 तैयार कर कार्यपालिक दंडाधिकारी अरुण चंद्रवंशी के समक्ष प्रस्तुत किया गया। मामले की गंभीरता और क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने को देखते हुए कार्यपालिक मजिस्ट्रेट ने आरोपी को 7 दिवस के लिए जेल भेजने के आदेश दिए।

जन भागीदारी - सबसे दूर, सबसे पहले अभियान में झाबुआ जिले ने रचा सफलता का नया आयाम

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत सरकार एवं मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार संचालित जन भागीदारी - सबसे दूर, सबसे पहले अभियान के अंतर्गत झाबुआ जिले में व्यापक स्तर पर संतृप्ति शिविरों का सफल आयोजन किया गया। जिले के दूरस्थ एवं जनजातीय क्षेत्रों में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के उद्देश्य से संचालित इस अभियान ने उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है। जिले के सभी 06 विकासखंडों में आयोजित कुल 559 संतृप्ति शिविरों के माध्यम से लगभग 32हजार से अधिक हितग्राहियों को विभिन्न शासकीय योजनाओं से लाभान्वित किया गया। अभियान के दौरान स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा, वित्तीय समावेशन, दस्तावेज निर्माण, पोषण एवं कृषि संबंधी सेवाओं को एक ही स्थान पर उपलब्ध कराया गया।

थांदला जनसुनवाई में 119 आवेदनों पर सुनवाई, कलेक्टर ने दिए त्वरित निराकरण के निर्देश

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट द्वारा मंगलवार को थांदला में विकासखंड स्तरीय जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में नागरिकों ने विभिन्न समस्याओं एवं शिकायतों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए, जिन पर कलेक्टर ने संबंधित विभागों को त्वरित एवं आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में ग्राम परवाड़ा के धोबड़ी फलिया के ग्रामीणों ने धोबड़ी फलिया से लिमड़ी फलिया स्कूल तक लगभग एक किलोमीटर मार्ग पर पक्की सड़क नहीं होने की समस्या बताई। ग्रामीणों ने बताया कि मार्ग अत्यंत खराब स्थिति में है, जिससे वाहन आवागमन बाधित होता है तथा बच्चों को स्कूल आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। बारिश के समय सड़क पर कीचड़ एवं पानी भर जाने से मार्ग पूरी तरह बंद हो जाता है। इस पर कलेक्टर ने जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने तथा आवेदकों को सूचित करने के निर्देश दिए।

मूक पशुओं की सेवा व धर्म आराधना का संगम : नागदा में 27-28 मई को होगा दो दिवसीय 'करूणा उत्सव'

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सकल जैन श्रीसंघ नागदा के बैनर तले एवं आदिनाथ ग्रुप के तत्वावधान में मूक पशुओं के आत्मश्रेयार्थ दो दिवसीय करूणा उत्सव का आयोजन 27 एवं 28 मई को किया जाएगा। यह धार्मिक आयोजन मुनिप्रवर अभयमुनिजी आदि ठाणा, प्रत्यक्षरत्नविजयजी आदि ठाणा-2 तथा उपेन्द्रयशाश्रीजी आदि ठाणा की निश्रा में संपन्न होगा।

आदिनाथ ग्रुप के पूर्व अध्यक्ष हर्षित नागदा, राजा कर्नावट, वर्तमान अध्यक्ष दीपक गांग, सचिव कुशल भंसाली एवं विपिन वागरेचा ने संयुक्त जानकारी देते हुए बताया कि उत्सव के प्रथम दिन बुधवार सुबह 8-45 बजे पाल्या रोड स्थित गोपाल गोशाला परिसर में गौसेवा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस सेवा का लाभ सरदारमल-विमलचंद्र नागदा परिवार द्वारा लिया जाएगा।

वहीं दूसरे दिन गुरुवार सुबह 8-45 बजे पुनः गोपाल गोशाला परिसर में गौसेवा कार्यक्रम होगा, जिसका लाभ नेमीचंद्र-राजेशकुमार मेहता परिवार को प्राप्त होगा। सुबह 9-30 बजे जवाहर मार्ग स्थित महावीर भवन में धर्मसभा, प्रवचन एवं नवकार महामंत्र जाप का आयोजन किया जाएगा। साथ ही गुरुवार को सुबह 11-15 बजे महावीर भवन में सामूहिक आयंबिल भी आयोजित होगा। आदिनाथ ग्रुप के सदस्यों ने समाजजनों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्मलाभ लेने एवं आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

मानव तस्करी की साजिश नाकाम, नौकरी का झांसा देकर बेची जा रही युवती को पुलिस ने बचाया, एक आरोपी गिरफ्तार , एस डी ओपी आगर मोतीलाल कुशवाह ने पत्रकार वार्ता में दी जानकारी

आगर मालवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। बडौद थाना पुलिस ने मानव तस्करी की बड़ी साजिश का पर्दाफाश करते हुए एक युवती को बेचे जाने से पहले सुरक्षित बचा लिया है। थाना बड़ौद पुलिस की त्वरित कार्रवाई में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है, जबकि अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

नौकरी के बहाने अगवा कर ?3 लाख में सौदा- बैतूल निवासी युवती पूजा (बदला हुआ नाम) 24 मई को इंदौर स्थित फैक्ट्री में काम के लिए निकली थी। शहपुर बस स्टॉप पर सफेद स्कॉर्पियो क्रमांक MP09BD3061 में सवार लोगों ने उसे नौकरी दिलाने का झांसा देकर गाड़ी में बैठा लिया।

आरोपी उसे ग्राम करनालिया ले गए, जहां राजस्थान निवासी विनोद मालवीय से जबरन विवाह कराने और ?3 लाख में सौदा करने की योजना थी। विरोध करने पर आरोपियों ने युवती को जान से मारने और अन्य जगह बेच देने की धमकी दी।

डायल-112 पर कॉल से बची जान- इसी दौरान पीड़िता ने साहस दिखाते हुए मौका पाकर पुलिस कंट्रोल रूम आगर को सूचना दे दी। कंट्रोल रूम ने तुरंत वायरलेस से थाना बड़ौद पुलिस को अलर्ट किया। तकनीकी साक्ष्य और लोकेशन के आधार पर पुलिस राजस्थान बॉर्डर के पास ग्राम कचनारिया क्षेत्र पहुंची।

पुलिस को देखकर स्कॉर्पियो सवार दो आरोपी मौके से भाग निकले। कुछ आरोपी युवती को मोटरसाइकिल से जंगल की ओर ले जाने लगे। थाना प्रभारी निरीक्षक रूपसिंह बैस के नेतृत्व में पुलिस टीम ने घेराबंदी कर युवती और एक आरोपी को मौके से सुरक्षित बरामद कर लिया।

FIR दर्ज, ये धाराएं लगीं- थाना बड़ौद पर अपराध क्रमांक 121/2026 दर्ज कर धारा 87, 143(1), 351(3), 3(5) भारतीय न्याय संहिता क्व्हस् के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। ये धाराएं अपहरण, मानव तस्करी, आपराधिक अभित्रास और संगठित अपराध से संबंधित हैं।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान ईश्वरसिंह पिता भगाजी बागरी, निवासी ग्राम करनालिया के रूप में हुई है। महिला उपनिरीक्षक सुनीता परिहार द्वारा पीड़िता की काउंसलिंग कराई गई।

पुलिस अधीक्षक की अपील- एसपी दिलीप कुमार सोनी ने बताया कि जिले में महिलाओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। आगर मालवा पुलिस ने आमजन से अपील की है कि नौकरी, विवाह या अन्य प्रलोभनों के नाम पर अपरिचित व्यक्तियों के साथ जाने से पहले उनकी पूरी जानकारी और सत्यापन अवश्य करें। संदिग्ध स्थिति में तुरंत डायल-112 पर संपर्क करें।

सराहनीय भूमिका - इस कार्रवाई में निरीक्षक रूपसिंह बैस, उनि जोरावरसिंह सिसोदिया, उपनिरीक्षक सुनीता परिहार, प्रधान आरक्षक हेमन्त सिसोदिया, प्रवीण यादव, अर्जुन बागड़ी, हकनवाज खान एवं महिला आरक्षक वंदना सेन की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

देवस्थान की जमीन पर कब्जे का आरोप! रात में खुदाई से भड़का बावरी समाज, कार्रवाई की मांग

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जावद नगर में देवस्थान की भूमि को लेकर विवाद गहरा गया है। बावरी समाज के लोगों ने कलेक्टर जनसुनवाई में पहुंचकर धार्मिक स्थल पर अवैध कब्जे का आरोप लगाते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की है।

समाजजनों के अनुसार तेलियों के सामुदायिक भवन के पास स्थित इस भूमि पर वर्षों पुराने भेरूजी, माताजी और अन्य देवी-देवताओं के चबूतरे बने हुए हैं। यह स्थान लंबे समय से बावरी समाज की आस्था का केंद्र रहा है, जहां पीढ़ियों से पूजा-अर्चना होती आ रही है।

आरोप है कि जावद निवासी बलराम पिता कन्हैयालाल तेली ने कथित रूप से फर्जी दस्तावेजों के आधार पर इस भूमि का आवासीय पट्टा प्राप्त कर लिया है और अब वहां निर्माण की तैयारी की जा रही है।

मामले ने उस वक्त और तूल पकड़ लिया जब समाजजनों ने आरोप लगाया कि रात के समय जेसीबी मशीन से खुदाई करवाई गई, जिससे वहां स्थापित देवी-देवताओं के चबूतरों और धार्मिक स्थल को नुकसान पहुंचा। साथ ही निर्माण सामग्री भी डाल दी गई है, जिससे पूजा-अर्चना और आवागमन में बाधा उत्पन्न हो रही है।

समाज के लोगों का कहना है कि इस संबंध में पहले भी कई बार मौखिक शिकायत की गई, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। अब मामला आस्था से जुड़ जाने के कारण समाज में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

जनसुनवाई में दिए गए आवेदन में बावरी समाज ने मांग की है कि– कथित अवैध कब्जे को तत्काल हटाया जाए।

आवासीय पट्टे की निष्पक्ष जांच कर उसे निरस्त किया जाए।

और धार्मिक स्थल की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

जावद कांग्रेस में त्रिशूल सा कमालः समंदर-सत्तू की जमीनी तपस्या के बीच मैदान में उतरे पंकज तिवारी, बिना गॉडफादर के जावद में चमका कांग्रेस का यह सितारा, कांग्रेस का वन मैन आर्मी पंकज तिवारी

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कहते हैं राजनीति में बिना गॉडफादर के पत्ता भी नहीं हिलता, लेकिन जावद विधानसभा के सिंगोली में एक ऐसा वन मैन आर्मी कार्यकर्ता है जिसने बड़े-बड़े दिग्गजों की नींद उड़ा रखी है। नाम है–पंकज तिवारी। वैसे तो पंकज भाई खुद को कांग्रेस का एक साधारण कार्यकर्ता बताते हैं, लेकिन जब वे सोशल मीडिया और जमीन पर बीजेपी की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ दहाड़ते हैं, तो अच्छे-अच्छे भाजपाइयों के पसीने छूट जाते हैं।

जावद विधानसभा की राजनीति में इस समय एक ही नाम की गूंज है–पंकज तिवारी! उनके तेवर किसी बड़े सूरमा से कम नहीं हैं। बिना किसी गॉडफादर और बिना किसी गुटबाजी के, अकेले दम पर बीजेपी की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ मोर्चा खोलने वाले पंकज तिवारी अब कांग्रेस आलाकमान की रडार पर आ चुके हैं।

जावद विधानसभा क्षेत्र में इन दिनों कांग्रेस की राजनीति एक बेहद दिलचस्प और नई करवट ले रही है। क्षेत्र में विपरीत परिस्थितियों के बावजूद पार्टी को जिंदा रखने वाले तीन दिग्गजों की जुगलबंदी अब पूरे जिले में चर्चा का विषय बन चुकी है। एक तरफ जहां जावद कांग्रेस के दो स्तंभ समंदर पटेल और सत्यनारायण पाटीदार (सत्तू) लंबे समय से धरातल पर निरंतर सक्रिय रहकर पार्टी की साख मजबूत कर रहे हैं, वहीं अब सोशल मीडिया के बेताज बादशाह पंकज तिवारी की सीधी जमीनी एंट्री ने कार्यकर्ताओं में करंट जैसा उत्साह भर दिया है।

समंदर और सत्तू- जावद कांग्रेस की जमीनी ताकत- सियासी गलियारों में इस बात की जमकर तारीफ हो रही है कि समंदर पटेल और सत्यनारायण पाटीदार (सत्तू) ने जावद विधानसभा में कांग्रेस की कमान को बेहद मजबूती से थाम रखा है। ये दोनों नेता हर सुख-दुख में जनता के बीच रहते हैं और इनकी जमीनी सक्रियता ही जावद में कांग्रेस का सबसे बड़ा संबल है। समंदर पटेल का जनसंपर्क और सत्यनारायण पाटीदार का लगातार फील्ड में बने रहना कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ाता आ रहा है।

डिजिटल वॉर के बाद पंकज तिवारी की ग्राउंड पर धमाकेदार एंट्री, मची हलचल!

इस जमीनी मजबूती के बीच, सिंगोली निवासी पंकज तिवारी ने अब तक सोशल मीडिया के जरिए बीजेपी की जनविरोधी नीतियों और भ्रष्टाचार के खिलाफ जो मोर्चा खोल रखा था, वह राष्ट्रीय स्तर तक गूंज रहा था। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह स्वयं पंकज की धारदार पोस्ट्स और निर्भीक कार्यप्रणाली के मुरीद हैं। लेकिन अब कहानी में एक बड़ा ट्विस्ट आ गया है! पंकज तिवारी ने सिर्फ स्क्रीन तक सीमित न रहकर सीधे जमीनी स्तर पर मैदान संभाल लिया है।

दिग्गजों पर भारी, दिग्गी राजा के दुलारे! दिग्विजय सिंह भी हैं इस डिजिटल शेर के फैन!- सियासी गलियारों में चर्चा आम है कि जावद कांग्रेस के दो बड़े चेहरे, समंदर पटेल और सत्यनारायण पाटीदार (सत्तू), अब पंकज के जमीनी और सोशल मीडिया एक्टिविज्म के आगे फीके पड़ते दिख रहे हैं। जहां बड़े-बड़े नेता विपक्ष की भूमिका निभाने में हिचकिचा रहे हैं, वहीं पंकज तिवारी बिना किसी डर के भ्रष्टाचार पर प्रहार कर रहे हैं। यही वजह है कि सूबे के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह खुद पंकज की कार्यप्रणाली के मुरीद हैं। दिग्विजय सिंह न सिर्फ उनकी पोस्ट को शेयर करते हैं बल्कि खुद संज्ञान भी लेते हैं।

पंकज तिवारी की सोशल मीडिया पोस्ट्स का लेवल इतना हाई होता है कि सूबे के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के चाणक्य कहे जाने वाले दिग्विजय सिंह (दिग्गी राजा) भी उनके मुरीद हो चुके हैं। चर्चा है कि दिग्गी राजा न सिर्फ पंकज की कार्यप्रणाली को अच्छी तरह पहचानते हैं, बल्कि उनकी पोस्ट्स को खुद शेयर कर जवाब भी देते हैं। अब जब सीधे राजा साहब का आशीर्वाद सिर पर हो, तो फिर जमीनी कार्यकर्ताओं का सीना चौड़ा होना लाजमी है।

आलाकमान की रडार पर पंकज, मिल सकता है वफादारी का बड़ा इनाम- सूत्रों की मानें तो बिना किसी गॉडफादर के, निस्वार्थ भाव से और बिना किसी डर-दबाव के विपक्ष की दमदार भूमिका निभाने वाले पंकज तिवारी अब कांग्रेस आलाकमान की सीधी नजरों में आ चुके हैं। प्रदेश और राष्ट्रीय नेतृत्व के गलियारों में चर्चा है कि विपरीत समय में पार्टी का झंडा इतनी मजबूती से बुलंद करने के लिए पंकज तिवारी को आने वाले समय या आगामी चुनावों में कोई बहुत बड़ी और महत्वपूर्ण जिम्मेदारी (इनाम) सौंपी जा सकती है। जावद में समंदर पटेल, सत्यनारायण पाटीदार और पंकज तिवारी की यह त्रिकोणीय सक्रियता अब भाजपा के लिए एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है। नेताओं की यह जुगलबंदी अगर इसी तरह जारी रही, तो जावद कांग्रेस को आने वाले समय में एक नया इतिहास रचने से कोई नहीं रोक पाएगा।

गलियारों में जोर-शोर से चर्चा है कि आने वाले चुनावों या संगठन में पंकज तिवारी को कोई बहुत बड़ी और धमाकेदार जिम्मेदारी मिल सकती है। अगर ऐसा हुआ, तो यह उन जमीनी कार्यकर्ताओं की सबसे बड़ी जीत होगी जो बिना किसी स्वार्थ के कट्टरता के साथ कांग्रेस के लिए काम कर रहे हैं। यह जावद ही नहीं बल्कि पूरे जिले के उन निष्ठावान कार्यकर्ताओं की जीत होगी जो बिना किसी लालच के पार्टी के लिए खून-पसीना बहा रहे हैं। फिलहाल, जावद की सियासत में पंकज तिवारी की इस लॉन्ग जंप को देखकर कई नेताओं के दिलों की धड़कनें तेज हो गई हैं।

गर्भवती महिलाओं की जांच में लापरवाही पड़ी भारीः सीएचसी जीरन के दो लैब टेक्नीशियन निलंबित

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री मातृत्व सुरक्षा अभियान के तहत आयोजित शिविर में गर्भवती महिलाओं की जांच में घोर लापरवाही बरतने पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, जीरन के लैब टेक्नीशियन श्री अंकित शर्मा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने यह आदेश जारी किया है।

क्या है मामला

25.05.2026 को सीएचसी जीरन में प्रधानमंत्री मातृत्व सुरक्षा अभियान अंतर्गत शिविर आयोजित किया गया था। पालसोड़ा निवासी श्रीमती रीना राठौर के पति श्री अनिल राठौर ने लिखित शिकायत दर्ज कराई कि लैब टेक्नीशियन श्री अंकित शर्मा एवं श्रीमती लीना सिंघाड़िया द्वारा यूरिन ब्लड शुगर एवं एल्बुमिन की जांच किए बिना ही रिपोर्ट दे दी गई। परिजनों द्वारा बनाए गए वीडियो में भी %यूरिन सैंपल स्टैंड पर ही रखे रहे और मिनटों में रिपोर्ट बनाकर सौंप दी गई% यह स्पष्ट हुआ। दैनिक भास्कर नीमच में भी इस संबंध में खबर प्रकाशित हुई थी।

जांच में पाई गई गंभीर लापरवाहियां

शिविर में आई गर्भवती महिलाओं की यूरिन ब्लड शुगर एवं एल्बुमिन की जांच बिना किए ही रिपोर्ट जारी कर दी गई।

शासकीय सप्लाई के यूरिन एल्बुमिन स्ट्रीप का उपयोग न करने से हितग्राही को शुगर एवं एल्बुमिन का सही तथ्य नहीं मिल सका। इससे भविष्य में Gestational Diabetes, हाइपरटेंशन, Pre-eclampsia, Eclampsia तथा Convulsion का सही उपचार नहीं हो सकता, जिससे गर्भस्थ शिशु तथा गर्भवती माता का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। गर्भस्थ शिशु की मृत्यु होना एवं गर्भवती की मृत्यु होना भी संभावित है।

मरीज के परिजन द्वारा वीडियो बनाने पर संबंधित लैब टेक्नीशियन द्वारा आनन-फानन में यूरिन सैंपलों में स्ट्रीप्स डाली गईं।

की गई कार्यवाही

उक्त कृत्य को कर्तव्य के प्रति घोर लापरवाही एवं उदासीनता मानते हुए मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के नियम 9(1) के अंतर्गत श्री अंकित शर्मा, लैब टेक्नीशियन, सीएचसी जीरन को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

निलंबन अवधि में मुख्यालय- निलंबन अवधि में इनका मुख्यालय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सिंगोली जिला नीमच निर्धारित किया गया है। निलंबन अवधि में इन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा

-मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, नीमच

कार्यालय : नगर पालिक निगम, उज्जैन

क्रमांकः एसबीएम/2026/502 | उज्जैन दिनांक :- 25/05/2026

-: ऑनलाईन (online) निविदा आमंत्रण सूचना :-

फ्लावर वेस्ट रिसायकलिंग फैसिलिटी के निर्माण, डिजाइन, इंस्टालेशन, संचालन एवं संधारण कार्य पीपीपी मोड पर करने हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा क्रमांक	कार्य का विवरण	अमानत राशि	टेंडर डॉक्युमेंट की लागत	निविदा की अंतिम तिथि
2026_UAD_509397_1	Request for proposal of for selection of agency for development, design, Installation, Operation and maintenance of flower waste recycling facility at Ujjain municipal corporation, Ujjain on public private partnership (PPP) Model.	1,00,000 रूपये	15,000 रूपये	12/06/2026

विस्तृत निविदा सूचना, टेण्डर डाक्यूमेन्ट व अन्य जानकारी वेबसाईट www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है।

कार्यपालन यंत्री, (एसबीएम)
नगर पालिक निगम उज्जैन

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

बैरिकेडिंग कर कराएं निर्माण, मलबा हटाने के लिए अतिरिक्त श्रमिक लगाएं

मौके पर जाकर अधिकारियों ने हरिफाटक अंडरपास और प्रमुख मार्गों के चौड़ीकरण कार्य की प्रगति देखी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ-2028 के लिए शहर में चल रहे विकास कार्यों की गति बढ़ाने के उद्देश्य से मंगलवार सुबह संभागायुक्त तथा कलेक्टर ने विभिन्न निर्माण स्थलों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने मार्ग चौड़ीकरण और अंडरपास निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लेते हुए संबंधित एजेंसियों को समयबद्ध तरीके से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान संभागायुक्त आशीष सिंह ने स्पष्ट कहा कि जहां दिन में निर्माण कार्य चल रहा है, वहां बैरिकेडिंग की व्यवस्था की जाए ताकि यातायात और निर्माण दोनों प्रभावित न हों। उन्होंने नगर निगम अधिकारियों को चौड़ीकरण वाले मार्गों से मलबा तत्काल हटाने तथा अतिरिक्त श्रमिक लगाकर कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने नरेंद्र टॉकीज तिराहा से कंठाल, सतीगेट और छोटा सराफा क्षेत्र तक पैदल भ्रमण कर निर्माण कार्यों की स्थिति देखी। मौके पर इंजीनियरों ने बताया कि प्रतिदिन लगभग 80 मीटर तक पीक्यूसी कार्य किया जा रहा है तथा कोतवाली क्षेत्र तक डीएलसी का कार्य पूरा हो चुका है।इसके बाद अधिकारियों ने टंकी चौराहा, ढाबा रोड, दानीगेट, जूना सोमवारिया, केडी गेट और तेलीवाड़ा क्षेत्र में चल रहे चौड़ीकरण कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान नाली निर्माण, पोल शिफ्टिंग और पीएचई लाइन से जुड़े कार्यों की समीक्षा की गई।

संभागायुक्त ने कई स्थानों पर कार्य की गति बढ़ाने और संसाधन बढ़ाकर तय समय में काम पूरा करने के निर्देश दिए। हरिफाटक ओवरब्रिज के समीप निर्माणाधीन अंडरपास का निरीक्षण करते हुए उन्होंने वाकणकर ब्रिज और अंडरपास को जोड़कर यातायात संचालन के लिए रोटरी अथवा अन्य विकल्पों का प्लान तैयार करने को कहा, ताकि सिंहस्थ के दौरान श्रद्धालुओं और वाहनों की आवाजाही सुचारु बनी रहे।

बिना अनुमति क्लीनिक खोलने वाली डॉक्टर पर केस दर्ज

चार दिन पहले स्वास्थ्य विभाग ने किया था सील

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा शुक्रवार को सील किये गये क्लीनिक को सोशल मीडिया पर भ्रामक प्रचार कर सोमवार को खोल लिया गया। स्वास्थ्य विभाग को जानकारी मिली तो दोबारा सील करने की कार्रवाई कर क्लीनिक की डॉक्टर के खिलाफ पुलिस शिकायत दर्ज कराई गई।

बड़नगर थाना प्रभारी अशोक कुमार पाटीदार ने बताया कि उज्जैन से स्वास्थ्य विभाग की टीम इंगोरिया बीएमओ डॉ. विजेन्द्रसिंह अजनार के साथ शाम को थाने आई थी। टीम द्वारा बताया कि आजाद चौक में कमला की दवा निस्वार्थ सेवा संस्था नामक क्लीनिक को बिना अनुमति संचालित किये जाने पर सील किया था। बिना अनुमति क्लीनिक की डॉ. पल्लवी मंडल की शिकायत दर्ज कराई। मामले में बीएमओ डॉ. अजनार की शिकायत पर डॉ. पल्लवी मंडल के खिलाफ धारा 223 का प्रकरण दर्ज किया गया है। वहीं संदेही सरोज मंडल की भूमिका के साथ अन्य की विवेचना शुरू की गई है। विवेचना के बाद धाराओं का इजाफा किया जा सकता है। जानकारी यह भी सामने आई है कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा क्लीनिक सील किये जाने के बाद संचालक द्वारा सोशल मीडिया पर भ्रामक प्रचार की खबर फैलाई गई कि परिवार में कार्यक्रम होने पर क्लीनिक बंद है। जिसे सोमवार से खोला जायेगा। वहीं मामले में स्वास्थ्य विभाग टीम के डॉ. विक्रम रघुवंशी ने बताया कि क्लीनिक बीएचएमएस डिग्री धारक पल्लवी मंडल द्वारा संचालित किया जा रहा था। लेकिन वह खुद क्लीनिक पर नहीं बैठती है। उनका भाई आने वाले मरीजों का एलोपैथी पद्धति से उपचार करता है। जो सही नहीं है। विदित हो कि कुछ समय पहले मंछामन कालोनी स्थित जनसेवा नोबल पॉली क्लीनिक में 11 साल की बालिका का अपेंडिक्स ऑपरेशन किया था। बालिका की मौत हो गई थी, जिसके बाद मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक पटेल के निर्देश पर पूरे जिले में प्रायवेट अस्पतालों और क्लीनिकों की जांच शुरू की गई है। जिसमें अधिकांश गलत तरीके से संचालित होना सामने आ रहे है। जिसको लेकर स्वास्थ्य विभाग की टीम सील करने की कार्रवाई कर रही है।

हरिफाटक पुल के नीचे वंदे भारत पर पथराव, ट्रेन का कांच टूटा

रात में हुई घटना, आरपीएफ और पुलिस जांच में जुटी, सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में सोमवार देर रात हरिफाटक रेलवे ओवरब्रिज के नीचे से गुजर रही वंदे भारत एक्सप्रेस पर अज्ञात लोगों ने पथराव कर दिया। पत्थर लगने से ट्रेन की एक खिड़की का कांच क्षतिग्रस्त हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही आरपीएफ और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक आरोपी वहां से फरार हो चुके थे।

पुलिस के अनुसार ट्रेन के गुजरने के दौरान किसी अज्ञात व्यक्ति ने पत्थर फेंका, जिससे कोच का कांच टूट गया। घटना से यात्रियों में कुछ देर के लिए दहशत का माहौल बन गया। हालांकि किसी यात्री के घायल होने की सूचना नहीं है। थाना प्रभारी नरेंद्र यादव ने बताया कि मामले में प्रकरण दर्ज कर लिया गया है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि पथराव करने वाले आरोपियों की पहचान की जा सके। पुलिस और आरपीएफ संयुक्त रूप से मामले की जांच कर रही हैं। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। रेलवे सुरक्षा से जुड़े इस मामले को गंभीरता से लिया जा रहा है।

बोहरा समाज ने मनाई ईद-उल-अजहा अमन-चैन की मांगी दुआ

शहर की 27 मस्जिदों में अदा की गई नमाज, घरों पर निभाई कुर्बानी की रस्म- एक-दूसरे को दी ईद की मुबारकबाद

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। दाऊदी बोहरा समाज ने ईद-उल-अजहा का पर्व शुक्रवार को धार्मिक आस्था और उत्साह के साथ मनाया। समाज के लोगों ने सुबह शहर की 27 मस्जिदों में फजर की नमाज अदा की। इसके बाद ईद की विशेष नमाज हुई, जिसमें बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए।

नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी और देश में अमन-चैन, खुशहाली तथा विश्व में शांति की दुआ मांगी।

समाज के खुज़ेमा चांदा भाई वाला ने बताया कि ईद की नमाज के बाद समाजजनों ने अपने-अपने घरों पर कुर्बानी की रस्म अदा की। बोहरा बाखलो क्षेत्र में सुबह से ही त्योहार को लेकर रौनक और उत्साह का माहौल बना रहा। लोग पारंपरिक परिधानों में नजर आए और परिवारों के साथ पर्व की खुशियां मनाईं।

त्योहार के दौरान शांति और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन द्वारा संवेदनशील एवं चिन्हित स्थानों पर पुलिस बल तैनात किया गया था। पूरे आयोजन के दौरान माहौल शांतिपूर्ण बना रहा।

श्री पशुपतिनाथ मंदिर नगर वन में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत भव्य कार्यक्रम सम्पन्न

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद, विकासखंड उज्जैन के अंतर्गत समस्त नगर विकास समितियों द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत गत दिवस एक भव्य कार्यक्रम श्री पशुपतिनाथ मंदिर नगर वन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में श्रमदान, जल स्रोत पूजन, गौ माता पूजन एवं भजन संध्या का भव्य आयोजन हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती अजीता परमार, शासकीय निकाय सदस्य एवं जिला पंचायत सदस्य रहीं।

कार्यक्रम में बावड़ी पर श्रमदानकर स्वच्छता कार्य किया गया जल स्रोत पूजन के माध्यम से जल संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश दिया गया गौ माता एवं भगवान श्री पशुपतिनाथ का पूजन-अर्चन कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना की गई संध्या में भजन का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

मुख्य अतिथि श्रीमती अजीता परमार ने अपने उद्बोधन में कहा कि जल संरक्षण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। जनभागीदारी के बिना जल स्रोतों का संरक्षण संभव नहीं है।

शिप्रा में डूबे युवक की एसडीआरएफ में निकली लाश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। दोस्तों के साथ ग्राम कुवारिया से गुजरी शिप्रा नदी में नहाने गया युवक डूब गया। तलाश के लिए एसडीआरएफ टीम ने सर्चिंग की। रात 10 बजे के लगभग युवक का शव बाहर निकाला गया। आज सुबह पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया। देवास रोड स्थित हामूखेड़ी का रहने वाला विशाल पिता शंकर मालवीय 24 वर्ष सोमवार को दोपहर के समय दोस्तों के साथ ग्राम कुवारिया स्थित शिप्रा नदी पर नहाने गया था। पानी कम था बावजूद इसके नहाते समय विशाल नदी के बीच में चला गया और डूब गया। विशाल के बाहर नहीं आने पर दोस्तों ने परिजन और पुलिस को सूचना दी। तलाश के लिए एसडीआरएफ टीम को बुलाया गया और सर्चिंग शुरू की गई। रात 10 बजे के लगभग विशाल का शव नदी से बाहर निकाला गया। बताया जा रहा है कि शिप्रा नदी में रेत खनन की वजह से गहरे गड्ढे हो गए थे। नहाने के दौरान विशाल एक गड्ढे में जाकर फंस गया था जिसके चलते उसकी मौत हो गई। आज सुबह पोस्टमार्टम के दौरान परिजनों ने बताया कि विशाल पेंटरी का काम करता था और नाना-नानी के यहां रहता था। एक माह पहले ही पिता का निधन हुआ है। मां आगर रोड स्थित 5 नंबर नाके पर रहती है

4 माह की पुत्री के साथ 2 साल बाद मिली युवती

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। माकड़ोन के ग्राम नीमखेड़ा कपेली से 11 मई 2024 को लापता हुई युवती को 2 साल बाद पुलिस ने राजस्थान से खोज निकाला। युवती 4 माह की पुत्री के साथ मिली। थाना प्रभारी प्रदीपसिंह राजपूत ने बताया कि लापता होने के दौरान युवती को बालिग होने में कुछ माह शेष थे। परिजनों ने उसके लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी और अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला-फुसलाकर ले जाने की बात कहीं थी। लगातार तलाश के 2 साल बाद पता चला कि लापता युवती राजस्थान के रामगंजमंडी में निवास कर रही है। एक टीम दस्तयाबी के लिये रवाना की गई। जहां उक्त युवती 4 माह की पुत्री के साथ मिली। उसे माकडोन लाया गया। जहां तराना से महिला अधिकारी को बुलाकर बयान दर्ज किये गये। युवती ने बताया कि माता-पिता उसकी इच्छा के विरूद्ध शादी करना चाहते थे। जिसके चलते नाराजा होकर घर से बिना बताये चली गई थी। राजस्थान पहुंचने पर परिचित युवक गोविंद चौहान द्वारा उसके रहने में सहायता की, समय गुजरने पर मार्च 2025 में उसने गोविंद से विवाह कर लिया। दोनों की 4 माह की पुत्री है। युवती ने अपने साथ कोई जबरदस्ती नहीं होना बताया। उसने पति के साथ रहने की बात कहीं। थाना प्रभारी के अनुसार युवती के न्यायालय में बयान दर्ज कराकर उसे पति के साथ भेजा गया है।

सिंह?थ 2028 में यातायात सुगमता के लिए उज्जैन के एक सौ चौराहा व्यवस्थित होंगे

सिंहस्थ मेला अधिकारी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ 2028 के अंतर्गत उज्जैन शहर में एक सौ चौराहा का विस्तार, लेफ्ट टर्न फ्री और सिगनल के लिए जगह चिन्हित से सम्बन्धित बैठक सिंहस्थ मेला कार्यालय में आयोजित हुई।

उज्जैन में सिंहस्थ 2028 के लिए अधोसंरचना विकास कार्यों को गति प्रदान की जा रही है। इसी क्रम में शहर के विभिन्न क्षेत्रों में सड़क निर्माण एवं सड़क चौड़ीकरण के कार्य प्रचलित हैं। इन कार्यों की प्रगति एवं यातायात व्यवस्था को अधिक सुगम एवं व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह द्वारा एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में विशेष रूप से शहर के विभिन्न चौराहों की डिजाइन, यातायात प्रबंधन एवं फ्री लेफ्ट टर्न व्यवस्था को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बताया गया कि सिंहस्थ 2028 की आवश्यकताओं एवं भविष्य में बढ़ने वाले यातायात दबाव को ध्यान में रखते हुए उज्जैन शहर में 100 से अधिक चौराहों का विकास एवं पुनःडिजाइन किया जा रहा है।

बैठक में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि यदि चौराहों की डिजाइन सुव्यवस्थित एवं तकनीकी दृष्टि से बेहतर होगी तो यातायात का संचालन अधिक सुचारु रूप से हो सकेगा तथा ट्रैफिक जाम की स्थिति में कमी आएगी।

इसी उद्देश्य से विभिन्न प्रमुख चौराहों पर फ्री लेफ्ट टर्न, बेहतर रोड ज्योमेट्री, संकेतक व्यवस्था एवं यातायात के वैज्ञानिक प्रबंधन पर कार्य किया जा रहा है। सिंहस्?थ मेला अधिकारी द्वारा निर्देश दिए गए कि सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए ऐसे चौराहों का विकास सुनिश्चित करें, जिससे आम नागरिकों एवं सिंहस्थ में आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर यातायात सुविधा प्राप्त हो सके। साथ ही यह भी बताया गया कि सिंहस्थ 2028 की दृष्टि से शहर के प्रमुख मार्गों एवं चौराहों को आधुनिक एवं सुव्यवस्थित स्वरूप प्रदान किया जा रहा है, जिससे उज्जैन शहर की यातायात व्यवस्था अधिक सुरक्षित, सुगम एवं प्रभावी बने। मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह ने अलग-अलग चौराहा की ड्राइंग, और प्लानिंग पर चर्चा की, एम पी आर डी सी, लोक निर्माण विभाग, यू डी ए, नगर निगम की सड़कों, ब्रिज कार्पोरेशन की सड़कों पर स्थित चौराहा की ड्राइंग डिजाइन पर चर्चा हुई ।

तेज गर्मी बनी खतरा... लू और डिहाइड्रेशन से बचाव का अलर्ट

स्वास्थ्य विभाग ने जारी की एडवाइजरी, पर्याप्त पानी पीने और धूप से बचने की दी सलाह

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में लगातार बढ़ रहे तापमान और भीषण गर्मी को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने लोगों को लू (हीट स्ट्रोक), निर्जलीकरण (डिहाइड्रेशन) और त्वचा संबंधी रोगों से बचाव के लिए सावधानी बरतने की सलाह दी है।

सीएमएचओ के अनुसार लू लगने पर शरीर का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक हो सकता है। इस दौरान व्यक्ति को चक्कर आना, उलझन होना, कमजोरी महसूस होना और बेहोशी जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। गंभीर स्थिति में किडनी प्रभावित हो सकती है और समय पर उपचार नहीं मिलने पर जान का खतरा भी बन सकता है।

उन्होंने बताया कि गर्मी में अधिक पसीना आने से त्वचा पर लाल चकत्ते, खुजली और छोटे-छोटे दाने निकलने जैसी समस्याएं भी बढ़ जाती हैं। इसे हीट रैशेज या कांटेदार गर्मी कहा जाता है। इससे बचने के लिए ढीले सूती कपड़े पहनें, शरीर को साफ और सूखा रखें तथा धूप में निकलते समय छाते का उपयोग करें। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों को पर्याप्त मात्रा में पानी पीने, घर से बाहर निकलने से पहले ठंडे पेय या शिकंजी, आम पन्ना जैसे पेय पदार्थ लेने और अपने साथ पानी की बोतल रखने की सलाह दी है। तेज धूप से आने के तुरंत बाद अत्यधिक ठंडा पानी पीने से भी बचने को कहा गया है।

डिहाइड्रेशन के लक्षणों को न करें नजरअंदाज- डॉ. पटेल ने बताया कि गर्मी में शरीर से लगातार पसीना निकलने के कारण पानी की कमी हो जाती है, जिससे डिहाइड्रेशन की समस्या पैदा होती है। बार-बार गला सूखना, ज्यादा पसीना आना, कमजोरी, थकान, शरीर का तापमान बढ़ना, चेहरे का पीला पड़ना, मितली या बेहोशी इसके प्रमुख लक्षण हैं।

ऐसी स्थिति में व्यक्ति को तुरंत छायादार स्थान पर आराम करना चाहिए और ओआरएस, इलेक्ट्रॉल, फलों का रस या अन्य तरल पदार्थों का सेवन करना चाहिए। वहीं कैफीन और कार्बोनेटेड पेय पदार्थों से दूरी बनाए रखना चाहिए।

स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि दोपहर की तेज धूप में अनावश्यक बाहर निकलने से बचें तथा बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों का विशेष ध्यान रखें, ताकि गर्मी से होने वाली स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों से बचा जा सके।

दिव्यांग ने लोडिंग रिक्शा दिव्यांग ने लगाई फांसी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सोमवार रात में दिव्यांग ने घर के बाहर खड़ी लोडिंग में रस्सी का फंदा बांधकर फांसी लगा ली। आसपास के लोगों ने लटका देखा तो परिवार को सूचना दी। पुत्र फंदे से उतारकर अस्पताल लेकर आया जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।इंदौर रोड स्थित रामवासा में रहने वाला राकेश पिता ओमप्रकाश प्रजापत 40 वर्ष दिव्यांग था। उसकी पत्नी भी दिव्यांग है। वह लोडिंग रिक्शा चलाने का काम करता था। लेकिन पिछले 6 माह से उसकी रिक्शा की बैटरी खराब थी। 50 हजार रुपए से अधिक कीमत की बैटरी आने पर राकेश ने अपनी बुआ के लड़के फूलचंद के ईंट भट्टे पर काम करना शुरू कर दिया था। भट्टे पर वह देखरेख का काम करता था और रिक्शा की बैटरी के लिए रुपए एकत्रित कर रहा था। उसने बुआ के लड़के से 1 जून को बैटरी लेने की बात कही थी। उससे पहले वह सोमवार को शाजापुर गया था। जहां से वापस लौटने के बाद रात को घर के बाहर खड़ी लोडिंग में फांसी लगा ली। अस्पताल से सूचना मिलने पर नानाखेड़ा पुलिस ने मामले में मर्ग कायम किया है। परिजनों ने बताया कि संभवतः वह रिक्शा में बैटरी नहीं डलवा पाने और आर्थिक परेशानी के चलते तनाव में था जिसके चलते उसने आत्मघात कदम उठाया है। पुलिस के अनुसार फिलहाल फांसी लगाने की सही वजह सामने नहीं आई है। परिजनो के बयान और जांच के बाद ही मामला स्पष्ट हो पाएगा।

पुराने विवाद में दो पक्षों के बीच चाकूबाजी, 4 घायल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बीती रात जंतर-मंतर प्रजापत धर्मशाला के पास पुराने विवाद को लेकर माली समाज के दो पक्ष से जुड़े युवकों के बीच विवाद हो गया जिसमें चाकूबाजी होने पर एक युवक गंभीर घायल हो गया। वहीं तीन अन्य को भी चोट लगी है। पुलिस ने दोनों ओर से शिकायत दर्ज कर जांच शुरू की है।

नीलगंगा थाना पुलिस ने बताया कि जयसिंहपुरा हनुमान बाग क्षेत्र में रहने वाले दीपक पिता रजनीश माली 21 साल और अभिषेक पिता राजेश माली 19 साल निवासी भीमाखेड़ा महिदपुर हालमुकाम जयसिंहपुरा के बीच घूरकर देखने की बात पर विवाद चला आ रहा था। रात 11 बजे के लगभग दोनों का आमना सामना जंतर-मंतर के समीप हो गया। जहां विवाद बढ़ने पर दोनों के साथियों के बीच मारपीट हो गई। इस दौरान चाकू भी चले।

जिसमें अभिषेक माली गंभीर घायल हो गया। वहीं उसके साथी तरुण पिता गोवर्धन माली और जतीन पिता जितेन्द्र चौधरी भी घायल हुए हैं। दूसरी ओर से दीपक माली को भी चोट आई है। चाकूबाजी की जानकारी लगने पर पुलिस घटना स्थल पहुंची थी लेकिन घायलों को अस्पताल भेजा जा चुका था। अभिषेक के बयान अस्पताल पहुंचकर दर्ज किए गए और दीपक, सुजीत, राज और अन्य के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया। अभिषेक पेट्रोल पंप पर काम करता है। वहीं दूसरी ओर से घायल दीपक माली की शिकायत उसके साथी आयुष बैरागी द्वारा दर्ज कराई गई है।

उज्जैन में युवा संगम रोजगार मेले में 342 युवक-युवतियों का प्रारंभिक चयन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन के निर्देशानुसार युवाओं को निजी क्षेत्र में अधिक से अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला रोजगार कार्यालय,द्वारा प्रतिमाह ÷युवा संगम (रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेला)÷ का आयोजन किया जा रहा है।

इसी क्रम में मंगलवार को कलेक्टर श्री रोशन कुमार सिंह के मार्गदर्शन में युवा संगम÷ रोजगार मेला शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आई.टी.आई.) परिसर में आयोजित किया गया।

मेले में 15 कंपनियों द्वारा 350 रिक्त पदों के लिए 470 युवक-युवतियों का पंजीयन कराया गया, जिनमें से 342 युवक-युवतियों का प्रारंभिक चयन किया गया।

जिला रोजगार कार्यालय द्वारा 138 आवेदकों को व्यक्तिगत काउंसिलिंग प्रदान कर उनके करियर मार्गदर्शन व परामर्श दिया गया। साथ ही आई.टी.आई. उज्जैन के माध्यम से 27 युवाओं का अप्रेंटिसशिप में चयन किया गया।

कलेक्टर सिंह द्वारा एक दर्जन से अधिक बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी अधिसूचित किए गए

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने जिले के सभी स्तरों पर बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारियों की व्यापक अधिसूचना जारी की है। राज्य सरकार द्वारा बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए ग्राम स्तर तक अधिकारियों को अधिसूचित किया गया है। इसके अनुसार अधिसूचित बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारियों में जिला स्तर पर जिला कलेक्टर, अपर कलेक्टर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत, अनुविभाग स्तर पर अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), तहसील स्तर पर तहसीलदार एवं समस्त नायब तहसीलदार (राजस्व विभाग), ब्लॉक स्तर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत,परियोजना अधिकारी, महिला एवं बाल विकास, सेक्टर स्तर पर (ग्रामीण एवं शहरी) समस्त राजस्व निरीक्षक (राजस्व विभाग), समस्त पर्यवेक्षक, महिला एवं बाल विकास विभाग ग्राम स्तर पर पटवारी,नगरीय क्षेत्र में नगर पालिक निगम के जोनल अधिकारी, राजस्व अधिकारी/सहायक राजस्व अधिकारी, स्वास्थ्य अधिकारी,नगर पालिक परिषद स्तर पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी, राजस्व निरीक्षक/उप राजस्व निरीक्षक, मुख्य स्वच्छता निरीक्षक/स्वच्छता निरीक्षक,नगर परिषद मुख्य नगर पालिका अधिकारी, राजस्व निरीक्षक/उप राजस्व निरीक्षक, स्वच्छता निरीक्षक को शामिल किया गया है। कलेक्टर श्री सिंह ने सभी अधिसूचित अधिकारियों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के तहत पूर्ण अधिकार प्रदान करते हुए निर्देश दिये हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्र में बाल विवाह की किसी भी सूचना पर तुरंत कार्यवाही करें और इसे पूर्ण रूप से रोकने के लिए सक्रिय भूमिका निभाएं। आमजन से अपील की जाती है कि बाल विवाह की किसी भी घटना या सूचना पर तुरंत निकटतम बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी अथवा जिला कलेक्ट्रेट/महिला एवं बाल विकास कार्यालय में सूचना दें।

कलेक्टर श्री सिंह द्वारा विभिन्न मामलों में जनसुनवाई की गई

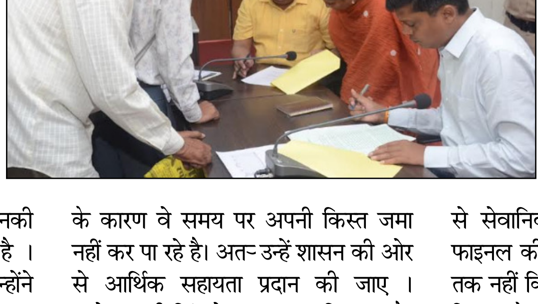

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह द्वारा मंगलवार को प्रशासनिक संकुल भवन के सभा कक्ष में विभिन्न मामलों मे जनसुनवाई करते हुए प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण करने का निर्देश दिए गए।

उज्जैन निवासी श्रीमती पूजा सोनवने ने आवेदन दिया की वे 50 प्रतिशत दिव्यांग है और कुछ समय से अत्यधिक तनाव होने के कारण उनकी मानसिक स्थिति काफी प्रभावित हुई है । उनके पति भी पैर से दिव्यांग है और उन्होंने ऑटो रिक्शा चलाने के लिए ऋण लिया था । कुछ समय से आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वे समय पर अपनी किस्त जमा नहीं कर पा रहे है। अत~ उन्हें शासन की ओर से आर्थिक सहायता प्रदान की जाए । कलेक्टर श्री सिंह ने इस पर श्रम विभाग और सामाजिक न्याय विभाग के अधिकारियों को बुलाया और प्रार्थियां और उनके पति को नियमानुसार हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए । प्रार्थियां ने कलेक्टर श्री सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया ।

उज्जैन निवासी श्री राजकुमुद ने आवेदन दिया कि वे शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय से भृत्य के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं परंतु उन्हें जीपीएफ फाइनल की राशि का भुगतान आज दिनांक तक नहीं किया गया है । इस पर उच्च शिक्षा विभाग के प्रभारी अधिकारी को प्रकरण की जांच कर उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए ।

खाचरौद के ग्राम भीकमपुर निवासी श्री चंदरसिंह ने आवेदन दिया की गांव में स्थित उनके स्वामित्व की कृषि भूमि पर आवागमन के मार्ग पर कुछ लोगों के द्वारा अवैध रूप से कब्जा कर लिया गया है। इस वजह से उन्हें कृषि कार्य में बहुत कठिनाई हो रही है। उन्होंने इस संबंध में जब अनावेदक से बात की तब उनके साथ अभद्र व्यवहार किया गया । इस पर कलेक्टर ने एसडीएम खाचरौद को स्थल निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

खाचरौद के ग्राम कंचनखेड़ी निवासी श्रीमती पवनबाई ने आवेदन दिया की गांव में स्थित उनके मकान के पास रहने वाले कुछ लोगों के द्वारा अवैध कब्जा करने की मंशा से उनके मकान की एक तरफ की दीवार और टिनशेड तोड़ दिया गया है तथा प्रार्थियां और उनके पति के साथ मारपीट की गई है । इस पर एसडीएम खाचरौद को मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए ।

खाचरौद के ग्राम नंदियासी में रहने वाले अर्जुन सिंह चावड़ा ने आवेदन दिया कि गांव चंदवासला के पंचायत सचिव के द्वारा पंचायत के विकास के लिए किए जाने वाले कार्यों में अनियमितता बरती जा रही है। इस पर सीईओ जनपद पंचायत खाचरौद को मामले की जांच कर उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।